

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

स्वतंत्र मत

जबलपुर रविवार 22 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी

वर्ष 32 अंक 143 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

मौसम

अधिकतम तापमान 24.3°C

न्यूनतम तापमान 17.6 °C

सूर्योदय - 6.29 | सूर्यास्त - 5.24

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



सतना में 22 नवंबर को होगा चौथा इज्तेमाई ...▸▸ 4



रवि किशन की नई फिल्म में दिखेगा भारतीय ..▸▸ 7



कब उजागर होगा अंशुल की मौत का सच... ▸▸ 9

नीट पेपर लीक केस में 14 आरोपियों पर आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। इनमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़े तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट भी शामिल हैं। सभी आरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के सामने पेश किया गया। उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और मुकदमे का सामना करने की बात कही। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार समेत कई आरोप तय किए हैं। 25 नवंबर से मामले की रोजाना सुनवाई होगी।

एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में पकड़ी गयी 5 करोड़ की कोकीन

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने नई दिल्ली के एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के जरिए कोकीन की तस्करी करने की कोशिश को नाकाम करते हुए 5 करोड़ रुपये की कोकीन पकड़ी है। तस्करी का यह माल एयर कार्गो परिसर के आयातित माल क्षेत्र में पकड़ा गया। यह कार्रवाई डेटा विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर की गयी।

डीएनए संरचनाओं को बदल सकता है वायु प्रदूषण : विशेषज्ञ

नई दिल्ली (वार्ता) वायु प्रदूषण मानव जीवन के लिए एक विकट समस्या बन गया है और यह हमारे डीएनए संरचनाओं को बदल सकता है और कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी का कारण बन सकता है। राष्ट्रीय राजधानी के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित शहरी वायु प्रदूषण, जलवायु और जन स्वास्थ्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को संपन्न हो गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) वायु में पीएम2.5 और पीएम1 जैसे प्रदूषकों की धात्विक संरचना का विश्लेषण करने पर बल दिया, ताकि इसके प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

योगी ने भाई के साथ मां को मुखाग्नि दी

देहरादून। योगी की मां सावित्री देवी शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। सीएम ने अपने सबसे छोटे भाई महेंद्र मोहन बिष्ट के साथ मां को मुखाग्नि दी। हरिद्वार के चंडी घाट पर योगी ने मां की चिता सजाई। पैर छूकर विदाई दी। योगी अंतिम यात्रा के दौरान रो पड़े। घर से मां की अर्थी को कंधा देकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। बार-बार रुमाल से आंसू पोछते रहे। योगी मां के पार्थिव शरीर के साथ ही पौड़ी के पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार पहुंचे।

डॉ मेनन दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से जुड़े वरिष्ठ मीडिया शोधकर्ता डॉ. देवदास मेनन ने लगातार दूसरे वर्ष दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान प्राप्त किया है। कैलिफ़ोर्निया स्थित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा संकलित वर्ष 2025-2026 के वैश्विक वैज्ञानिकों के डेटाबेस के अनुसार डॉ. मेनन इस विशिष्ट शोध क्षेत्र में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में उभरे हैं। स्कोपस डेटाबेस पर आधारित मानकीकृत उद्धरण मापदंडों के अनुसार डॉ. मेनन की सभी विषयों को मिलाकर वैश्विक रैंक 56,727 है, जबकि संबंधित उपक्षेत्र में उनकी वैश्विक रैंक 790 है।

बिहार को मिला सबसे लम्बा पुल

प्रधानमंत्री ने गंगा नदी पर बने छह लेन के 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया

पटना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने 19.7 किमी लम्बे छह लेन के केबल-स्टे ब्रिज 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में हजारों करोड़ रुपये की अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बिहार की विकास यात्रा, सुशासन और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ अभी संपन्न हुआ है। बिहार की माताओं और बहनों ने कठिन निर्जला व्रत रखकर परिवार, समाज और पूरे जगत के कल्याण की कामना की। छठी मैया के आशीर्वाद से अब बिहार में विकास का पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की विकास यात्रा में सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। लोकतंत्र की ताकत को जनकल्याण का माध्यम बनाया गया है। एनडीए सरकार अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर रही है। इस अवसर के आयोजन के लिए लोकतंत्र की महान धरती वैशाली को चुना गया है। पीएम मोदी ने वैशाली और बिहार की मिट्टी को नमन करते हुए



एनडीए के सभी घटक दलों, कार्यकर्ताओं और बिहारवासियों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि करीब तीन दशक पहले बिहार ने उम्मीद और विश्वास की नई राह चुनी थी। दशकों तक बदहाली झेलने वाले बिहार को नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन का नया भरोसा मिला। नीतीश कुमार ने वर्षों तक मुख्यमंत्री के तौर पर बिहार की सेवा की और अब उनके आशीर्वाद से इस अभियान को सम्राट चौधरी और उनकी पूरी टीम आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि आज हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। उन्हें पूरा विश्वास है कि उनके मित्र रामविलास पासवान की आत्मा जहां भी होगी, वह भी इन कार्यों को देखकर हम पर फूलों की वर्षा कर रही होगी, क्योंकि उनके सपनों को भी साकार किया जा रहा है।

नीतीश सेतु से किसे होगा फायदा?

प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन केबल-स्टे ब्रिज को जनता को समर्पित किया। नीतीश कुमार के सम्मान में इस आधुनिक पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पुल बिहारवासियों की ओर से नीतीश कुमार के सेवा और समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से पटना और वैशाली के बीच दूरी और आवागमन की मुश्किलें कम होंगी। किसानों के लिए फसल, फल, सब्जियां, दूध और दही बड़े बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। इससे युवाओं को पढ़ाई और बुजुर्गों को इलाज व दवाइयों के लिए आने-जाने में भी सुविधा मिलेगी।

बिहार में विकास का पर्व

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छठ महापर्व के संपन्न होने के बाद अब बिहार में विकास का पर्व मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

नीतीश के नेतृत्व में सुशासन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार को सुशासन का भरोसा मिला। उन्होंने कहा कि अब सम्राट चौधरी और उनकी टीम इस विकास यात्रा को आगे बढ़ा रही है।

अब आवागमन होगा आसान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छह लेन के नीतीश सेतु से पटना और वैशाली के बीच दूरी और यात्रा की मुश्किलें कम होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों, छात्रों और मरीजों को भी इसका लाभ मिलेगा।

गरीबों को बेहतर सुविधाएं

उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत हजारों गरीब परिवारों को पक्के घरों की चाबियां सौंपी गई हैं। साथ ही, शहरी परिवहन को बेहतर बनाने के लिए 100 आधुनिक ई-बसों को हरी झंडी दिखाई गई है।

परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक हो शीतकालीन सत्र से बचने की कोशिश में सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता) कांग्रेस ने परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करते हुए कहा है कि सरकार संविधान संशोधन विधेयक को विपक्ष की सहमति के बिना पारित कराने की कोशिश कर रही है और संसद के शीतकालीन सत्र से बचने की तैयारी में है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले पांच महीने में चार बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया है लेकिन किसी भी पत्र का जवाब तो दूर उसकी प्राप्ति की सूचना तक नहीं दी गयी है। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार मांगें गिनाते हुए कहा कि परिसीमन संविधान के अनुरूप होना चाहिए। इन मांगो में लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखी जाये, राज्यों को वर्तमान में प्राप्त सीटों का अनुपात नहीं बदला जाये, 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू कर लोकसभा की एक-तिहाई यानी 182 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाये और संविधान में संशोधन कर अगले 25 वर्षों तक इस व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाये। उनका यह भी कहना था कि विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की जानी चाहिए। श्री रमेश ने शीतकालीन सत्र रद्द किये जाने की आशंका जताते हुए कहा कि सरकार सीधे बजट सत्र बुला सकती है। संविधान के अनुसार संसद के दो सत्रों के बीच छह महीने से अधिक का अंतर नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संसद से बच रही है, क्योंकि सत्र बुलाये जाने पर मुख्य मुद्दा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा होगा और सभी विपक्षी दल इसे लेकर सवाल उठायेंगे। उन्होंने श्री मोदी से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी की परंपरा का अनुसरण करते हुए विकसित भारत बनने तक परिसीमन नहीं कराने का निर्णय लेने की मांग की और दावा किया कि सरकार के शीर्ष नेतृत्व के बीच भी कई मुद्दों पर गंभीर मतभेद हैं।



जीत ही होगा सीट बंटवारे का आधार

सपा-कांग्रेस गठबंधन पर अखिलेश का बड़ा बयान

लखनऊ

सपा और कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे में खींचतान चर्चाओं के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने थोड़ा नर्म रुख दिखाया है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई सीटें ऐसी हैं, जो कांग्रेस जीत सकती है, इसी पर चर्चा होगी। सपा प्रमुख ने भाजपा के चुनावी नारे 'राधे-राधे कमल खिला दे' पर तंज करते हुए कहा कि दो दिन बैठकर भाजपा वालों ने ये नारा बनाया, उनको पता है कि कमल मुरझा रहा है, इसलिए राधे-राधे कर रहे हैं। अखिलेश ने पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों पर भाजपा पदाधिकारी की



तरह काम करने का भी आरोप लगाया। इस दौरान पूर्व मंत्री उत्पल राय, पूर्व ब्लाक प्रमुख अनिल कसाना व अवधेश चौहान सहित कई नेता सपा में शामिल हुए। शनिवार को सपा मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता में अखिलेश ने कहा कि कहते हैं कि विदा करते समय भी राधे-राधे कहा जाता है। इनकी विदाई होने वाली है। गठबंधन को लेकर कहा कि बात सीट बंटवारे की नहीं, जीत की है। जो जहां जीतेगा, उसके हिस्से में सीट जाएगी। हालांकि आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की चर्चाओं के सवाल को टाल दिया। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग, भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। सपा के बूथ स्तर के नेता वोट बनवाएं, जब बूथ जीतेंगे तभी सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 1.27 करोड़ वोट कटने वाले बयान पर कहा कि आयोग के दबाव में अब मुख्यमंत्री कुछ नहीं बोल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी पुलिस और कुछ अधिकारी भाजपा के लिए काम कर हैं। बहुत से अधिकारी 10 सालो से एक ही कुर्सी पर बैठे है।

सीजीएसटी सुपरिंटेंडेंट के घर 1.86 करोड़ की कीमत का कैश और सोना-चांदी मिला

पंचकूला। पंचकूला में रिश्वत के मामले में गिरफ्तार सीजीएसटी सुपरिंटेंडेंट के घर से सीबीआई ने करीब 1.86 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान बरामद किया है। आरोपी सुपरिंटेंडेंट को सीबीआई ने 19 नवंबर को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। सीबीआई के मुताबिक, आरोपी पर एक निजी फर्म के जीएसटी मामले में अनुचित लाभ देने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 19 नवंबर को पंचकूला में ट्रैप लगाकर उसे 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इसके बाद 20 नवंबर को आरोपी के आवास पर तलाशी ली गई। इस दौरान 24.29 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा और करीब 15.65 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। इसके अलावा सोने के आभूषण, सोने की ईंटें और चांदी भी मिली, जिनकी कीमत करीब 1.46 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद की गई नकदी और कीमती सामान का कुल मूल्य करीब 1.86 करोड़ रुपये बताया गया है। तलाशी के दौरान छह



बैंक खातों, निवेश पोर्टफोलियो, जीवन बीमा पॉलिसी और कई अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों के वाहनों और वित्तीय लेनदेन से संबंधित दस्तावेज भी सीबीआई के हाथ लगे हैं। सीबीआई अब बरामद दस्तावेजों की जांच कर रही है। एजेंसी आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों की संपत्ति, निवेश और वित्तीय लेनदेन की भी जांच कर रही है।

मेटा को युवा कांग्रेस ने दी सात दिन की मोहलत

अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाने को लेकर मांगा जवाब

नई दिल्ली (वार्ता)

भारतीय युवा कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा को सात दिनों की मोहलत देते हुए भारतीय सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कथित मनमाने प्रतिबंधों और पोस्ट ब्लॉक किए जाने के मामलों में जवाब मांगा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मेटा ने सात दिनों के अंदर उसकी मांगों पर जवाब नहीं दिया तो डिजिटल



अभिव्यक्ति की आजादी की लड़ाई अदालतों से लेकर सड़कों तक लड़ी जाएगी। युवा कांग्रेस ने यह चेतावनी हैदराबाद, गुरुग्राम और मुंबई स्थित मेटा के कार्यालयों के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद दिया है। संगठन ने यह भी सवाल उठाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का उल्लेख करने वाली या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना करने वाली पोस्ट को कथित तौर पर स्वचालित तरीके से ब्लॉक क्यों किया जा रहा है।

मणिपुर में जहरीली शराब से मृत्यु के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए इसके लिए राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ित परिवारों को उचित सहायता देने की मांग की है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को कहा मणिपुर में ज़हरीली शराब से कई लोगों



की मृत्यु का समाचार बहुत दुखद है। शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और अस्पताल में उपचार कर रहे लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा यह हादसा नहीं बल्कि राज्य की भाजपा सरकार की लापरवाही का नतीजा है। पहले हिंसा ने सैकड़ों घर उजाड़े, अब जहरीली शराब उजाड़ रही है और सरकार अब भी सो रही है।

अरुणाचल प्रदेश पुलिस को मिला राष्ट्रपति पुलिस सम्मान

इटानगर (वार्ता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को इटानगर में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर सम्मान प्रदान किया। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश पुलिस यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाली देश की 17वीं पुलिस बन गयी है। यह सम्मान 15 साल से अधिक समय तक साहस, समर्पण और बलिदान के साथ की गई सेवाओं के लिए दिया जाता है। समारोह में श्री शाह ने कहा कि यह सम्मान पूरे अरुणाचल प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि 1971 में स्थापित अरुणाचल प्रदेश पुलिस में आज 16 हजार से अधिक जवान हैं। यह चार रेंज और 29 पुलिस जिलों में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की चीन, म्यांमार और भूटान के साथ कुल 1,863 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। ऐसे में राज्य की सुरक्षा पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने पुलिस के उग्रवाद, संगठित अपराध, नशे की तस्करी और साइबर अपराध के खिलाफ काम की सराहना की। साथ ही राज्य को नशामुक्त बनाने और यहां से देश में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने का आह्वान किया।



अदाणी डिफेंस की बड़ी कामयाबी

'भगीरा एटी-1' मिसाइल का सफल परीक्षण

बाड़मेर

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने वाहन पर तैनात एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली 'भगीरा एटी-1' का सफल परीक्षण किया है। कंपनी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। 20 नवंबर को आयोजित प्रदर्शन के दौरान चार मिसाइलों का परीक्षण किया गया। इसमें भारतीय सेना, सैन्य मामलों के विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। कंपनी के अनुसार, इस मिसाइल प्रणाली को 18 महीने के डिजाइन और विकास के बाद तैयार किया गया है। इसे भारतीय परिस्थितियों, मौसम और सैन्य जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह एक संपूर्ण युद्ध प्रणाली है, जिसमें मिसाइलों के साथ स्वचालित लॉन्चर, दिन और रात में लक्ष्य पहचानने वाले उपकरण तथा अदाणी



डिफेंस का विकसित 4×4 बख्तरबंद वाहन शामिल है। 'भगीरा एटी-1' की सबसे बड़ी खासियत इसकी 8 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने की क्षमता है। कंपनी का दावा है कि यह जमीन से दागी जाने वाली एंटी टैंक मिसाइलों की करीब 4 किलोमीटर की प्रभावी मारक दूरी से लगभग दोगुनी है। एक वाहन में चार मिसाइलें लॉन्चर पर तैनात रहती हैं, जबकि आठ अतिरिक्त मिसाइलें वाहन में रखी जा सकती हैं। इस तरह एक वाहन में कुल 12 मिसाइलों की क्षमता है। यह मिसाइल रेडियो लिंक के बजाय लेजर बीम के जरिए लक्ष्य तक पहुंचती है। इससे युद्ध के दौरान इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए इसे रोकना मुश्किल हो जाता है।

एक ही लक्ष्य पर दाग सकती है दो मिसाइलें

इस प्रणाली में एक लेजर बीम की मदद से एक ही लक्ष्य पर तेजी से दो मिसाइलें दागी जा सकती हैं। पहली मिसाइल टैंक के एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम को निशाना बनाती है, जबकि दूसरी मिसाइल उसके रक्षा कवच को भेदने के लिए तैयार की गई है। यह प्रणाली लंबी दूरी पर हवाई लक्ष्यों को भी निशाना बनाने में सक्षम बताई गई है। इसकी मदद से सैनिक सुरक्षित स्थान से मिसाइल दागकर तेजी से अपनी स्थिति बदल सकते हैं। इससे दुश्मन की जवाबी कार्रवाई और गोलाबारी का खतरा कम किया जा सकता है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की बढ़ती भूमिका के बीच इसे प्रणाली की अहम क्षमता माना जा रहा है।

शिक्षकों की भूमिका तथा अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर डी.ए.वी. चेयरमैन सी.एल. सरावगी ने दिया जोर

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बुढ़ार में आहुत सद्भावना बैठक में बेहतर परीक्षा परिणाम के लिये निर्धारित की गई कार्ययोजना

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)



शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बुढ़ार में आहुत सद्भावना बैठक में बेहतर परीक्षा परिणाम के लिये विद्यालय के चेयरमैन सी.एल. सरावगी की अध्यक्षता में अनुसासन और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की दिशा में आवश्यक विचार विमर्श किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन उरमलिया की इस अवसर पर उपस्थिति रही और शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विद्यालय सभागार में सद्भावना बैठक का आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह रहा कि विगत वर्षों के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करना तथा आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिये शैक्षणिक व्यवस्था को आधुनिक, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना रहा है। बैठक का शुभारंभ प्राचार्य के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ, और उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। सभी शिक्षक एक परिवार की भावना के साथ मिलकर कार्य करें, यही इस सद्भावना बैठक का मूल उद्देश्य है। प्राचार्य ने विद्यालय में अपने दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान किए गये प्रयासों एवं छात्रावास में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी साझा की। चेयरमैन एवं प्राचार्य ने शिक्षकों के सुझावों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि विद्यालय प्रबंधन शिक्षकों के हितों एवं सुविधाओं के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सी.एल. सरावगी ने अपने संबोधन में कहाकि विद्यालय केवल भवन से नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से पहचान बनाता है। उन्होंने शिक्षकों से कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने, कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने, नियमित परीक्षायें आयोजित करने तथा अभिभावकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। सी.एल. सरावगी ने कहा कि समय-सारणी का पालन, नियमित प्रार्थना सभा एवं कक्षाओं में अनुशासन बनाये रखना अत्यावश्यक है। चेयरमैन सी.एल. सरावगी ने कहाकि यह बैठक किसी औपचारिकता के लिये नहीं, बल्कि एक परिवार के रूप में आपसी संवाद और सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। विद्यालय एक परिवार है और शिक्षक उसकी आत्मा हैं। शिक्षक प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे तो विद्यार्थी भी प्रसन्न रहेंगे और परीक्षा परिणामों में भी सकारात्मक सुधार होगा। विद्यालय की व्यवस्था केवल नियमों से नहीं, बल्कि आपसी समझ, सहयोग और सद्भावना से संचालित होती है। उन्होंने शिक्षकों से समय पर कक्षाओं में पहुंचने, प्रार्थना सभा में नियमित उपस्थित रहने तथा विद्यार्थियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करने की अपेक्षा जताई। आहुत बैठक में पिछले वर्ष के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुये शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के लिये विषयवार कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों के साथ स्नेहपूर्ण एवं प्रेरणादायक व्यवहार रखने तथा उनकी शैक्षणिक समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विद्यालयीन पत्रिका के प्रकाशन को शीघ्र पूर्ण करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं शांतिपाठ के साथ संपन्न हुआ।

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद भी सरकारी जमीन से नहीं हटा कब्जा! सरपंच ने एसडीएम से लगाई गुहार



डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकर्रामठ में शासकीय भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर प्रशासनिक और न्यायिक स्तर पर पहुंच गया है। सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए ग्रामीणों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा कई बार आवेदन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। अब इस मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर प्रकरण के बाद ग्राम पंचायत के सरपंच ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डिंडौरी को आवेदन सौंपकर संबंधित भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग की है। एसडीएम को दिए गए आवेदन के अनुसार, ग्राम कुकर्रामठ के हल्का क्रमांक 156 अंतर्गत खसरा नंबर 1114, 431, 1113 और 1089 की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में ग्रामवासी, सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों द्वारा पूर्व में भी कई बार राजस्व अधिकारियों और संबंधित कार्यालयों में आवेदन प्रस्तुत कर अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी। इसके बावजूद उचित कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। आवेदन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में दर्ज प्रकरण क्रमांक डब्ल्यूपीएच. 26229 शद्ध 2023 तथा ष्टह्वक्रह्मश. स्क्काष्ट010629522023 का उल्लेख किया गया है। सरपंच द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कहा गया है कि मामले में 6 नवंबर 2026 को उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश पारित किए गए हैं। आवेदन के साथ न्यायालय के आदेश की प्रति भी संलग्न किए जाने का उल्लेख है। सरपंच ने एसडीएम से न्यायालय के आदेश के परिपालन में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा संबंधित खसरा नंबरों की शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटवाने का अनुरोध किया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत कन्या महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)



महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय (गृह विज्ञान) में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। अयोजित कार्यक्रम में कल्याणी वाजपेई बाल कल्याण समिति अध्यक्ष, जयंत प्रताप सिंह सहायक संचालक, ज्योति श्रीवास्तव प्रशासक वन स्टॉप सेंटर, डॉ. सुनील कुमार सक्सेना प्राचार्य, डॉ. यमुना धुर्वे राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. सुनीता सिंह मरकाम, डॉ. विनोद कुमार सोनार, डॉ. कल्याणी राऊत प्रोफेसर, वन स्टॉप सेंटर से भानुप्रिया महरा सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर, सपना पाण्डेय काउंसलर, एवं राजेश कुशवाहा उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा देवउठनी एकादशी के शुभ अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। छात्राओं के बीच बाल विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित छात्राओं को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की शिक्षा प्रभावित होती है तथा उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बाल विवाह के कारण बालिकाओं के सामने शिक्षा छूटने, कम उम्र में मातृत्व तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसी अनेक चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। बाल विवाह न करें, न करवाएं और न ही इसमें सहयोग करें, यदि किसी क्षेत्र में बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होती है अथवा बाल विवाह होने की आशंका है, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। जिससे समाज में होने वाले इस कुरीति को रोक जा सके। विद्यार्थियों से अपील की गई कि बाल विवाह की रोकथाम केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नारकोटिक्स दवाओं की अवैध बिक्री पर प्रशासन सख्त, तीन मेडिकल स्टोरों का किया निरीक्षण

अभिलेखों में मिली कमी, संचालकों को तीन दिन में दस्तावेज प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)



जिले में नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के अवैध विक्रय और दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल स्टोरों की जांच शुरू कर दी है। इसी क्रम में औषधि निरीक्षक द्वारा शहडोल एवं ब्यौहारी स्थित तीन मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में न्यू अंबरीश मेडिकल स्टोर, गुप्ता मेडिकल स्टोर ब्यौहारी तथा ओम मेडिकल स्टोर शहडोल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेख, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय बिल, क्रय बिल सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोरों के संचालन, दवाओं के भंडारण, विक्रय प्रक्रिया तथा औषधि अनुज्ञप्ति की शर्तों के पालन की भी पड़ताल की गई। जांच के दौरान कुछ मेडिकल स्टोरों में नारकोटिक्स दवाओं से संबंधित आवश्यक अभिलेख तत्काल प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस पर संबंधित संचालकों को तीन दिवस का समय देते हुए सभी आवश्यक दस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नारकोटिक्स एवं अन्य नियंत्रित श्रेणी की दवाओं का विक्रय केवल वैध चिकित्सकीय पर्चे और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही किया जाए। प्रत्येक दवा के क्रय-विक्रय का उचित रिकॉर्ड रखने तथा ग्राहकों को बिल जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अनियमितता मिलने पर होगी कठोर कार्यवाही

औषधि निरीक्षक ने चेतावनी दी कि नारकोटिक्स दवाओं के अवैध विक्रय, अनियमित भंडारण अथवा दुरुपयोग से संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा अन्य लागू वैधानिक प्रावधानों के तहत संबंधित मेडिकल स्टोर संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

एक सप्ताह से पानी को तरसे सुनियामार के ग्रामीण, सूचना के बाद भी नहीं पहुंचे अधिकारी; हाईवे पर चक्काजाम की नौबत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)



जिले के बजाग विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनियामार में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। गांव में पिछले एक सप्ताह से पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। लगातार बनी इस समस्या और जिम्मेदार अधिकारियों की कथित उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर एकत्रित होकर विरोध जताया। स्थिति चक्काजाम तक पहुंचने की आशंका बन गई थी, लेकिन भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सोनवानी एवं जयस के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम करने का निर्णय टाल दिया। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत सुनियामार में बीते एक सप्ताह से पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता के लिए ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सूचना दी गई, लेकिन इसके बावजूद मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। ग्रामीणों के मुताबिक, पेयजल समस्या से बजाग जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को अवगत कराया गया, लेकिन वे मौके पर नहीं पहुंचे। इसी तरह बजाग एसडीएम को भी समस्या की सूचना दी गई, लेकिन उनकी ओर से भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा नहीं लिया गया। बिजली विभाग गाड़ासरई के कनिष्ठ अभियंता (जेई) को भी सूचना देने के बावजूद उनके नहीं पहुंचने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के सरपंच भी समस्या के दौरान मौके पर उपस्थित नहीं हुए। एक सप्ताह से पानी नहीं मिलने और शिकायतों के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीण नेशनल हाईवे पर एकत्रित हो गए। इस दौरान चक्काजाम की स्थिति निर्मित होने लगी। मौके पर भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सोनवानी एवं जयस के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम ने ग्रामीणों से चर्चा की और उन्हें समझाइश दी। दोनों पदाधिकारियों की पहल पर ग्रामीणों ने तत्काल चक्काजाम करने का निर्णय टाल दिया। ग्रामीणों को समझाइश के दौरान दो दिन के भीतर पेयजल समस्या का समाधान कराने की बात कही गई है। इसके बाद ग्रामीणों ने फिलहाल चक्काजाम नहीं करने पर सहमति जताई। हालांकि, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित विभाग और प्रशासन निर्धारित समयसीमा में गांव की पेयजल समस्या का निराकरण कर पाते हैं या नहीं। पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा के लिए ग्रामीणों को नेशनल हाईवे तक पहुंचकर विरोध जताना पड़े, यह स्थानीय व्यवस्था और जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

विशेष लोक अदालत में 14 प्रकरण निराकृत किये, जिसमें 2110853 राशि का अवार्ड हुआ

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री प्रियदर्शन शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के द्वारा 21 नवम्बर 2026 को प्रातः 10 बजे धारा 138 एन0आई0 एक्ट, विशेष लोक अदालत का उद्घाटन द्वीप प्रज्जलन कर किया गया। उक्त विशेष लोक अदालत में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय एवं श्री आशीष धुर्वे, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, उमरिया की खण्डपीठ का गठन किया गया, जिसमें कुल 193 प्रकरणों को रैफर्ड किया गया। उक्त विशेष लोक अदालत में श्रीमती नजमा बेगम, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया, न्यायालयीन कर्मचारीगण, सुलहकर्ता अधिवक्तागण, बैंक के अधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के कर्मचारीगण एवं पक्षकारगण आदि उपस्थित रहे। आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में कुल 14 प्रकरण निराकृत किये गये, जिसमें कुल 2110853/-राशि का अवार्ड प्राप्त हुआ।

बेमौसम बारिश ने अन्नदाता की उम्मीदों पर फेरा पानी.!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। खेतों में लहलहाती धान की फसल देखकर जिस अन्नदाता के चेहरे पर सालभर की मेहनत का सुकून नजर आ रहा था, अब उसी के माथे पर चिंता की लकीरें गहराने लगी हैं। महीनों की मेहनत, महंगे खाद-बीज, दवाइयों, डीजल और मजदूरी पर खर्च की गई पूंजी के बाद जब फसल घर लाने का वक्त आया, तो मौसम ने करवट बदल ली। शनिवार 21 नवम्बर को जिले में सुबह से ही ठंडी हवाओं के साथ हुई रुक-रुककर बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेरने का खतरा पैदा कर दिया है।इस समय जिले के खेतों में धान की फसल पककर तैयार है। कहीं कटाई के बाद फसल खुले आसमान के नीचे पड़ी है, कहीं मिंजाई नहीं हो सकी है तो कई खेतों में धान की फसल अभी खड़ी हुई है। ऐसे में बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में कटी पड़ी धान के भीगने से दानों की गुणवत्ता प्रभावित होने, रंग बदलने और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने की आशंका है। वहीं खड़ी फसल के लिए भी मौसम की बेरुखी नुकसानदेह साबित हो सकती है।किसानों की परेशानी सिर्फ फसल भीगने तक सीमित नहीं है। खेती के लिए लिया गया कर्ज, खाद-बीज और



मजदूरी में लगाई गई पूंजी तथा परिवार की सालभर की जरूरतें इसी फसल पर निर्भर हैं। यदि उपज खराब हुई तो किसान को दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। एक तरफ उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित होने का डर, दूसरी तरफ मंडी में उचित दाम नहीं मिलने की आशंका।अब किसानों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं। सवाल यह है कि अन्नदाता की महीनों की मेहनत को मौसम की मार से बचाने के लिए जिम्मेदार विभाग कितने तत्पर हैं? प्रशासन और कृषि विभाग को चाहिए कि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रखें, किसानों को फसल सुरक्षित रखने के लिए तत्काल मार्गदर्शन दें और नुकसान की स्थिति में निष्पक्ष सर्वे कराकर राहत की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संत शिरोमणि नामदेव जी का 756वां जन्मोत्सव, निकाली गई भव्य शोभायात्रा, विधायक हुए शामिल

उमरिया (स्वतंत्रमत)



विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 20 नवम्बर 2026 को देवउठनी एकादशी के दिन श्री विठ्ठल नामदेव समाज संगठन जिला उमरिया के द्वारा संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का 756वीं जन्मोत्सव (नामदेव जयंती) बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से स्थानीय वीणा पैलेस लालपुर रोड उमरिया में मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम प्रात 8 बजे संत शिरोमणि नामदेव जी के समक्ष पूजन अर्चन एवं हवन किया गया। इसके पश्चात भव्य शोभायात्रा स्थानीय जय स्तंभ से प्रारंभ होकर गांधी चौक एवं खलेसर नाका होते हुए वीणा पैलेस में समापन हुआ। कार्यक्रम की अगली कड़ी मुख्य अतिथि शिवनारायण सिंह विधायक बांधवगढ़ क्षेत्र का आगमन हुआ। मुख्य अतिथि एवं श्री विठ्ठल नामदेव समाज संगठन उमरिया के अध्यक्ष कैलाश चन्द नामदेव द्वारा संत शिरोमणि नामदेव जी के तैलचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि शिनारायण सिंह जी का संगठन के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया एवं नन्हे बच्चों द्वारा स्वागत गीत गाकर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। ऐसे बच्चे जिन्होने वर्ष 2026 में 10 वीं 12 वीं की परीक्षा मे अच्छे अंको से उत्तीर्ण किया उनका सील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया एवं समिति के पदाधिकारियो द्वारा वरिष्ठजनों का शाल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया जिसमे सभी लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर रमेश नामदेव महुरा, रमेश नामदेव निगहरी,कन्हैया लाल नामदेव, राजेश नामदेव, श्रवण नामदेव, प्रेमाधार नामदेव, विनय नामदेव पिनौरा,राजकुमार नामदेव बरही, संतकुमार नामदेव,गेंदलाल नामदेव, भरत नामदेव अभिलाष नामदेव, नितिन नामदेव,सम्पत नामदेव, राजकुमार नामदेव,नंदलाल नामदेव,संतोष नामदेव, वरूण नामदेव सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री किशोर नामदेव द्वारा किया।



प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की कुंजी, गणित की प्रभावी तैयारी

संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोकसेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस, रक्षा सेवाएँ, व्यापम सहित लगभग सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित अथवा गणितीय योग्यता का विशेष महत्व है। कई विद्यार्थी गणित को कठिन विषय मानकर उससे घबराते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि गणित ऐसा विषय है जिसमें नियमित अभ्यास, सही मार्गदर्शन और प्रभावी रणनीति के माध्यम से उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की जा सकती है। गणित में सफलता किसी विशेष प्रतिभा पर नहीं, बल्कि अनुशासित अध्ययन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास पर आधारित होती है।

मूलभूत अवधारणाओं को मजबूत बनाना

यदि विद्यार्थी प्रतिशत, अनुपात एवं समानुपात, औसत, लाभ-हानि, समय एवं कार्य, समय एवं दूरी, बीजगणित, ज्यामिति और त्रिकोणमिति जैसे विषयों की मूल अवधारणाओं को अच्छी तरह समझ लेते हैं, तो कठिन प्रश्नों का समाधान भी सरल हो जाता है। केवल सूत्र याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पीछे के सिद्धांतों को समझना अधिक आवश्यक है।

नियमित अभ्यास ही सफलता का आधार

गणित ऐसा विषय है जिसमें जितना अधिक अभ्यास किया जाए, उतनी ही अधिक दक्षता विकसित होती है। सरल प्रश्नों से शुरुआत कर धीरे-धीरे कठिन स्तर के प्रश्नों का अभ्यास करना चाहिए। अभ्यास के दौरान अपनी गलतियों को नोट कर उन्हें दोहराने से बचना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

समय प्रबंधन की कला

प्रतियोगी परीक्षाओं में केवल प्रश्न हल करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें कम समय में सही ढंग से हल करना भी आवश्यक है। इसके लिए समयबद्ध अभ्यास, शॉर्टकट विधियों, वैदिक गणित की तकनीकों तथा मानसिक गणना का अभ्यास अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है। प्रत्येक प्रश्न पर अनावश्यक समय व्यर्थ करने के बजाय कठिन प्रश्नों को बाद में हल करने की रणनीति अपनानी चाहिए।

मॉक टेस्ट और आत्ममूल्यांकन

मॉक टेस्ट परीक्षा का वास्तविक अनुभव प्रदान करते हैं तथा समय प्रबंधन, प्रश्न चयन और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायता करते हैं। प्रत्येक टेस्ट के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करना और कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देना सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान

यद्यपि गणित का प्रत्येक अध्याय महत्वपूर्ण है, फिर भी प्रतियोगी परीक्षाओं में कुछ विषयों से अपेक्षाकृत अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं। इनमें प्रतिशत, लाभ-हानि, अनुपात एवं समानुपात, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, औसत, समय एवं कार्य, समय एवं दूरी, संख्या पद्धति, बीजगणित, ज्यामिति, सांख्यिकी तथा प्रायिकता प्रमुख हैं। इन विषयों का गहन अध्ययन और बार-बार अभ्यास बेहतर परिणाम देता है।

मानसिक गणना और तार्किक सोच का विकास

मानसिक गणना की आदत विकसित करने से कैलकुलेटर पर निर्भरता कम होती है और प्रश्न हल करने की गति बढ़ती है। साथ ही, पहेलियाँ, रीजनिंग और गणितीय गतिविधियाँ विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता को भी सुदृढ़ बनाती हैं।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी बिना तनाव और घबराहट के कैसे करें?

परीक्षा जीवन की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है, जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं। सफलता उन्हीं विद्यार्थियों को मिलती है, जो मेहनत के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच बनाए रखते हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं का समय प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह वह पड़ाव है, जहाँ विद्यार्थी अपने भविष्य की दिशा तय करने की तैयारी करते हैं। बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही कई विद्यार्थियों के मन में डर, घबराहट, तनाव और असफलता का भय उत्पन्न होने लगता है। कुछ विद्यार्थी अच्छे अंक लाने के दबाव में परेशान रहते हैं, तो कुछ को यह चिंता सताती है कि यदि परीक्षा में प्रश्न याद नहीं आए तो क्या होगा? कहीं परिणाम खराब हो गया तो क्या होगा?



परीक्षा को डर नहीं, अवसर समझें

परीक्षा कोई डराने वाली चीज नहीं है। यह पूरे वर्ष आपने जो सीखा है, उसे प्रदर्शित करने का अवसर है। इसलिए परीक्षा को बोझ न समझें। मन में यह विश्वास रखें कि आपने जो पढ़ा है, उसका अच्छा परिणाम अवश्य मिलेगा। याद रखें, परीक्षा आपकी योग्यता का एक हिस्सा परखती है, आपके पूरे व्यक्तित्व या भविष्य का निर्णय नहीं करती।

पढ़ें और दोहराएं

कई विद्यार्थी परीक्षा नजदीक आने पर एक साथ पूरा पाठ्यक्रम पढ़ने का प्रयास करते हैं। इससे मानसिक दबाव बढ़ता है और पढ़ा हुआ याद रखना भी कठिन हो सकता है। प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा पढ़ें। आज जो पढ़ा है, उसे कल दोहराएं। कठिन प्रश्नों को बार-बार लिखकर अभ्यास करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा और परीक्षा के समय घबराहट कम होगी।

मोबाइल से दूरी और एकाग्रता

आज के समय में मोबाइल विद्यार्थियों का सबसे बड़ा ध्यान भटकाने वाला माध्यम बन गया है। बार-बार सोशल मीडिया देखने से पढ़ाई का समय प्रभावित होता है। पढ़ाई के समय मोबाइल को अपने से दूर रखें। सोशल मीडिया पर दूसरों की गतिविधियों को देखकर अपनी तुलना न करें। आपका मुकाबला किसी दूसरे विद्यार्थी से नहीं, बल्कि अपनी पिछली तैयारी से है।?

पर्याप्त नींद भी जरूरी

अच्छी पढ़ाई के लिए स्वस्थ शरीर और शांत मन आवश्यक हैं। प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लें। समय पर भोजन करें। पर्याप्त पानी पिएं। प्रतिदिन 20-30 मिनट टहलें या हल्का व्यायाम करें। लगातार कई घंटे पढ़ने के बजाय बीच-बीच में आराम करें। रातभर जागकर पढ़ना हमेशा बेहतर तैयारी का तरीका नहीं होता। पर्याप्त नींद से एकाग्रता और याद रखने की क्षमता बेहतर रहती है।

जब घबराहट हो तो क्या करें?

कई बार अच्छी तैयारी करने के बावजूद विद्यार्थी परीक्षा के समय घबरा जाते हैं। ऐसे समय में कुछ आसान उपाय अपनाएं। अपनी आंखें बंद करके 2-3 मिनट गहरी सांस लें। मन में सकारात्मक विचार लाएं। स्वयं से कहें मैंने अच्छी तैयारी की है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा/करूंगी। यदि कोई प्रश्न कठिन लगे तो घबराएं नहीं, पहले आसान प्रश्न हल करें। कुछ समय शांत बैठकर दोबारा प्रश्न को समझने का प्रयास करें। याद रखें, घबराहट समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि धैर्य और आत्मविश्वास समाधान का रास्ता है। लिखकर अभ्यास करने की आदत डालें केवल किताब पढ़ने से परीक्षा की पूरी तैयारी नहीं होती। विद्यार्थियों को लिखकर अभ्यास करना चाहिए। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करें। मॉडल पेपर निर्धारित समय में हल करें। महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करें। गणित एवं अकाउंटेंसी जैसे विषयों में नियमित प्रैक्टिस करें। अपनी गलतियों को पहचानें और उन्हें सुधारें। इससे परीक्षा में समय प्रबंधन बेहतर होगा और प्रश्नपत्र हल करते समय आत्मविश्वास बना रहेगा।

विद्यार्थियों के लिए 5 सकारात्मक संकल्प

प्रतिदिन सुबह स्वयं से ये पांच बातें कहें

- मैं परीक्षा से नहीं डरूंगा/डरूंगी।
- मैं नियमित रूप से मेहनत करूंगा/करूंगी।
- मैं अपनी तुलना किसी दूसरे से नहीं करूंगा/करूंगी।
- मैं कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका सामना करूंगा/करूंगी।
- मैं स्वयं पर विश्वास रखूंगा/रखूंगी और अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा/दूंगी।

परीक्षा में वही विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन करता है, जो केवल किताबों की तैयारी नहीं करता, बल्कि अपने मन को भी शांत और मजबूत रखता है। खूब पढ़िए, खुश रहिए, स्वस्थ रहिए और आत्मविश्वास के साथ सफलता की ओर आगे बढ़िए।



डॉ सचिन पेंडके

वाइस प्रिंसिपल
बीएमडी हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल,
दीक्षितपुरा, जबलपुर।

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स एवं चर्चा में रहे शब्द

प्रतियोगियों के सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए इस स्तंभ में सप्ताह के महत्वपूर्ण शब्दों एवं अवधारणाओं का सरल भाषा में परिचय दिया जा सकता है। प्रत्येक शब्द का अर्थ, महत्व और उपयोग लगभग आसान शब्दों में प्रस्तुत किया गया है, जिसे आसानी से समझकर विभिन्न परीक्षाओं आने वाले सवालों को हल किया जा सकें

आसियान- यह दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों का क्षेत्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 1967 में हुई थी। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग, व्यापार, शांति और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है। नवंबर 2026 में मनीला (फिलीपींस) में 49वें शिखर सम्मेलन की चर्चा रही। भारत भी इस संगठन के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

कोप 31 (जलवायु सम्मेलन)- यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठक है। इसमें विभिन्न देश जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा करते हैं। नवंबर 2026 में तुर्किये के अंतालया में कोप 31 का आयोजन चर्चा में रहा। इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग और प्रभावी रणनीतियों को आगे बढ़ाना है।

पैक्स सिलिका- अमेरिका के नेतृत्व में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीक की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाना है। नवंबर 2026 में इस पहल के अंतर्गत एआई



आपूर्ति श्रृंखला सहयोग से संबंधित सैन फ्रांसिस्को घोषणा चर्चा में रही। यह पहल तकनीकी आत्मनिर्भरता, डिजिटल बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

खुदरा मुद्रास्फीति - खुदरा मुद्रास्फीति से आशय वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि से है। भारत में इसे मुख्यत: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के माध्यम से मापा जाता है। नवंबर 2026 में जारी अक्टूबर के आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 6.09 प्रतिशत रही, जबकि खाद्य मुद्रास्फीति 8.94 प्रतिशत दर्ज की गई। इसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की क्रय शक्ति, घरेलू बजट और जीवन-यापन की लागत पर पड़ता है।

नवीकरणीय ऊर्जा - नवीकरणीय ऊर्जा ऐसी ऊर्जा है जो प्राकृतिक स्रोतों से लगातार प्राप्त होती रहती है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत और जैव ऊर्जा इसके प्रमुख उदाहरण हैं। नवंबर 2026 में भारत की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में अमेजन के 7 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा चर्चा में रही। भारत का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। नवीकरणीय ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

क्वाड - यह भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का एक रणनीतिक समूह है। इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समुद्री सहयोग और स्वतंत्र आवागमन को बढ़ावा देना है। नवंबर 2026 में मनीला में आयोजित क्वाड नेताओं की बैठक में हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी सहयोग और संयुक्त समुद्री अभ्यास की पहल चर्चा में रही। यह समूह क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 1865 में हुई थी। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में है। यह विश्वभर में दूरसंचार, रेडियो स्पेक्ट्रम, उपग्रह संचार और डिजिटल तकनीक के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक निर्धारित करने का कार्य करता है। नवंबर 2026 में भारत का 2027-2030 कार्यकाल के लिए परिषद में पुन: निर्वाचित होना चर्चा में रहा।

इबोला वैक्सीन - इबोला एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो इबोला वायरस के कारण होती है। इससे संक्रमित व्यक्ति में तेज बुखार, कमजोरी और गंभीर रक्तस्राव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नवंबर 2026 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के विरुद्ध विकसित दो प्रायोगिक टीकों के दूसरे चरण के परीक्षण की तैयारी चर्चा में रही। इस प्रकार के टीके संक्रामक रोगों की रोकथाम और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2026-27, महत्वपूर्ण योजना, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया



पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति मध्य प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक सहायता योजना है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता देना तथा आर्थिक कठिनाइयों के कारण उनकी पढ़ाई बाधित होने से बचाना है। इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

कौन कर सकता है आवेदन?

मध्य प्रदेश के मूल निवासी विद्यार्थी, जो कक्षा 11वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, पॉलिटेक्निक अथवा अन्य मान्यता प्राप्त व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं, संबंधित योजना की शर्तों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता एवं आय सीमा

- विद्यार्थियों के लिए सामान्यत: परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक होने पर 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति का प्रावधान है।
- विद्यार्थियों के लिए 5 लाख रुपये तक की आय पर 100 प्रतिशत तथा 5 से 6 लाख रुपये तक की आय पर 50 प्रतिशत छात्रवृत्ति का प्रावधान है।
- विद्यार्थियों की पात्रता एवं आय संबंधी शर्तें संबंधित विभाग के नियमों के अनुसार निर्धारित होती हैं।

छात्रवृत्ति में क्या लाभ मिलता है?

पात्रता के अनुसार शिक्षण शुल्क, अन्य स्वीकृत शुल्क तथा नियमानुसार अनुरक्षण भत्ता दिया जा सकता है। वास्तविक राशि विद्यार्थी के पाठ्यक्रम, संस्थान, पारिवारिक आय और निर्धारित शुल्क सीमा पर निर्भर करती है।

आवश्यक दस्तावेज

आधार कार्ड, समग्र आईडी, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, पिछली कक्षा की अंकसूची, बैंक पासबुक, प्रवेश संबंधी दस्तावेज तथा पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक हो सकते हैं।

आवेदन कैसे करें?

विद्यार्थी मध्य प्रदेश के आधिकारिक छात्रवृत्ति पोर्टल पर जाकर पंजीयन करें, अपनी जानकारी भरें, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें, आवेदन संबंधित शिक्षण संस्थान में सत्यापन के लिए जमा करें।

सैनिक स्कूल में कैसे होता है एडमिशन, जानिए परीक्षा और सिलेक्शन का पूरा प्रोसेस

क्या आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा एक ऐसे संस्थान में पढ़े, जहाँ उसे शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व और देश सेवा का पाठ भी पढ़ाया जाए? जहाँ उसे कल का जिम्मेदार नागरिक और एक मजबूत सैनिक बनने के लिए तैयार किया जाए? अगर हाँ, तो सैनिक स्कूल आपके बच्चे के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये स्कूल न केवल उत्कृष्ट अकादमिक शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से भी बच्चों को सशक्त बनाते हैं। लेकिन, सैनिक स्कूल में एडमिशन पाना इतना आसान नहीं है। इसके लिए एक निर्धारित प्रक्रिया और एक कठिन प्रवेश परीक्षा से गुजरना होता है। तो आइए, आज इस लेख में हम आपको सैनिक स्कूल में एडमिशन से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी देंगे, ताकि आपके बच्चे के सपने को उड़ान मिल सके।

सैनिक स्कूल क्या हैं और इन्हें क्यों चुनें?

सैनिक स्कूल, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाले आवासीय (रेसिडेंशियल) स्कूल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), नौसेना अकादमी और अन्य रक्षा सेवाओं में शामिल होने के लिए तैयार करना है। यहाँ पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, एनसीसी और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

कौन ले सकता है एडमिशन?

सैनिक स्कूल में मुख्य रूप से दो कक्षाओं में एडमिशन लिया जाता है,

1 कक्षा छठवीं- आयु सीमा, प्रवेश के वर्ष (जैसे 2027 में एडमिशन के लिए) की 31 मार्च तक छात्र की आयु 10 से 12 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अधिकांश सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों को भी कक्षा छठवीं में एडमिशन लेने की अनुमति है।

2 कक्षा नौवमी- आयु सीमा प्रवेश के वर्ष की 31 मार्च तक छात्र की आयु 13 से 15 वर्ष के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता, छात्र को किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से कक्षा आठवीं उत्तीर्ण होना चाहिए। केवल लड़कों को ही प्रवेश दिया जाता है।

एडमिशन का क्या है प्रोसेस?

सैनिक स्कूल में एडमिशन की प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में पूरी होती है,

1. लिखित प्रवेश परीक्षारू ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जामिनेशन।
2. चिकित्सा परीक्षा,शारीरिक फिटनेस की जांच।



3. दस्तावेज सत्यापन सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच।

प्रवेश परीक्षा कैसे दें और क्या आएगा?

सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जामिनेशन आयोजित की जाती है। यह परीक्षा आमतौर पर जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में होती है, और इसके लिए आवेदन अक्टूबर-नवंबर में शुरू हो जाते हैं।

कक्षा 6 के लिए - विषय -गणित, सामान्य ज्ञान, भाषा (हिंदी/अंग्रेजी/क्षेत्रीय भाषा), और इंटेलिजेंस।

प्रश्नों की संख्या - 125 प्रश्न, कुल 300 अंक।

समय - 150 मिनट (2.5 घंटे)।

कक्षा 9 के लिए - विषय - गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान और इंटेलिजेंस।

प्रश्नों की संख्या - 150 प्रश्न, कुल 400 अंक।

समय - 180 मिनट (3 घंटे)।

परीक्षा का पैटर्न

परीक्षा में वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) प्रकार का होता है और इसमें मल्टीपल चॉइस प्रश्न पूछे जाते हैं। सिलेबस की संबंधित कक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है।

सिलेक्शन का क्या प्रोसेस होगा?

प्रारंभिक परीक्षा में सफल होने के बाद ही अगला चरण शुरू होता है

1. मेरिट सूची - लिखित परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर एक मेरिट सूची तैयार की जाती है।

2. चिकित्सा परीक्षा - मेरिट सूची में स्थान पाने वाले छात्रों को मेडिकल टेस्ट के लिए बुलाया जाता है। इसमें छात्रों की शारीरिक फिटनेस, दृष्टि, श्रवण शक्ति और सामान्य स्वास्थ्य की जांच की जाती है, जो सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए अनिवार्य है।

3. अंतिम मेरिट सूची - अंक और मेडिकल फिटनेस दोनों के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाती है। इसी सूची के आधार पर चयनित छात्रों को संबंधित सैनिक स्कूलों में प्रवेश दिया जाता है।

आईटी क्षेत्र में करियर : अवसर और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएं

शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, मनोरंजन और सरकारी सेवाओं से लेकर लगभग हर क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल एप्लिकेशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ,क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसी तकनीकों ने दुनिया को नई दिशा दी है। इसी कारण आईटी क्षेत्र आज सबसे तेजी से विकसित होने वाले और सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों में शामिल है। यदि किसी विद्यार्थी की रुचि कंप्यूटर और नई तकनीकों में है, तो आईटी क्षेत्र उसके लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प साबित हो सकता है।

आईटी क्षेत्र क्या है?- आईटी वह क्षेत्र है जिसमें कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क, इंटरनेट और डिजिटल तकनीकों की सहायता से सूचनाओं का संग्रह, प्रसंस्करण, सुरक्षा और आदान-प्रदान किया जाता है। सरल शब्दों में, जहाँ कंप्यूटर और तकनीक के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाता है, वह आईटी क्षेत्र कहलाता है।

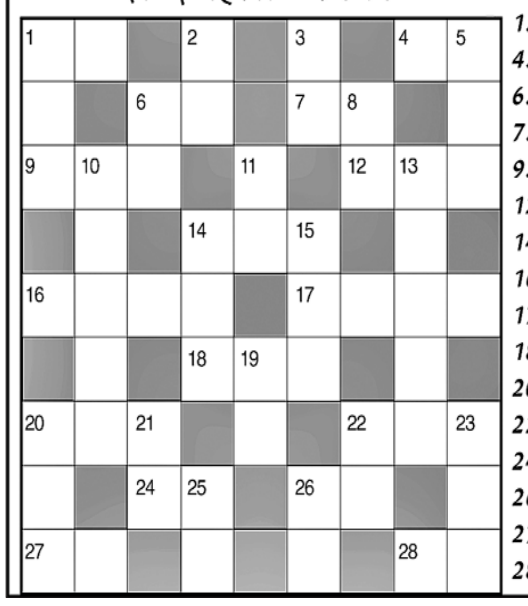
आईटी क्षेत्र में प्रमुख करियर विकल्प- आईटी उद्योग में अनेक प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपर नए सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप्लिकेशन तैयार करते हैं। वेब डेवलपर वेबसाइटों का निर्माण और रखरखाव करते हैं। डेटा एनालिस्ट बड़े आँकड़ों का विश्लेषण कर कंपनियों को बेहतर निर्णय लेने में सहायता करते हैं। क्लाउड इंजीनियर ऑनलाइन सर्वर और क्लाउड सेवाओं का प्रबंधन करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग इंजीनियर स्मार्ट सिस्टम विकसित करते हैं, जबकि नेटवर्क इंजीनियर कंप्यूटर नेटवर्क की स्थापना और देखभाल का कार्य करते हैं।

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता- आईटी क्षेत्र में प्रवेश के लिए 12वीं के बाद बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस/आईटी),बीसीए, बीएससी (कंप्यूटर साइंस), डिप्लोमा इन कंप्यूटर इंजीनियरिंग या अन्य कंप्यूटर संबंधी पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं। उच्च शिक्षा एमसीए, एम.टेक. या विभिन्न तकनीकी प्रमाणपत्र भी लाभदायक होते हैं।

आवश्यक कौशल- आईटी क्षेत्र में सफल होने के लिए केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि तकनीकी कौशल भी आवश्यक हैं। प्रोग्रामिंग भाषाओं डेटाबेस, वेब डेवलपमेंट, क्लाउड प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा और डेटा विश्लेषण का ज्ञान उपयोगी होता है। साथ ही समस्या समाधान क्षमता, तार्किक सोच, टीमवर्क, संचार कौशल, अंग्रेज़ी की समझ और नई तकनीक सीखने की इच्छा भी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

रोजगार के अवसर- आईटी क्षेत्र में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध हैं। निजी क्षेत्र में सॉफ्टवेयर कंपनियाँ, बैंक, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, स्टार्टअप, मोबाइल ऐप कंपनियाँ, अस्पताल, शिक्षा संस्थान और बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आईटी विशेषज्ञों की भर्ती करती हैं। सरकारी क्षेत्र सीडेक, इसरो, डीआरडीओ, रेलवे, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, विभिन्न मंत्रालय तथा राज्य सरकारों के आईटी विभागों में भी अवसर मिलते हैं।

शब्द पहेली - 9040



बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -9039 का हल

■	क	हा	नी	■	प	ती	ला	■
मा	ला	■	र	■	र	■	बा	दा
म	■	■	व	र	दा	न	■	ला
ला	य	क	■	न	■	म	न	न
■	■	र	मी	■	रों	की	■	■
सू	र	त	■	आ	■	न	झ	र
री	■	ब	ह	का	ना	■	■	की
ला	ख	■	टा	■	ह	■	र	ब
■	र	बा	ना	■	क	ल	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

तेंदूखेड़ा में आस-पड़ोस युवा संसद का आयोजन विद्यार्थियों को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ



नरसिंहपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत नरसिंहपुर द्वारा शनिवार को विकासखंड चांवरपाठा के संत मोनी महिला महाविद्यालय एवं सर्वोदय हायर सेकेंडरी स्कूल में आस-पड़ोस युवा संसद (नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट) 2026-27 का आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी श्री उमंग जैन के मार्गदर्शन में नशा मुक्त युवा थीम पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीओपी श्री अभिनव मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद करने के साथ समाज में अपराधों को भी बढ़ावा देता है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा सुरक्षित समाज के निर्माण में पुलिस प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। थाना प्रभारी श्री किशोर वामनकर ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों और करियर निर्माण में लगानी चाहिए। संस्था संचालक डॉ. प्रकाश जैन ने शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण को भी आवश्यक बताया। महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती किरण प्रभा, स्कूल प्राचार्य श्री कमल शास्त्री एवं इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्य श्रीमती अरुणा जैन ने अनुशासन एवं सही मार्गदर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने राजयोग एवं ध्यान के माध्यम से तनाव मुक्त और नशा मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। युवा समाजसेवी श्री महेंद्र कौरव, श्री नीरज राय, श्री शिवम विश्वकर्मा एवं युवा कार्यकर्ता श्री अंकेश ठाकुर ने युवाओं से अपनी ऊर्जा समाजसेवा, रचनात्मक गतिविधियों एवं कौशल विकास में लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। आयोजन में मेरा युवा भारत के कार्यालय सहायक श्री कालूराम विश्वकर्मा, वॉलंटियर्स श्री शुभम श्रीवास्तव, ईशा राजपूत, खुशी ढिमोले, श्री तिलक राज पटेल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

कोल जनजाति के लिए नि:शुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित



रांकई पिपरिया में बच्चों को कराया गया योगाभ्यास

नरसिंहपुर। आयुष विभाग द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में शासकीय आयुर्वेद औषधालय काशीखेरी द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह के अंतर्गत कोल जनजाति के लिए ग्राम टोरिया मोहल्ला चांवरपाठा में नि:शुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में पहुंचे लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में कुल 31 हितग्राहियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इसी क्रम में रांकई पिपरिया स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बच्चों को योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान बच्चों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा नियमित योग करने के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए घोघरा नाला पर किया गया बोरी बंधान

ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर 84 बोरियों से बनाया बंधान



नरसिंहपुर। जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड गोटेगांव द्वारा जल संचय अभियान के अंतर्गत झांसीघाट के ग्राम सिलारी में घोघरा नाला पर बोरी बंधान का कार्य किया गया। इस दौरान ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक श्रमदान कर कुल 84 बोरियों का बोरी बंधान किया। बोरी बंधान का उद्देश्य नाले में बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को रोककर उसका संचय करना है, ताकि पशुओं के पेयजल एवं ग्रामीणों के दैनिक निस्तार के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहे। साथ ही जल को भूमि में समाहित होने का अवसर मिलने से भूजल स्तर बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री प्रतीक कुमार दुबे ने उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी भी है। वर्षा जल को रोककर भूजल स्तर बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने बोरी बंधान को स्थानीय स्तर पर जल संचय का प्रभावी माध्यम बताते हुए सभी से जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने का आग्रह किया। बोरी बंधान कार्य में नवांकुर संस्था प्राणी मित्र समिति से डॉ. विनय पटेल, प्रस्फुटन समिति कुकलाह से श्रीमती प्रीति ठाकुर, सीएमसीएलडीपी के छात्र, सामाजिक संगठन से श्री पोहप पटेल तथा विद्यालय परिवार से श्री रामसेवक श्रीवास्तव, श्री सतीश पटेल, श्री उमेद पटेल, श्री कैलाश पटेल एवं शिक्षक श्री सुरेंद्र पटेल सहित ग्रामीणजन श्री रज्जू पटेल, श्री खुमान पटेल एवं श्री अभिराज ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी के सामूहिक श्रमदान एवं सहयोग से बोरी बंधान का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रस्फुटन शक्ति संचयन अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय परिषद संवाद बैठक एवं प्रशिक्षण संपन्न

जल संरक्षण, नशामुक्ति , स्वच्छता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा



नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नरसिंहपुर द्वारा संवाद योजना के अंतर्गत प्रस्फुटन शक्ति संचयन अभियान की विकासखंड स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम न्यू डाइट भवन स्थित जिला कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री शिवकुमार रैकवार, समन्वयक श्री जय नारायण शर्मा, विकासखंड समन्वयक करेली एवं प्रशिक्षक श्रीमती माधवी पाठक तथा श्रीमती हेमलता चौरसिया मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सीएम इंटर्न्स शामिल हुए। प्रथम सत्र में श्री शिवकुमार रैकवार ने बाल कल्याण समिति के कार्यों एवं दायित्वों की जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यों में स्वैच्छिकता, सामूहिकता और जनसहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक श्री जय नारायण शर्मा ने परिषद के पूर्व कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

उन्होंने सभी संस्थाओं एवं प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय से कार्य करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। वहीं श्रीमती माधवी पाठक ने संस्थाओं एवं समितियों को कार्यों के दस्तावेजीकरण, अभिलेख संधारण, प्रबंधन तथा अनुदान राशि के पारदर्शी उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण दिया। बैठक में जल संरक्षण एवं संवर्धन, बोरी बंधान, नशामुक्ति अभियान और स्वच्छता गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। साथ ही प्रस्फुटन ग्रामों में डाटा संग्रहण एवं पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। श्रीमती हेमलता चौरसिया ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मोबाइल एप एवं एमआईएस पोर्टल पर गतिविधियों की जानकारी दर्ज करने और बैठकों का विवरण अद्यतन करने संबंधी तकनीकी प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को ग्राम स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने, योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने और परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत च्वंदे मातरम्ज् के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

श्री सत्य साई बाबा की भव्य दिव्य शोभायात्रा

भक्ति और श्रद्धा में डूबा नगर



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भगवान श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी महोत्सव के पावन अवसर पर गाडरवारा नगर में भव्य दिव्य रथोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। पूरे नगर में साई भक्ति की अलौकिक छटा देखने को मिली। भजनों की मधुर धुन, फूलों की वर्षा और जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

इस पावन अवसर पर भगवान श्री सत्य साई बाबा का दिव्य रथ नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुँचा। रथ यात्रा के दौरान नगर के मुख्य मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं भक्तों द्वारा भगवान के दिव्य रथ का पूजन-अर्चन, आरती एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

नगरवासियों ने श्रद्धापूर्वक भगवान के दिव्य दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी भक्त रथ के दर्शन के लिए आतुर दिखाई दिए।

इस दिव्य रथोत्सव में पुरुष सेवादल एवं महिला सेवादल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सेवादल के सदस्य अनुशासन के साथ रथ के आगे-पीछे चल रहे थे और व्यवस्था संभाल रहे थे। भगवान के सुमधुर भजनों के गायन एवं भक्तिमय वातावरण के बीच समस्त श्रद्धालुओं ने इस दिव्य आयोजन का आनंद लिया और भगवान के आशीर्वाद प्राप्त किए। नगरवासियों एवं साई भक्तों की सहभागिता से यह दिव्य रथोत्सव श्रद्धा, प्रेम एवं भक्ति का अनुपम उत्सव बन गया। शोभा यात्रा के दौरान नगर पालिका प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का विशेष सराहनीय सहयोग रहा। प्रशासन की व्यवस्था के कारण पूरी यात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। समिति द्वारा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। आगामी 22 नवंबर को आदिवासी वनांचल ग्राम मालफी में बृहद मेडिकल कैंप एवं नारायण सेवा का आयोजन किया जाएगा। इसमें आदिवासी भाइयों को भोजन, दवाई, कंबल का निशुल्क वितरण किया जाएगा। वहीं 23 नवंबर को भगवान श्री सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव शासकीय कन्या स्कूल प्रांगण में (पोस्ट ऑफिस के बाजू में) धूमधाम से मनाया जाएगा।

समिति संयोजक गजराज अधरुज ने सभी नगरवासियों एवं साई भक्तों से भगवान के जन्मोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का निवेदन किया है।

सतना में 22 नवंबर को होगा चौथा इज्तेमाई निकाह सम्मेलन



16 जोड़ों का निकाह होगा

सतना स्वतंत्रमत। अलबरकात वेलफेयर सोसाइटी सतना की जानिब से चौथा इज्तेमाई निकाह सम्मेलन 22 नवंबर 2026 रविवार को सुबह 10 बजे नजीराबाद सतना में आयोजित होगा। इस बार सम्मेलन में 16 जोड़ों के निकाह विवाह की तमाम तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। सोसाइटी के अनुसार इस मुबारक प्रोग्राम को बेहद खूबसूरत शानदार और बेहतर इंतज़ामात के साथ मुकम्मल किया जाएगा। सम्मेलन में कई ख़ास मेहमानों की भी शिरकत होगी जो इस नेक मौके पर नवविवाहित जोड़ों की हौसला.अफ़ज़ाई करेंगे और उन्हें अपनी दुआओं व मुबारकबाद से नवाज़ेंगे।

खुशूसी मेहमानों की शिरकत

राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासनविशेष आमंत्रित मेहमान- प्रतिमा बागरी राज्य मंत्री मध्यप्रदेश शासन गणेश सिंह सांसद सतना. सिद्धार्थ कुशवाहा विधायक सतना सईद अहमद पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश मुनीश सिंह मुख्य नोडल अधिकारी डिजियाना मीडिया ग्रुप रॉक्सी खान आवाम फाउंडेशन रीवा इसके अलावा भी मकामी मेहमान शामिल रहेंगे। अलबरकात वेलफेयर सोसाइटी ने तमाम अहले.सतना और आसपास के मकामी लोगों से पुरखुलूस गुज़ारिश की है कि आप भी इस नेक और मुबारक मौके पर ज़रूर तशरीफ़ लाएं। और दुआओं से इस खुशी में शरीक हों ।

एयरपोर्ट की जमीन पर कब्जे पर प्रशासन सख्त तीन चार दिन से लगातार चल रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान

कब्जाधारियों का विरोध बेअसर अवैध कब्जा होने से नहीं चल पा रही एक भी चाल

नगर निगम पर गंभीर आरोप पहले कब्जा कराते हैं फिर लेते हैं लंबी रकम

वसूली में लगा है अतिक्रमण विभाग

सतना स्वतंत्रमत। एयरपोर्ट की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासनिक अधिकारी पिछले तीन.चार दिन से लगातार अतिक्रमण हटाने में लगे हुए हैं। प्रशासन की सख्ती के बाद कब्जाधारी लोग अधिकारियों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं लेकिन उनकी एक भी चाल नहीं चल पा रही है क्योंकि यह कब्जा पूरी तरह अवैध है। सूत्रों के अनुसार एयरपोर्ट की जमीन पर लंबे समय से अवैध कब्जा किया जा रहा था। हवाई पट्टी तो बुरी तरह से अतिक्रमण के घेरे में आ गई है। चारों तरफ अवैध निर्माण झुग्गी.झोपड़ी और दुकानों ने हवाई पट्टी की जमीन को घेर लिया है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो एयरपोर्ट के विस्तार और संचालन पर भी संकट खड़ा हो जाता।

विरोध के बावजूद नहीं रुकी कार्यवाही

जब प्रशासन का अमला अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो कब्जाधारियों ने विरोध शुरू कर दिया। नारेबाजी की गई अधिकारियों को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन प्रशासन ने साफ कर दिया कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से अवैध निर्माण हटाया गया और जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया।

नगर निगम की भूमिका पर उठ रहे सवाल

सबसे बड़ा सवाल नगर निगम की भूमिका पर उठ रहा है। लोगों का आरोप है कि पहले नगर निगम द्वारा ही इन अवैध कब्जाधारियों को कब्जा कराया जाता है और उसके बदले में लंबी रकम भी ली जाती है। कब्जा कराने के बाद उन्हीं लोगों से महीने.दर.महीने वसूली की जाती है।आरोप है कि अतिक्रमण विभाग के कुछ लोग दिन भर वसूली में ही लगे रहते हैं। अतिक्रमण हटाने के बजाय अतिक्रमण कराने में उनकी दिलचस्पी ज्यादा है। इसी मिलीभगत के कारण शहर में दिन पर दिन अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। गल्ला मंडी हो जय स्तंभ चौक हो या एयरपोर्ट की जमीन कृ हर जगह अतिक्रमण का यही खेल चल रहा है।



हवाई पट्टी खतरे में

एयरपोर्ट की हवाई पट्टी के आसपास अतिक्रमण इतना बढ़ गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह बेहद खतरनाक हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवाई पट्टी के आसपास अतिक्रमण होने से विमानों के उड़ान.भरन में बाधा आ सकती है और कोई बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है।

प्रशासन का सख्त संदेश

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट की जमीन सहित शहर की किसी भी शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा नहीं रहने दिया जाएगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान निरंतर जारी रहेगा। जो भी अधिकारी.कर्मचारी अतिक्रमण कराने या वसूली में लिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और मांग की है कि अतिक्रमण के पीछे बैठे निगम के जिम्मेदार लोगों पर भी कार्रवाई हो तभी शहर अतिक्रमण मुक्त हो पाएगा।

अतिक्रमण हटाने में नगर निगम कर्मी ही बना बाधक

एयरपोर्ट की जमीन सहित शहर में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान में अब एक नया और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि अतिक्रमण हटाने में नगर निगम का कर्मी ही बाधक बन रहा है। स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार निगम कर्मी सुनील बाल्मिक पर आरोप है कि उसने सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है और उस जमीन पर ब्यूटी पार्लर सहित अन्य जगह किराए पर दे रखी है। जब प्रशासन अतिक्रमण हटाने पहुंचता है तो वही कर्मी हंगामा खड़ा कर देता है और लोगों को भड़काकर कार्रवाई रुकवाने का प्रयास करता है।

लोगों का कहना है कि एक तरफ प्रशासन शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए दिन.रात लगा है वहीं दूसरी तरफ निगम का ही कर्मी सरकारी जमीन पर कब्जा करके किराए की वसूली कर रहा है।

किराए का खेल-आरोप है कि सरकारी जमीन पर बने ब्यूटी पार्लर और अन्य दुकानों से हर महीने मोटा किराया वसूला जा रहा है। यह पैसा न तो निगम के खजाने में जाता है और न ही शासन के पास। यह पूरी वसूली निजी जेब में जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस खेल में और भी लोग शामिल हो सकते हैं जिनकी मिलीभगत से यह कब्जा लंबे समय से चल रहा है।

एयरपोर्ट का अतिक्रमण हटाने में सिटी एसडीएम राहुल सिलाडिया नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी औँर उनका अमला तथा कोलगंवा टीआई सुदीप सोनी पुलिस का स्टाफ मौजूद था।

जंतीपुर में आज मड़ई मेला

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 स्थित जंतीपुर के प्रसिद्ध दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में आज भव्य मड़ई मेले का आयोजन किया जाएगा। लगभग 31 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा यह धार्मिक मेला क्षेत्र की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बन चुका है। मेले की तैयारियां नगर परिषद द्वारा पूरी कर ली गई हैं। इस वर्ष मेले को पूरी तरह टैक्स फ्री रखा गया है। नगर परिषद या बाजार ठेकेदार द्वारा व्यापारियों से किसी प्रकार का टैक्स नहीं वसूला जाएगा दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। मड़ई मेले के अवसर पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित दूर-दराज से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मेले में धार्मिक उत्साह के साथ ग्रामीण संस्कृति और पारंपरिक मेल-मिलाप की झलक भी देखने को मिलेगी मेले के सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर नगर परिषद भुआ-बिछिया की उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरेंद्र चंद्रोल, स्वच्छता निरीक्षक प्रसन्न यादव एवं घनश्याम सिंह चौहान ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यापारियों के लिए दुकानों की व्यवस्था का जायजा लिया गया।

सार्वजनिक नलकूप का भूमिपूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत विकासखंड मवई की ग्राम पंचायत घुटास में ग्रामीणों को सुगम पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6.43 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नलकूप का विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया।

मतदान केन्द्रों पर लगेंगे कैम्प

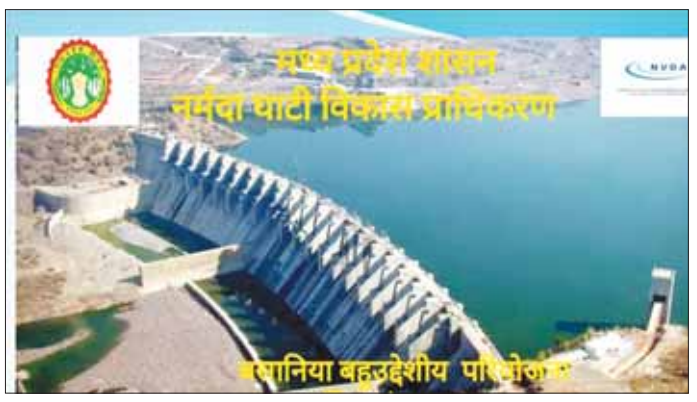
मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी के मान से फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार दावा-आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 12 नवंबर से 11 दिसंबर 6 तक निर्धारित है। इस दौरान 21 एवं 22 नवंबर तथा 5 एवं 6 दिसंबर को विशेष कैम्प लगाए जाएंगे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बिछिया, पर्यवेक्षकों की मतदान केन्द्रों पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

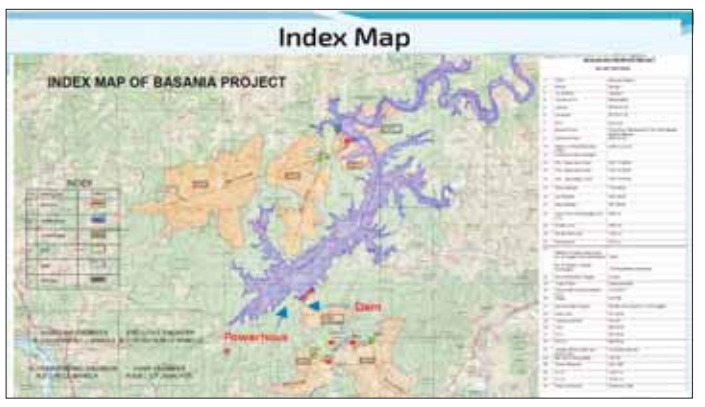
निकाली बाइक रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतिम दिवस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला द्वारा विधिक जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री कमल जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। कार्यक्रम जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव हेमराज सनोडिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया रैली में पैरालीगल वालेंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना से समृद्ध होगा मंडला-डिंडोरी विकास को मिलेगी रफ्तार सिंचाई के साथ बिजली का होगा उत्पादन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नर्मदा नदी की जल क्षमता का बेहतर उपयोग कर मध्य प्रदेश के विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना मंडला और डिंडोरी जिले के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण एनवीडीए की इस परियोजना से जहां दोनों जिलों के 42 गांव की कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है वहीं पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन के माध्यम से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। परियोजना के तहत 100 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा बरगी बांध के जल भंडारण और सिंचाई क्षेत्र को मजबूती देने में भी इसकी अहम भूमिका प्रस्तावित है। नर्मदा नदी पर बरगी बांध से लगभग 120 किलोमीटर ऊपर प्रस्तावित बसानिया बांध को बहुउद्देश्यीय स्वरूप में विकसित करने की योजना है। इसका उद्देश्य केवल जल संग्रहण और बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है बल्कि कृषि पेयजल स्थानीय रोजगार पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को एक साथ आगे बढ़ाना भी है। यदि परियोजना निर्धारित योजनाओं के अनुरूप आकार लेती है तो मंडला और डिंडोरी के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से महसूस की जा रही सिंचाई और जल प्रबंधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल सकती है।





कृषको मिलेगा सिंचाई का लाभ

मंडला और डिंडोरी जिले कृषि प्रधान क्षेत्रों में शामिल हैं। यहां बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों की आजीविका खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर है। वर्षा पर निर्भरता सिंचाई के सीमित साधन और मौसम में होने वाले बदलाव किसानों के सामने कई चुनौतियां खड़ी करते हैं। ऐसे में बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना से सिंचाई सुविधा का विस्तार कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है परियोजना के अंतर्गत दोनों जिलों के 42 गांवों में लगभग 8,780 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इसके लिए आधुनिक दबावयुक्त पाइप प्रणाली का उपयोग प्रस्तावित है। इस व्यवस्था के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की योजना बनाई गई है जिससे पारंपरिक जल वितरण व्यवस्था की तुलना में पानी के उपयोग को अधिक व्यवस्थित बनाया जा सकेगा। सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से किसानों को फसलों की जरूरत के अनुसार पानी मिल सकेगा।

100 मेगावाट बिजली का उत्पादन

बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना में जलविद्युत उत्पादन भी महत्वपूर्ण घटक है। प्रस्तावित योजना के अनुसार यहां 100 मेगावाट बिजली उत्पादन की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके लिए चार इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है जिनमें प्रत्येक की क्षमता 25 मेगावाट होगी जलविद्युत उत्पादन में जल की संभावित ऊर्जा का उपयोग टरबाइन चलाने के लिए किया जाता है जिससे बिजली पैदा होती है। इस प्रकार जल संसाधन का उपयोग सिंचाई और पेयजल के साथ ऊर्जा उत्पादन के लिए भी किया जा सकेगा। परियोजना का यह हिस्सा प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने में योगदान देगा।

84 मीटर ऊंचा 1190 मीटर लंबा

परियोजना के प्रस्तावित तकनीकी स्वरूप के अनुसार बांध की कुल लंबाई लगभग 1190 मीटर और अधिकतम ऊंचाई 84 मीटर होगी। इसकी सकल जल भंडारण क्षमता 1786 मिलियन घन मीटर निर्धारित बताई गई है। इतनी बड़ी भंडारण क्षमता के माध्यम से विभिन्न उपयोगों के लिए पानी उपलब्ध कराने की योजना है बड़े बांध के निर्माण में तकनीकी गुणवत्ता सुरक्षा मानकों जल प्रबंधन और पर्यावरणीय प्रभावों का विशेष महत्व होता है।

परिवारों की आदर्श पुनर्वास व्यवस्था

बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना के अंतर्गत प्रभावित परिवारों के सम्मानजनक पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इस योजना के तहत प्रभावित परिवारों के लिए सर्वसुविधायुक्त आदर्श पुनर्वास बस्तियां विकसित की जा रही हैं जहां शिक्षा स्वास्थ्य बिजली स्वच्छ पेयजल और अन्य सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों की आजीविका, कृषि, सामाजिक ताने-बाने और जीवनयापन के साधनों का विशेष ध्यान रखा गया है। परियोजना के तहत सभी प्रभावित परिवारों को पूर्णत: पारदर्शी प्रक्रिया विशेष पैकेज के माध्यम से उचित मुआवजा और समय पुनर्वास का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही स्थानीय नागरिकों से निरंतर संवाद कर उनके सुझावों और समस्याओं का त्वरित एवं सकारात्मक समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

खुलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के द्वार

यह परियोजना पूरे क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने जा रही है। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय श्रमिकों और युवाओं को सीधे तौर पर रोजगार प्राप्त हो रहा है। जलाशय के निर्माण के पश्चात मत्स्य पालन स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाला एक प्रमुख आधार बनेगा। इसके अतिरिक्त परिवहन लघु व्यापार खाद्य सामग्री आपूर्ति और अन्य सेवा क्षेत्रों में भी स्थानीय लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे। विशेष रूप से महिला स्व-सहायता समूहों को मत्स्य पालन और स्थानीय व्यवसाय में प्राथमिकता देकर ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

टूरिज्म को बढ़ावा और पर्यावरण संरक्षण

बसानिया जलाशय क्षेत्र को एक प्रमुख इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां के प्राकृतिक परिवेश जलाशय और आसपास के मनोरम वन क्षेत्र का सुनियोजित विकास पर्यटन गतिविधियों को नई ऊंचाइयां देगा। इससे स्थानीय युवाओं को गाइड परिवहन खानपान और आतिथ्य सेवाओं के माध्यम से स्थायी रोजगार मिलेगा पर्यटन विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण को भी समान महत्व दिया गया है। वन क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इनका कहना है-

बसानिया बहुउद्देश्यीय परियोजना को लेकर जो भी विसंगतिया आ रही उन्हें दूर किया जा रहा है। इस परियोजना से मंडला-डिंडोरी के विकास को रफ्तार मिलेगी सिंचाई के साथ बिजली का उत्पादन होगा रोजगार के नए अवसर खुलेगें 25 नम्बवर को बैठक का आयोजन किया जा रहा जिसमें प्रभारी मंत्री रहेंगें इस बैठक में परियोजन का लेकर विशेष फोकस किया जायेगा।

फग्गन सिंह कुलस्ते
सांसद, लोकसभा क्षेत्र
मण्डला

दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के बैनर तले इकाई छिंदवाड़ा के तत्वावधान में मंडला फोर्ट एवं चिरईडोंगरी माल गोदाम में 18 और 19 नवंबर को दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय प्रभारी मनोरंजन कुमार पासवान के आदेश तथा रणवीर सिंह के निर्देश पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) और मध्य रेलवे (सीआर) जोन के अध्यक्ष सुनील निगम एवं गणेश प्रसाद मालवी के नेतृत्व में शिविर का आयोजन किया गया इसमें शासकीय चिकित्सकों की टीमों के मार्गदर्शन में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया शिविर में दोनों माल गोदामों में कार्यरत श्रमिक भाइयों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं, लाभों तथा उनका उपयोग करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। श्रमिकों को बताया गया कि इन योजनाओं के माध्यम से वे अपने स्वास्थ्य और भविष्य की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। आयोजकों के अनुसार दीपावली भाई दूज और छठ पूजा के अवसर पर श्रमिकों के लिए आयोजित यह नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर उनके लिए त्योहारों के अमूल्य उपहार के समान रहा कामकाज की व्यस्तता के बीच श्रमिकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध होने से उनमें उत्साह देखने को मिला शिविर में श्रमिकों के साथ मुकदमों ने भी सहभागिता की और इस पहल की सराहना की श्रमिकों ने इस आयोजन के लिए भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के राष्ट्रीय प्रभारी मनोरंजन कुमार पासवान के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण जैसी उपयोगी सुविधा उपलब्ध कराना श्रमिकों के हित में सराहनीय कदम है। इस प्रकार के शिविर श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें शासन की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।





विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश एवं सचिव हेमराज सनोडिया के निर्देशन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह 2026 के अंतर्गत ग्राम खटिया में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव हेमराज सनोडिया ने ग्रामीणों एवं श्रमिकों को नालसा की विभिन्न योजनाओंविधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली मौलिक अधिकारों तथा नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह के अधिकार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से न्याय प्राप्त करने का अधिकार है। आर्थिक स्थिति अशिक्षा अथवा अज्ञानता के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे इसके लिए पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क अधिवक्ता एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

ग्राम विकास युवा संवाद कार्यक्रम 25 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम विकास, जनजातीय समाज के सशक्तिकरण और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25 नवंबर को ग्राम विकास युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय मंडला में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय, भोपाल के अपर सचिव लक्ष्मण सिंह मरकाम मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन अनुसूचित क्षेत्र हित रक्षा मंच जिला मंडला द्वारा किया जा रहा है। इसमें इंडियन ट्राइबल डेवलपमेंट फाउंडेशन मुंबई सह-आयोजक की भूमिका निभाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना युवाओं को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना तथा जनजातीय समाज को शिक्षित, संगठित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक पहल करना है। संवाद कार्यक्रम में पेसा अधिनियम, वन अधिकार अधिनियम, गांवों में स्वराज की अवधारणा, जैविक कृषि, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को अपने अधिकारों, जिम्मेदारियों और विकास के उपलब्ध अवसरों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता लक्ष्मण सिंह मरकाम का मार्गदर्शन युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. टीपी मिश्रा के निर्देशन में जिला स्तरीय निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वावधान में निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपनी प्रतिभा और निर्वाचन संबंधी ज्ञान का परिचय दिया। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय बिछिया, अंजनिया, नारायणगंज, गर्ल्स कॉलेज मंडला, नैनपुर, आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला सहित विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थी शामिल हुए। निबंध प्रतियोगिता का विषय मतदान का महत्व रखा गया था। इसमें प्रतिभागियों ने हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में निर्धारित 800 से 1200 शब्दों की सीमा में अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने निष्पक्ष निर्वाचन, मतदाता अधिकार, लोकतंत्र में नागरिकों की सहभागिता तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट, मतदाता पंजीकरण, मतदान प्रक्रिया एवं भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका से संबंधित बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक समिति के मूल्यांकन के अनुसार निबंध प्रतियोगिता में बीआरडीपीजी कॉलेज ध्रुवी चक्रवर्ती ने प्रथम, मिताली पटेल ने द्वितीय तथा शासकीय महाविद्यालय अंजनिया की महिमा पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय अंजनिया के आयुन पटेल ने प्रथम, गर्ल्स कॉलेज की संतोषी मरावी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया शासकीय महाविद्यालय बिछिया के सुखचैन आयाम ने भी द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा शासकीय महाविद्यालय अंजनिया के सौरव नंदा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. गौरी सिंह परते, लेफ्टिनेंट डॉ.राजेश धुर्वे, विनोद धुर्वे, दशरथ कुमार, डॉ. राजेश मरावी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विभिन्न संस्थानों से आए निर्वाचन साक्षरता क्लब के संयोजक उपस्थित रहे।



नैनपुर में 23 नवंबर को होगा सत्संग साधना परिसर का भव्य शुभारंभ

महंत डॉ. सत्यनारायण गिरि गोस्वामी देंगे आशीर्वचन

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

नगर के वार्ड क्रमांक 15 खेरमाई रोड पर आध्यात्मिक एवं धार्मिक गतिविधियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से सत्संग साधना परिसर का भव्य शुभारंभ 23 नवंबर 2026, सोमवार को आयोजित किया जाएगा। इस पावन अवसर पर परम पूज्य सद्गुरुदेव महंत डॉ. सत्यनारायण गिरि गोस्वामी के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 1 बजे पूजन, देव अर्चन, हवन एवं महाआरती के साथ होगी। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे सद्गुरुदेव के आशीर्वचन प्राप्त होंगे। वहीं शाम 5 बजे श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस पावन अवसर पर परम पूज्य सद्गुरुदेव महंत श्री डॉ. सत्यनारायण गिरि गोस्वामी के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन स्थल सरस्वती शिशु मंदिर के सामने, वार्ड क्रमांक 15, खेरमाई रोड नैनपुर निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के आयोजक आचार्य जमुना जी ने समस्त धर्मानुरागी श्रद्धालुओं, मातृशक्ति एवं नगरवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है। सत्संग साधना परिसर का शुभारंभ नगर में आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और सद्भावना के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पेयजल संकट से जूझ रहे चार गांवों के ग्रामीण डैम से थावर नदी में पानी छोड़ने की मांग

एसडीएम नैनपुर को सौंपा आवेदन, दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर क्षेत्र से लगे केवलारी विधान सभा क्षेत्र के ग्राम बुधवारा, किमाछी, देहवानी एवं गवारी में गंभीर पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। नदी में कम भराव के कारण थावर नदी का पानी गंदा एवं दूषित हो जाने से ग्रामीणों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों के साथ-साथ मवेशियों को भी पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। नदी में पानी कम होने के कारण बोरवेल व कुओं में जलसुरोत भी कम हो गया है। इस गंभीर समस्या को लेकर समस्त ग्रामवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर को आवेदन सौंपकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया कि थावर नदी का पानी दूषित होने के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों और पशुओं के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बनी हुई है ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए बीजीगांव डैम से थावर नदी में पर्याप्त पानी छोड़ा जाए, ताकि नदी में स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और आसपास के गांवों के लोगों को पेयजल की सुविधा मिल सके।



ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या पर कितनी तत्परता दिखाता है और कब तक उन्हें राहत मिल पाती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद जताई है।

एसडीएम ने की थावर एसडीओ से निराकरण की बात

ग्राम वासियों की समस्या सुनने के बाद थावर परियोजना के एसडीओ से बात कर पानी की समस्या का निराकरण करने की बात की इसके अलावा नगरपालिका सीएमओ से भी बात कर थावर नदी में में बने डेम के गेट बन्द करने की बात की । एसडीओ थावर परियोजना के द्वारा समस्या का निराकरण करने की बात की है।

विधायक ने सिविल अस्पताल को दान किया डीप फ्रीजर



मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। निवास विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैन सिंह वरकड़े ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए स्थानीय सिविल अस्पताल निवास को डीप फ्रीजर दान किया। अस्पताल में इसकी आवश्यकता को देखते हुए विधायक ने अपने निजी अर्जित धन से यह सहयोग प्रदान किया। उनकी इस पहल को मानव सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है अक्सर दुर्घटनाओं अथवा अन्य कारणों से किसी व्यक्ति की असमय मृत्यु होने पर परिजनों को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर शव को सुरक्षित रखने के लिए उचित व्यवस्था नहीं होने पर परिवार के लोगों को मानसिक परेशानी और असुविधा से गुजरना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में डीप फ्रीजर की उपलब्धता अस्पताल के लिए उपयोगी साबित होगी और शोकाकुल परिजनों को राहत मिलेगी विधायक चैनसिंह वरकड़े ने अस्पताल की आवश्यकता को समझते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया। उनके इस सहयोग से सिविल अस्पताल में शवों को सुरक्षित रखने की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कृति और कृतिकार

'मृत्यु : अंत से अनंत' काव्य संग्रह ज्योति प्यासी 'अनिका' का मृत्यु-दर्शन



संसार में सब कुछ नश्वर है । जो जन्म लेता है उसकी मृत्य भी सुनिश्चित है । जिसने जीवन का यह अंतिम सत्य समझ लिया वह विषाद मुक्त हो जाता है । मृत्यु = अंत से अनंत काव्य संग्रह की रचनाकार ज्योति प्यासी अनिका संभवत: इसीलिए सामान्य महिलाओं से अलग विशिष्ट आभा युक्त सौंदर्य और स्फूर्ति से भरी रहती हैं क्योंकि वे जीवन के इस सच से परिचित हैं, वे अपने जीवन का समुचित सदुपयोग करना चाहती हैं । उन्होंने अपने काव्य संग्रह के प्रारंभ में ही लिखा है –

मृत्यु के सत्य को
हृदय में स्वीकार करते रहें
जीवन के हर क्षण को
कर्ममय साकार करते रहें
कल सांस हो न हो
इसकी चिंता क्यों करें
जब तक जियें
जग में उजियारा भरते रहें...।

वे इस काव्य संग्रह के स्वत्वभाव में कहती हैं कि जीवन यात्रा में कुछ समय – दूरी के बाद ठहराव ही होता है । जहां पर जिसका गंतव्य आ जाता है वह अपने सहयात्री का समस्त समर्पण, त्याग, स्नेह और आत्मीयता का परित्याग कर अपनी यात्रा समाप्त कर देता है । यात्रा समाप्त होती है पर जीवन समाप्त नहीं होता, जीवन अनवरत है । ज्योति की कविताएं जीवन के इसी कटु सत्य पर आधारित हैं जो श्रीकृष्ण ने गीता में बताया है – आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और अविनाशी है, जिसका न कभी जन्म होता है और न ही मृत्यु । शरीर नश्वर है, जबकि आत्मा एक शरीर को छोड़कर नया शरीर धारण करती है ।

कवयित्री – कथाकार ज्योति प्यासी ज्ञान पिपासु हैं उन्होंने चार विषयों – हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं शिक्षा शास्त्र में एम.ए. के साथ ही बी.एड. भी किया है और ज्ञान का वितरण भी कर रही हैं । आप नचिकेता उ. मा. शाला, जबलपुर की प्रतिष्ठित – लोकप्रिय शिक्षिका हैं । महाकवि आचार्य भगवत दुबे ने कहा है कि मृत्यु = अंत से अनंत काव्य संग्रह में समाहित ज्योति प्यासी के गहरे शाश्वत दार्शनिक भाव – बोध से उन्हें आश्चर्य के साथ उनके चिंतन पर प्रसन्नता हुई । आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे ने ज्योति प्यासी के मृत्यु से साक्षात्कार जैसे चिंतन और मरणोत्तर भी जगत के लक्ष्य भेदने के यत्न पर सुखद आश्चर्य प्रगट किया । साहित्यकार राजेश पाठक प्रवीण ज्योति की कविताओं को जिज्ञासाओं से युक्त सनातन रहस्य से जुड़ा मानते हैं ।

अनिका जी का विषय चयन, उसके प्रतिपादन के लिए उचित शब्द, कविता को बोझिल होने से रोकने और प्रवाह बनाए रखने की कला, पाण्डित्य प्रदर्शन से परहेज उनके लेखन को सहज बनाता है ।

ज्योति जी कहती हैं –
मृत्यु केवल पर्दा भर है,
जीवन का अंत नहीं ।
साँसों के गहरे स्पंदन का,
यह कोई अंतिम छंद नहीं ।
वे लिखती हैं –
यह यात्रा कभी रुकती नहीं,
न जीवन न मृत्यु इसे बाँध पाते हैं
हम बस पड़ाव बदलते रहते हैं
और स्वयं को नया पाते हैं ।
**
मृत्यु इस ग्रन्थ का अंत नहीं
बस एक पृष्ठ पलटती है ।
और अगली पंक्ति में फिर से
जीवन की कहानी लिखती है ।
**
मृत्यु विराम है,
या अस्तित्व की
उस पुस्तक का अंतिम पृष्ठ,
जिसके आगे का पाठ
अनंत के मौन में विलीन है ?
**

मृत्यु – अंत से अनंत की कृतिकार ज्योति हैं । प्राण ऊर्जा और आत्मा को भी हम ज्योति स्वरूप मानते हैं । वे प्यासी हैं जीवन, मृत्यु और मृत्यु उपरांत आत्मा की यात्रा व उसके पड़ाव का रहस्य जानने की। वे अनिका याने दुर्गा हैं, अद्वितीय हैं शायद इसीलिए उनकी व्यापक दृष्टि मृत्यु के उस पार के सत्य समझने – समझाने प्रयत्नशील है । ज्योति प्यासी अनिका को उनके चिंतन परक श्रेष्ठ सृजन के लिए बधाई । शुभकामनाएं ।

–प्रतुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार

बदलते मौसम का असर सीधा हमारे शरीर पर पड़ता है, क्योंकि संक्रमण तेजी से फैलता है, जिससे तरह-तरह की बीमारियों के होने का डर रहता है। वायरल बुखार तब होता है, जब शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खान-पान का ध्यान रखें।

वायरल से बचना बेहद जरूरी

वायरल बुखार में खाना खूब खाएं, लेकिन खाने का गलत कॉम्बिनेशन कभी न लें। मसलन हैवी नॉनवेज या नींबू अथवा कोई खट्टी चीज न खाएं। ठंडे और तरल पेय पदार्थों का सेवन न करें, क्योंकि वे शरीर में पानी रोकते हैं और असंतुलन होता है। वायरल होने पर दिमाग पर बिल्कुल जोर ना लगाएं, क्योंकि ऐसा करने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होगी और वायरल ज्यादा दिनों तक रह सकता है।



अगर सेहतमंद और प्रोटीनयुक्त खाना खाया जाए तो शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता खुद निर्मित हो जाती है। सादा, ताजा खाना ही खाएं, क्योंकि हैवी फूड आसानी से पचते नहीं हैं। वायरल में कई लोग खाना-पीना छोड़ देते हैं, लेकिन खाना छोड़ने से बीमारी और बढ़ सकती है। इसलिए जहां तक संभव हो वायरल में खूब खाना खाएं और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए खूब पानी पीएं।

पानी खूब पीएं



सबसे पहले तो पानी खूब पीएं। इससे डिहाइड्रेशन के अलावा शरीर पर हमला करने वाले माइक्रो आर्गेनिज्म को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

प्रोटीन का प्रयोग करें



लहसुन में केल्शियम, मेग्नीशियम, फास्फोरस और खनिज तत्व पाए जाते हैं। इससे सर्दी, जुकाम, दर्द, सूजन और त्वचा से संबंधित बीमारिया नहीं होती हैं। लहसुन घी या तेल में तलकर चटनी के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है।

दही का सेवन करें



वायरल में दही खाना बंद न करें, क्योंकि दही खाने से बैक्टीरिया से लड़ने में सहायता मिलती, साथ ही यह पाचन क्रिया को सही रखता है व बुखार को दूर करता है।

इन चीजों का करें सेवन



- वायरल में गाजर खाएं। इसमें केरोटीन पाया जाता है, जिससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कीटाणुओं से लड़ने में मदद मिलती है।
- टमाटर, आलू और संतरा खाएं। इनमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- अधिक मात्रा में केले और सेब का सेवन करें। इन दोनों ही में अधिक मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है। ये ऐसा इलेक्ट्रोलाइट है, जिससे दस्त समाप्त होते हैं।
- मौसमी संतरा व नींबू खाएं, जिसमें विटामिन-सी और वीटा कैरोटींस होता है, जिससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। वायरल फीवर होने पर ड्राईफ्रूट खूब खाना चाहिए। ड्राईफ्रूट में जिंक भरपूर मात्रा में पाया जाता है।



गठिया के मरीज

हैं तो इन चीजों से बनाएं दूरी

गठिया ऐसी बीमारी है, जिसमें लोग जोड़ों में अधिक दर्द महसूस करते हैं। इस बीमारी में सूजन और अकड़न भी होती है। हालांकि गठिया के कई प्रकार है, जिनमें से एक ऑस्टियोआर्थराइटिस है, जो जोड़ों को प्रभावित करता है। डॉक्टर भी कहते हैं कि गठिया के मरीजों को अपने खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

प्रोसेस्ड फूड से करें परहेज



गठिया के मरीजों को प्रोसेस्ड फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। यह आपकी बीमारी को और बढ़ाने का काम करते है। यह आपके हार्ट डिसीज और डायबिटीज के लिए कोई न कोई मुसीबत बन सकते हैं। इसलिए आर्थराइटिस से पीड़ित मरीजों को चिप्स, नमकीन, ब्रेड, केक और बिस्कुट जैसी चीजों से दूरी बनाकर रखना चाहिए।

नमक का कम प्रयोग करें



गठिया से पीड़ित मरीजों को नमक का सेवन कम करना चाहिए। अगर आप खाने में ज्यादा नमक का प्रयोग करेंगे तो आपके जोड़ों में दर्द होने लगेगा।

आलू से बना लें दूरी



गठिया से पीड़ित लोगों को आलू नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इसे खाने से जोड़ों में दर्द और सूजन ज्यादा होती है। बता दें कि आलू में रासायनिक सोलनिन होता है, जो गठिया के दर्द के लिए जिम्मेदार होता है।

दूध का सेवन कम करें



जिन लोगों को गठिया की शिकायत है, अगर वह दूध का सेवन करते हैं तो उनमें हिप रिप्लेसमेंट की आवश्यकता ज्यादा हो जाती है। दरअसल दूध में पाए जाने वाले बैक्टीरिया का एक स्ट्रेन रूमेटोइड गठिया से जुड़ा हो सकता है। इसलिए दूध का सेवन कम ही करें।



घर का डॉक्टर

अदरक

बेमौसम होने वाली बीमारियों से जैसे नाक से पानी बहना, सिरदर्द और सर्दी को तुरंत दूर कर देता है। एक कप अदरक, शहद और तुलसी के पत्तों वाली चाय बनाकर पीने से जुखाम में राहत मिलती है।



- अदरक का रस कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखता है, जिससे दिल की बीमारी की संभावना घट जाती है।
- अगर अदरक नियमित रूप से सेवन करें तो पाचन संबंधी समस्याएं जैसे- गैस, बदहजमी, अपच दूर हो जाती है।
- अगर जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो सूखी अदरक के पाउडर का सेवन करने से जोड़ों में पैदा होने वाली सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है।
- अदरक में केल्शियम, आयरन, कॉपर, मेग्नीशियम, जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं।
- अदरक के 10 से 20 मिलीलीटर रस में गुड़ मिलाकर सुबह-सुबह पी लें। इससे सभी प्रकार की सूजन कम हो जाती है।



क्यूं आती है आपको दिनभर इतनी नींद



क्या आपको रात की नींद पूरी करने के बाद सुबह थकान और नींद का अनुभव होता है। आपको दिनभर इतनी नींद क्यूं आती है और आपके शरीर में ऐसी कौन सी प्रॉब्लम्स हो रही हैं, जिसके कारण ऐसा हो रहा है। अगर आपने इस समस्या पर अभी ध्यान नहीं दिया तो आगे चल कर यह नींद और थकान कई अन्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं, जैसे-सिरदर्द, शारीरिक दर्द, किसी चीज में मन न लगना, काम या पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित न कर पाना, पेट की खराबी, बोरियत और तनाव या डिप्रेशन आदि।

सोने का अनुचित समय

रात की नींद ठीक तरह से पूरी करनी चाहिए। आपको 6 से 7 घंटे तक बिना डिस्टर्ब हुए सोना चाहिए। सोने के तीन या चार घंटे पहले चाय या कॉफी नहीं पीना चाहिए।

तनाव से दूर रहें

तनाव, अवसाद, क्रोध आदि जैसी समस्याएं नींद के पैटर्न पर बहुत प्रभाव डालती हैं। ये आपको थका देती हैं, जिससे रात को आप ठीक प्रकार से सो नहीं पाते।

न खाएं भारी भोजन

कई लोग सोचते हैं कि यदि वे रात में पेट भरकर खाएंगे तो उन्हें अच्छी नींद आएगी, मगर ऐसा होता नहीं है। रात को पेट थोड़ा खाली रखकर ही सोना चाहिए नहीं तो वह ठीक से पच नहीं पाएगा।

शारीरिक नकारात्मकता

कई लोग शुरू से ही आलसी होते हैं और उनके जीवन का नजरिया हमेशा ही नकारात्मक होता है। ऐसे लोगों को अपने रूटीन में योगा, ध्यान और पूजा को शामिल करना चाहिए, जिससे उनके जीवन में सकारात्मकता आ सके।

टिप्स

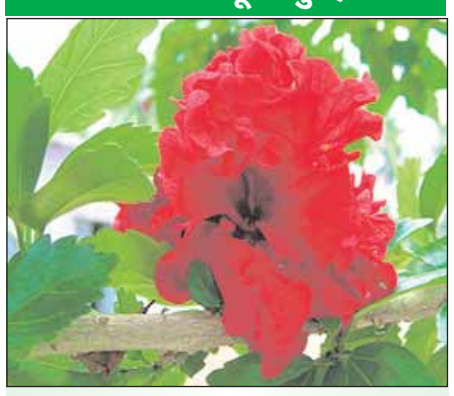
- अगर दिन में बहुत नींद आ रही है तो आधे घंटे की झपकी ले सकते हैं।
- अपच की वजह से आपको नींद और थकान महसूस हो सकती है। ऐसे में अपने आहार में अदरक और कालीमिर्च को जगह दें।
- आप चाहें तो बिना दूध वाली अदरक की चाय पी सकते हैं।
- नियमित व्यायाम करें, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़े ।
- फ्रेश फील करें। अपने कमरे की खिड़कियां और दरवाजे हमेशा खुले रखें, जिससे फ्रेश हवा और रोशनी आए। इससे आप ऊर्जा से भरे रहेंगे।
- कुर्सी पर हमेशा सीधे और अलर्ट बैठें। योगा और प्राणायाम करें। इससे आप एनर्जी से भर उठेंगे।

कोई छुपी हुई बीमारी



कुछ बीमारियां जैसे- मधुमेह आदि शरीर को अंदर से कमजोर बना देती हैं और दिनभर नींद लगवाती हैं। अच्छा है कि आप अपना ठीक से ट्रीटमेंट करवाएं।

चमत्कारिक फूल गुडहल



- लाल गुडहल के फूलों में विटामिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में होते हैं, जो बालों में रूसी को कम करते हैं, बालों में नई चमक लाते हैं।
- गुडहल के फूल का इस्तेमाल खाने-पीने और दवाओं के लिए किया जाता है।
- इससे कॉलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर, मधुमेह और गले के संक्रमण जैसे रोगों का इलाज किया जाता है।
- गुडहल के फूल सांस संबंधी तकलीफों को दूर करते हैं। यहां तक कि गले के दर्द को और कफ को भी हर्बल टी सही कर देती है।
- गुडहल की पत्तियों को मेहंदी के साथ पीसकर बालों पर अच्छे से लगाएं। इस उपाय को करने से बालों का रूखापन कम होता है।
- आंवला पाउडर और गुडहल की पत्तियों को पानी के साथ मिलाकर इसे अच्छे से पीस लें और इसे बालों की जड़ों पर लगाएं। ऐसा करने से बालों का झड़ना खत्म हो जाता है।

वायु प्रदूषण और पीएम 2.5 से बढ़ रहा डिमेंशिया का खतरा, दिमाग की कार्यक्षमता पर बुरा असर

अब वायु प्रदूषण का असर सिर्फ फेफड़ों की बीमारी तक सीमित नहीं है। बल्कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने की वजह से डिमेंशिया यानी मनोभ्रंश का जोखिम भी बढ़ रहा है। डिमेंशिया होने पर दिमाग की कार्यक्षमता और याददाश्त प्रभावित होती है। साल 2026 की एक रिसर्च में यह बात सामने आई है। जिसमें वैश्विक स्तर पर 49 अध्ययनों का विश्लेषण किया गया है। जिसमें पीएम 2.5 की मात्रा प्रति घन मीटर एक माइक्रोग्राम बढ़ने पर डिमेंशिया का जोखिम 7त्न ज्यादा पाया गया है, लेकिन विशेषज्ञ इस जोखिम को 14% बताते हैं।

फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों पर भी असर

वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से डिमेंशिया का खतरा 14त्न तक बढ़ने की संभावना रहती है। अति सूक्ष्म कण मस्तिष्क की सूजन को बढ़ा सकते हैं। वहीं यह सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र के अलावा शरीर के अन्य दूसरे अंगों पर भी बुरा प्रभाव डालते हैं। वायु प्रदूषण का ओवरऑल पूरी सेहत पर असर पड़ रहा है।

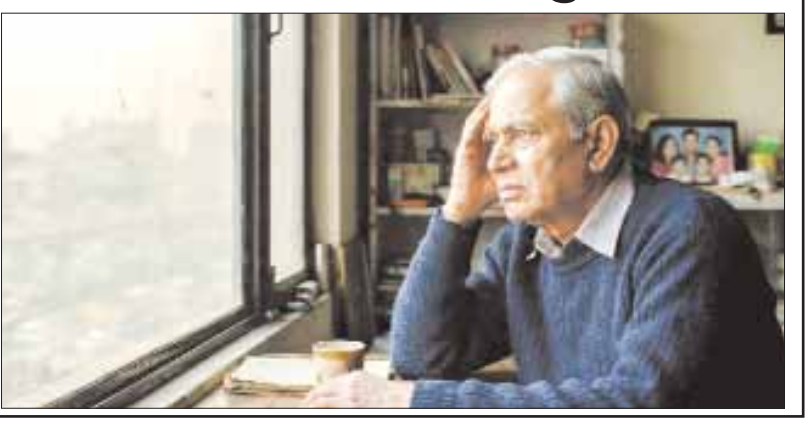
प्रदूषण में बाहर व्यायाम न करें

ज्यादा प्रदूषण होने पर अधिक यातायात वाले समय में खुले में व्यायाम से बचना, सही फिटिंग वाला एन95 मास्क पहनना और नाक की सफाई के लिए सलाइन नेजल वाश का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। वायु प्रदूषण ज्यादा होने पर बाहर रहने का समय कम रखना चाहिए। बुजुर्गों और हृदय या सांस संबंधी समस्याओं से परेशान लोगों को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

नाक के जरिए दिमाग तक पहुंच रहे प्रदूषक कण

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक नाम से दिमाग तक जाने वाली घ्राण तंत्रिकाएं अतिसूक्ष्म प्रदूषक कणों के दिमाग तक पहुंचने का मार्ग होती हैं। वहीं लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से आक्सीडेटिव स्ट्रेस, शरीर में सूजन और मस्तिष्क की प्रतिरक्षा कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ जाती है। जिस वजह से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और याददाश्त के प्रभावित होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

जिससे कई मरीजों को सुस्ती, थकान, ब्रेन फाग यानी सोचने-समझने में अस्पष्टता और साइनस में जलन की समस्या होती है। वहीं सर्दियों के मौसम में यह जोखिम गई गुना तक बढ़ जाता है।



चिल्लाते थे-हाथ तोड़ने की धमकी देते थे...जेनसन हुआंग पर पूर्व कर्मचारियों के आरोप

वाशिंगटन

एनवीडिया के दो कर्मचारियों ने लगभग दो दशक पहले कंपनी के तत्कालीन सीईओ जेनसन हुआंग के व्यवहार को लेकर गंभीर शिकायतें की थीं। साल 2007 में कैलिफोर्निया की एक अदालत में दायर मुकदमे के दस्तावेजों के अनुसार, इन कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि हुआंग अपने स्टाफ को धमकियां देते थे और अश्लील व आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे। कैलिफोर्निया की सुपीरियर कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक, एनवीडिया के पहले इन-हाउस वकील स्टीफन पेटीग्रु ने कहा था कि उन्होंने हुआंग को अक्सर कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते और उन्हें डराते-धमकाते देखा था। पेटीग्रु ने आरोप लगाया कि कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के गलत व्यवहार पर चिंता जताने की वजह से उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया, जबकि कंपनी ने इसके पीछे उनके खराब परफॉर्मेंस का हवाला दिया था। उम्र के आधार पर भेदभाव और गलत तरीके से नौकरी से निकाले जाने के इस मुकदमे में पेटीग्रु के वकीलों ने अपनी दलील में कहा कि हुआंग कर्मचारियों पर चिल्लाते थे, उन्हें गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी देते थे और अश्लील इशारे करते हुए आपत्तिजनक बातें कहते थे। इस विवाद में एनवीडिया ने भी कंपनी के दस्तावेज वापस पाने के लिए पेटीग्रु पर जवाबी दावा किया था। आखिरकार दिसंबर 2009 में एक गोपनीय समझौते के जरिए यह मामला सुलझा लिया गया।

पेटीग्रु के मुकदमे से जुड़े अदालती दस्तावेजों में कंपनी के एक अन्य पूर्व अधिकारी, एचआर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष माइकल विंस्टन की शिकायत का भी जिक्र है। विंस्टन ने 2005 में भेदभाव की शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि जब उन्होंने कर्मचारियों के प्रति हुआंग के दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न जैसे आचरण का विरोध किया, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। एनवीडिया के संस्थापक जेनसन हुआंग का दशकों पुराना यह व्यवहार एक बार फिर लोगों के ध्यान में है, क्योंकि वह कंपनी के बोर्ड से उसी पद पर वापसी की गुहार लगा रहे हैं जिस पर वह तीन दशकों से अधिक समय तक रहे थे।

गौरतलब है कि हुआंग ने इसी महीने



की शुरुआत में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। यह इस्तीफा उनके कई प्रेम संबंधों के खुलासे के बाद हुआ, जिनमें उनकी एक अधीनस्थ कर्मचारी और एक संदिग्ध चीनी जासूस के साथ संबंध शामिल हैं, जिसकी जांच अमेरिकी न्याय विभाग कर रहा है। हुआंग ने खुद भी यह स्वीकार किया है कि वह अपने करीब काम करने वाले लोगों को टॉर्चर करते हैं ताकि वे अपना सर्वश्रेष्ठ काम दे सकें। कंपनी चलाने के उनके लंबे कार्यकाल के दौरान अधीनस्थ कर्मचारियों को नीचा दिखाने की कई खबरें भी सामने आ चुकी हैं। उन्होंने कभी अपनी सख्त छवि का खंडन नहीं किया और कई बार सार्वजनिक रूप से भी अपने व्यक्तित्व का यह कठोर पहलू दिखाया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इन आरोपों पर हुआंग के एक प्रतिनिधि ने कहा कि ये झूठे आरोप 20 साल से भी ज्यादा पुराने हैं और इन्हें दो ऐसे कर्मचारियों ने लगाया था जिन्हें नौकरी से निकाल दिया गया था। पिछले एक हफ्ते में हजारों कर्मचारियों ने जेनसन के प्रति जो समर्थन दिखाया है, उससे साबित होता है कि ये आरोप गलत हैं। वहीं, एनवीडिया के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर टिप्पणी करने के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। 63 वर्षीय हुआंग ने अपनी कार्यशैली को सही ठहराते हुए कहा है कि तेजी से बदलते टेक्नोलॉजी उद्योग में आगे बढ़ने और संकट की भावना से निपटने के लिए ऐसा करना जरूरी होता है। उन्होंने अक्सर इस बात पर गर्व जताया है कि उन्होंने कभी कर्मचारियों की छंटनी नहीं की, और एकमात्र बार जब उन्हें ऐसा करना पड़ा था, तो उस पर उन्होंने अफसोस भी जताया था।

सिलिकॉन वैली के उनके कुछ सहयोगी और एक गुमनाम सर्वेक्षण के अनुसार एनवीडिया के कुछ कर्मचारी भी हुआंग को दोबारा पद पर लाने की कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन ने अब तक हुआंग की वापसी की संभावना को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया है। एनवीडिया के बाहर या सार्वजनिक कार्यक्रमों में हुआंग का व्यवहार अधिकतर बेहद मिलनसार, हल्का-फुल्का और मजाकिया रहता है, और वह लोगों के लिए समय निकालते हैं। कंपनी में रहने के दौरान, उनके अधीन काम करने वाले लोग भी उनके बारे में बात करते समय काफी सम्मानजनक रवैया रखते थे, भले ही वे यह मानते थे कि हुआंग काफी सख्त और डरावने हो सकते हैं। पेटीग्रु और विंस्टन दोनों का अब निधन हो चुका है, और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले कई वकीलों तथा परिवार के सदस्यों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका।

पानी, राशन और जनरेटर खरीदने को उमड़ी भीड़... 90 दिन के ब्लैकआउट की अफवाह से अमेरिका में मची खलबली

वाशिंगटन

अमेरिका में इन दिनों आम लोग रोजमर्रा के किराना सामान के साथ-साथ बड़ी मात्रा में पानी की बोतलें, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री, चावल, प्रोपेन गैस और जनरेटर खरीदकर घरों में जमा कर रहे हैं। इस खरीदारी के पीछे किसी प्राकृतिक आपदा या तूफान की चेतावनी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाह है। ऑनलाइन मंचों पर यह दावा किया जा रहा है कि पूरे देश में अगले 90 दिनों तक बिजली और अन्य आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बंद हो सकती हैं।

हालांकि यह दावा पूरी तरह निराधार है, लेकिन लोगों में डर इतना बढ़ गया है कि वॉलमार्ट, कॉस्टको और ट्रैक्टर सप्लाई जैसे प्रमुख रिटेल स्टोरों पर आपातकालीन वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल देखा गया है। वॉलमार्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में प्रोपेन, बोतलबंद पानी और कैंपिंग से जुड़े सामान की मांग कई गुना बढ़ गई, जबकि कॉस्टको में चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी आई है। घबराहट में हो रही इस खरीदारी की शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें सितंबर के अंत में जारी अमेरिकी रक्षा विभाग के एक निर्देश से जुड़ी हैं।



सैन्य तैयारियों से संबंधित उस निर्देश को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़कर 90 दिनों के ब्लैकआउट की चेतावनी के रूप में प्रचारित किया गया। इसके बाद टिकटॉक पर ऐसे कई वीडियो वायरल होने लगे, जिनमें कहा गया कि 17 नवंबर से पूरे अमेरिका की बिजली व्यवस्था ठप हो जाएगी। इस भ्रम को और बढ़ाने के लिए कुछ फर्जी वीडियो भी साझा किए गए, जिनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसी घोषणा करते हुए दिखाया गया था।

दूसरी ओर, अमेरिकी आपदा प्रबंधन एजेंसी फेमा ने 17 नवंबर को देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के परीक्षण की योजना बनाई थी। यह हर तीन साल में कम से कम एक बार होने वाला एक सामान्य और नियमित अभ्यास था, लेकिन सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे भी किसी बड़े संकट का संकेत बताकर जोड़ दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देशभर में 90 दिनों तक बिजली कटौती की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। विभिन्न फैक्ट-चेक में भी इंटरनेट पर वायरल हो रहे ये सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं।

अफवाहों के इसी दौर में कुछ वास्तविक तकनीकी गड़बड़ियों के सामने आने से लोगों का संदेह और गहरा हो गया। हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं बाधित हुईं, हवाई यातायात की संचार प्रणाली में दिक्कत आई, बैंकिंग कामकाज प्रभावित हुआ और एप्पल के सॉफ्टवेयर अपडेट में भी समस्या देखी गई। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के एक आंतरिक संचार नेटवर्क में भी रुकावट दर्ज की गई।

इन घटनाओं ने सोशल मीडिया पर चल रहे डर को और बल दिया। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इन तकनीकी समस्याओं के आपस में जुड़े होने या किसी बड़े साइबर हमले का कोई प्रमाण नहीं मिला है। अमेरिका में बिजली संकट की आशंका को ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और नॉर्वे में चलाए जा रहे आपातकालीन जागरूकता अभियानों से भी बढ़ावा मिला है।

इन देशों में नागरिकों को किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए घरों में जरूरी सामान सुरक्षित रखने की सलाह दी जा रही है, जिसे सोशल मीडिया पर अमेरिका में होने वाले ब्लैकआउट के संकेत के तौर पर पेश किया गया।

इस स्थिति पर आरबीसी कैपिटल मार्केट्स का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया भू-राजनीतिक तनाव, साइबर हमला या आधिकारिक सरकारी चेतावनी सामने आती है, तो लोगों की यह सावधानी जल्द ही पैनिक बाइंग यानी घबराहट भरी अंधाधुंध खरीदारी में तब्दील हो सकती है।

इराक के पावर स्टेशन में आग लगने से चार लोगों की मौत, 30 घायल

बसरा। इराक के एक पावर स्टेशन में शनिवार को आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 30 लोगों के घायल होने की सूचना है। सुरक्षा अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह पावर स्टेशन दक्षिणी इराक में स्थित है। यहीं पर लगी आग से चार लोगों की जान चली गई। उन्होंने बताया कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी, बसरा के उत्तर में स्थित हरथा पावर स्टेशन में लगी आग को दमकलकर्मियों और सिविल डिफेंस की टीमों ने काबू में कर लिया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आग की लपट इतनी तेज थी कि आस-पास के घरों तक फैल गई। इस वजह से पावर स्टेशन का कामकाज रोकना पड़ा। हरथा स्टेशन की बिजली उत्पादन क्षमता 800 मेगावाट है, लेकिन आग लगने से पहले यह लगभग 400 मेगावाट पर काम कर रहा था। समाचार एजेंसी आईएनए की रिपोर्ट के अनुसार, आग लगने के कारणों या नुकसान के दायरे के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है । इराक का बिजली ढांचा लंबे समय से कई समस्याओं से जूझ रहा है जैसे कि दशकों से पर्याप्त निवेश न होना।

अमेरिका, रूस एवं चीन तकनीकी रूप से विश्व के सबसे शक्तिशाली देश: ट्रम्प

वाशिंगटन,(वार्ता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को अमेरिका, रूस और चीन को तकनीक रूप से विश्व का सबसे उन्नत देश करार दिया। श्री ट्रम्प ने एक ब्रीफिंग में कहा, विश्व के तीन सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली देश विशेषकर जो तकनीकी रूप से विश्व में सबसे मजबूत हैं। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई इस बैठक को कई वर्षों के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों में से एक बताया।



उन्होंने आगे कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके अच्छे संबंधों के कारण अमेरिका सुरक्षित है।उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अमेरिका परमाणु हथियारों से विश्व को नष्ट नहीं होने देगा क्योंकि इसमें कोई भी विजेता नहीं हो सकता।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, पहली बार, चीन परमाणु जोखिमों को कम करने पर त्रिपक्षीय चर्चा करने के लिए सहमत हुआ है।

श्री ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से इस बात पर भी चर्चा की है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न हों। उन्होंने आगे कहा कि अपनी त्रिपक्षीय बैठक के दौरान यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा करने में काफी समय लगा।अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि वह किसी समझौते पर पहुंचने से पहले यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटियों पर चर्चा नहीं करना चाहते।श्री ट्रंप ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के आर्थिक नतीजों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि चीन के साथ एक बहुत व्यापक समझौता हुआ है जो दोनों देशों के लिए बहुत ही अच्छा साबित होने वाला है।

खैबर पख्तूनख्वा में जंगल के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों में खूनी संघर्ष, सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित बट्टाग्राम जिले में एक जंगल के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों के बीच हुई हिंसक झड़प में सात लोगों की जान चली गई। पुलिस ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात स्थानीय समयानुसार करीब 10 बजे बिलिजा जंगल में गिलाल और कलोच कबीलों के हथियारबंद लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पुलिस ने बताया कि पहले कलोच कबीले के



हथियारबंद लोगों ने मोर्चा संभाला और गोलियां चलानी शुरू कीं, जिसके बाद दूसरे पक्ष ने भी जवाबी फायरिंग की। इस गोलीबारी में गिलाल कबीले के चार और कलोच कबीले के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

गिलाल और कलोच पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्थानीय आदिवासी समुदाय हैं। गिलाल समुदाय बट्टाग्राम जिले की अलाई घाटी से जुड़ा है, जबकि कलोच समुदाय पड़ोसी कोहिस्तान जिले से आता है।

इन दोनों समुदायों के बीच बिलिजा जंगल के मालिकाना हक को लेकर कई दशकों से विवाद चला आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, इस पुराने विवाद में इससे पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी है।

चक्रवाती तूफान अकवान का झारखंड में असर बारिश से बढ़ी कनकनी, धान की फसल पर संकट, रांची आने वाली फ्लाइट डायवर्ट

रांची, (वार्ता)। झारखंड में चक्रवाती तूफान अकवान के असर से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में शुक्रवार से ही बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर बारिश होती रही। वहीं, शनिवार सुबह भी रांची समेत कई जिलों में घने बादल छाए रहे और हल्की बारिश हुई। बारिश के साथ चल रही ठंडी हवाओं के कारण लोगों को कनकनी का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, अगले दो दिनों तक राज्य के कई इलाकों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। लगातार बारिश और बादलों के कारण राजधानी रांची के अधिकतम तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आसमान में बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

ट्रंप के दोस्त वाले बयान के बाद जेलेंस्की ने पुतिन को कहा हत्यारा

कीव, (वार्ता)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हत्यारा करार दिया है। श्री जेलेंस्की की यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा श्री पुतिन को दोस्त घोषित करने के जवाब में आई है। श्री जेलेंस्की ने श्री ट्रंप की टिप्पणी के बारे में सीएनएन के एक सवाल के जवाब में कहा, हमारे लिए वह दुश्मन हैं। और बेशक, हमारे लिए वह हत्यारे हैं। मेरा मानना है कि दुनिया के यादातर लोगों के लिए भी वह हत्यारे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के संबोधन से श्री पुतिन पर दबाव कम हो सकता है।

श्री ट्रंप ने इस सप्ताह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शेनझेन में त्रिपक्षीय बैठक से इतर



श्री पुतिन से मुलाकात के दौरान उन्हें दोस्त कहा था। व्हाइट हाउस में शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान भी उन्होंने दोनों के संबंधों की सराहना की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब रूसी सेना ने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमले किए। इन हमलों में कीव में कम से कम सात लोगों की मौत हुई और नीपर नदी पर बने कई प्रमुख पुल क्षतिग्रस्त हो गए।

श्री जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने इस हमले में 400 से अधिक हमलावर ड्रोन और 110 से यादा मिसाइलें दागीं। उन्होंने इसे युद्ध के अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, बिल्कुल सभी लक्ष्यों पर हमले सामान्य नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए, यानी उन चीजों पर जो लोगों के जीवन को बनाए रखती हैं। ऊर्जा संयंत्र, रसद व्यवस्था, नीपर नदी पर बने पुल और रेलवे का बुनियादी ढांचा। ये हमले श्री पुतिन की उस चेतावनी के बाद हुए, जिसमें उन्होंने इस सप्ताह यूक्रेन की ओर से रूस के क्रीमिया पुल पर किए गए हमलों के बाद यूक्रेन के साथ आंशिक युद्धविराम पर किसी भी तरह की बातचीत से इनकार किया था। इन हमलों में पुल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

वर्ल्ड टेलीविजन डे पर गौरव खन्ना ने कहा, टीवी की जगह बनी रहेगी, श्रद्धा आर्या ने सुनाया बचपन का दिलचस्प किस्सा



वर्ल्ड टेलीविजन डे के अवसर पर अभिनेता गौरव खन्ना और अभिनेत्री श्रद्धा आर्या ने टेलीविजन से जुड़ी अपनी बचपन की यादें साझा कीं। एकता कपूर के नए धारावाहिक दिल की बेवफाइयाँ के लॉन्च के दौरान फराह खान के साथ बातचीत में दोनों कलाकारों ने बताया कि किस तरह टेलीविजन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है।स्टार प्लस के इस धारावाहिक में गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या मानव और जानकी की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी शादी के 20 साल बाद रिश्ते को नए नजरिये से समझने, आपसी खुशियों और अधूरी ख्वाहिशों के इर्द-गिर्द घूमती है।

कानपुर में अपने बचपन को याद करते हुए गौरव खन्ना ने बताया कि स्कूल से लौटने पर अक्सर उनकी मां स्टार प्लस के धारावाहिक देखती थीं। वह उनसे पूछा करते थे कि आखिर इन धारावाहिकों में उन्हें इतना क्या पसंद आता है। वर्षों बाद जब उन्हें शूटिंग सेट देखने का मौका मिला तो उन्होंने अपनी मां को फोन कर बताया कि उनके पसंदीदा धारावाहिक के सेट पर तो छत ही नहीं थी।

टेलीविजन की लोकप्रियता और दर्शकों के जीवन में उसकी अहमियत पर गौरव ने कहा, मुझे हमेशा लगता है कि टीवी की जगह बनी रहेगी। आप कुछ भी कर लें, टीवी उस नमक की तरह है, जो हर सब्जी में पड़ता है। हमारे शो, हमारे चेहरे और हमारे किरदार रोज दर्शकों के घरों तक पहुंचते हैं। इस तरह हम उनकी जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं। मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। वहीं, दो साल बाद टेलीविजन पर वापसी कर रहीं श्रद्धा आर्या ने अपने बचपन का एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि पश्चिमी दिल्ली में पली-बढ़ी श्रद्धा को बचपन में लंबे समय तक यही लगता था कि टेलीविजन पर अभिनय करते दिखने वाले कलाकार टीवी सेट के ठीक पीछे बैठे होते हैं। उल्लेखनीय है कि धारावाहिक दिल की बेवफाइयाँ का प्रसारण 24 नवंबर से रात नौ बजे स्टार प्लस पर होगा। इसे जियोहॉटस्टार पर भी देखा जा सकेगा।



रवि किशन की नई फिल्म में दिखेगा भारतीय समाज पर कोरियाई संस्कृति का प्रभाव, नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी करेंगे निर्देशन

बॉलीवुड अभिनेता रवि किशन जल्द ही विंडोज प्रोडक्शन और निर्माता रघुवेंद्र सिंह की आगामी अनटाइटल्ड भारत-कोरिया फीचर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बंगाली सिनेमा की चर्चित निर्देशक जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी करेगी। ज़िनिया सेन द्वारा लिखित इस फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की कहानी भारतीय समाज पर कोरियाई संस्कृति के बढ़ते प्रभाव और उससे उत्पन्न सांस्कृतिक आदान-प्रदान के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इसमें हास्य, भावनाओं और मानवीय रिश्तों के माध्यम से बदलते सामाजिक परिवेश को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। सामाजिक सरोकारों को मनोरंजक कहानियों में पिरोने के लिए मशहूर नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने बेलाशेषे, प्राक्तन, पोस्टो, बेलाशुरु, रक्तबीज और बहुरूपी जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उनकी हिंदी फिल्म शास्त्री विरुद्ध शास्त्री को भी दर्शकों ने सराहा था। वहीं, रवि किशन को फिल्म लापता लेडीज और वेब सीरीज मामला लीगल है में उनके अभिनय के लिए विशेष प्रशंसा मिली है। कॉमेडी और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग पहचान रखने वाले रवि किशन इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आएंगे।

पागलपंती के सात साल पूरे, पुलकित सम्राट की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की चर्चा

बॉलीवुड फिल्म पागलपंती के प्रदर्शन के सात साल पूरे हो गए हैं। अनीस बमी के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में पुलकित सम्राट ने अपनी सहज कॉमिक टाइमिंग, शानदार एक्सप्रेशंस और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों का मनोरंजन किया था। फिल्म में अनिल कपूर, जॉन अब्राहम, अरशद वारसी, पुलकित सम्राट, कृति खरबंदा, इलियाना डिक्रूज और सौरभ शुक्ला ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। हास्य, अफरा-तफरी और मजेदार परिस्थितियों से भरपूर इस फिल्म में पुलकित ने अपनी अलग पहचान बनाई थी। पुलकित की खासियत उनकी स्वाभाविक कॉमेडी है। वह केवल संवादों के जरिए ही नहीं, बल्कि अपने हाव-भाव और प्रतिक्रियाओं से भी दर्शकों को हंसाने में सफल रहते हैं। पागलपंती में उनकी युवा ऊर्जा और सहज अभिनय ने फिल्म के मनोरंजक अंदाज को और प्रभावशाली बनाया। अनिल कपूर और अरशद वारसी जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए पुलकित ने अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। सह-कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री ने भी फिल्म के हास्य पक्ष को मजबूती दी। पागलपंती पुलकित की निजी जिंदगी के लिहाज से भी खास रही है। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात अभिनेत्री कृति खरबंदा से हुई थी। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और उन्होंने मार्च 2024 में शादी कर ली। पुलकित सम्राट ने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन कॉमेडी में उनकी सहजता और ऊर्जा उन्हें खास पहचान दिलाती है।



काठी में जनविश्वास शिविर : योजनाओं की जानकारी के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

सिवनी। स्वतंत्र मत। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत बरघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत काठी में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला। विधायक बरघाट श्री कमल मर्सकोले, कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार,भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, जनपद अध्यक्ष श्रीमती आभा राहंगडाले, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुआ। इसके बाद कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं



की जानकारी सरलता से उपलब्ध कराई जाए तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नशे से दूर रहने और बाल विवाह रोकने का लिया संकल्प

शिविर में कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशा न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि ऐसे मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भी ग्रामीणों को बाल विवाह न करने और न होने देने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि कम उम्र में विवाह से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य प्रभावित होता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा सही उम्र में विवाह करने की अपील की।

जनविश्वास से मजबूत हो रहा जनता और सरकार का रिश्ता- विधायक मर्सकोले

विधायक श्री कमल मर्सकोले ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत लगाए जा रहे शिविर जनता और सरकार के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम हैं। उन्होंने अभियान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हो रहा है और पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक रूप से आगे बढ़ने तथा कृषि के साथ स्वरोजगार और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार और विधायक श्री कमल मर्सकोले ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन एवं समस्याएं प्रस्तुत कीं।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई एवं निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी दी गई।

उद्यम संवाद में सामने आईं स्वरोजगार की सफल कहानियां

शिविर का प्रमुख आकर्षण उद्यम संवाद रहा। इसमें शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय एवं स्वरोजगार को आगे बढ़ा रहे हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से लाइट ईवेंट व्यवसाय संचालित कर रहे ग्राम गोकलपुर के श्री देवांश जामरे, आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना से दुग्ध डेयरी संचालित कर रहे ग्राम साल्हे के नर्मदा प्रसाद चौधरी, आजीविका मिशन से जुड़कर खिलौना व्यवसाय कर रहीं ग्राम अरी की श्रीमती हेमलता तथा ग्राम साल्हेकला की श्रीमती राखी मर्सकोले ने उचित मूल्य दुकान संचालन के अनुभव साझा किए। हितग्राहियों की सफलता की कहानियों ने ग्रामीणों एवं युवाओं को स्थानीय संसाधनों, रुचि और कौशल के आधार पर स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत नपा अध्यक्ष ने शहीद वार्ड में भ्रमण कर सुनी जनता की समस्याऐं

नशामुक्ति अभियान के तहत नागरिको को नशा न करने की शपथ दिलवाई गई

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी नगरीय क्षेत्र के शहीद वार्ड क्रमांक 13 में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा वार्ड पार्षद जोऐब जकी अनवर, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री दिशा डेहरिया एवं निकाय के अधिकारियों के साथ वार्ड में भ्रमण कर वार्ड के नागरिको की समस्याओं को सुना एवं उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गये। विदित होवे कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मान. डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशन में समूचे मध्यप्रदेश में यह अभियान संचालित है शासन आदेश के परिपालन में प्रत्येक शुक्रवार को अलग-अलग वार्डों में नगरपालिका सिवनी द्वारा इस अभियान को चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की



शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना है। सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई जन आवेदन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है। भ्रमण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा वार्ड में स्वच्छता के लिये जनजागरूकता अभियान चलाया गया एवं वार्ड के नागरिको को खुले स्थानों, खाली प्लाटों एवं नालियो में कचरा न फेकने, गंदगी न करने की समझाईश दी गई तथा स्वच्छता संबंधी पाम्पलेट वितरित किये गये तथा स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई गई।

वहीं देवउठनी ग्यारस के उपलब्ध में नगर पालिका प्रशासन सिवनी द्वारा बाल-विवाह रोकने एवं बाल-विवाह न करवाने हेतु नागरिको को समझाईश दी गई। तथा नशामुक्ति अभियान के तहत नशा न करने की शपथ दिलवाई गई।

इस अवसर पर नगर पालिका सहायक यंत्री श्रीमति देवेश्वरी धुर्वे, राजस्व निरीक्षक गजेन्द्र पाण्डे, उपयंत्री श्रीमति रोजिया डोंगरे, उपयंत्री जोतेश मंडाले, स्वच्छता निरीक्षक श्री तुलसी करोसिया एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक सहित निकाय के अन्य

8 शासकीय विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर एवं शौचालय निर्माण कार्यों को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री के प्रति जताया आभार

सिवनी। स्वतंत्र मत।सिवनी। आज सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने विधानसभा क्षेत्र के 8 शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर एवं शौचालय निर्माण कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विभागीय मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

गत दिनों आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित स्थायी वित्तीय समिति की बैठक के कार्यवाही विवरण के परिपालन में प्रदेश के शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर एवं शौचालय निर्माण कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी क्रम में सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों को भी इन महत्वपूर्ण निर्माण एवं सुविधा विस्तार कार्यों की सौगात मिली है। स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पीपरडाही में 147.28 लाख रुपये, गोपालगंज में 197.95 लाख रुपये तथा बंडोल में 63.54 लाख रुपये की राशि से अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर एवं शौचालय निर्माण कार्य किये जाएंगे। वहीं शासकीय हाई स्कूल कलारबांकी में 62.81 लाख रुपये, करकोटी में 68.26 लाख रुपये, बोरदई में 79.10 लाख रुपये, खैरी में 76.58 लाख रुपये तथा मारबोडी में 60.35 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर एवं शौचालय निर्माण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों में आवश्यक संसाधनों एवं सुविधाओं का विस्तार होने से विद्यार्थियों और शिक्षकों को लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए विधायक दिनेश राय मुनमुन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विभागीय मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं को लेकर किए जा रहे प्रयासों से शासकीय विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का विकास हो रहा है। आपने आशा व्यक्त किया कि स्वीकृत निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण होकर

तीन माह बाद भी शासकीय भूमि से नहीं हटा अतिक्रमण भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा का, जनसुनवाई में शिकायत के बावजूद कार्रवाई का इंतजार



पवन कुमार अहिरवार

भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा पर शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप, कलेक्टर और तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

धनोरा स्वतंत्रमत - सिवनी जिले की धनोरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत आमानाला के ग्राम तिघरा में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शिकायतकर्ता पवन कुमार अहिरवार के अनुसार, ग्राम तिघरा में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 81/1, रकबा 1.38 हेक्टेयर, जो शासकीय निर्माण हेतु सुरक्षित है तथा खसरा नंबर 81/2, रकबा 1.60 हेक्टेयर, जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए सुरक्षित है, पर धनोरा भाजपा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा द्वारा कथित रूप से कब्जा किया गया है। शिकायतकर्ता पवन कुमार अहिरवार ने बताया कि उक्त शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए उनके द्वारा 7 अगस्त 2026 को तहसील कार्यालय धनोरा में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया था। लेकिन लगभग दो माह तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के बाद 6 अक्टूबर 2026 को पुन: जिला स्तरीय जनसुनवाई में आवेदन देकर शिकायत की गई। इसके बावजूद तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कथित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो पाई है।

गरीबों पर तत्काल कार्रवाई, रसूखदारों के मामले में प्रशासन मौन क्यों ?

शिकायतकर्ता का कहना है कि जब आम गरीब व्यक्ति द्वारा किसी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जाता है तो राजस्व विभाग का अमला तत्काल कार्रवाई करने पहुंच जाता है, लेकिन जब मामला सत्ता पक्ष से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारी का हो तो प्रशासन कार्रवाई करने में इतनी देरी क्यों कर रहा है? क्या राजनीतिक रसूख के चलते कार्रवाई प्रभावित हो रही है या फिर प्रशासन के पास कोई अन्य कारण है?

इस मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि आखिरकार सिवनी कलेक्टर और धनोरा तहसीलदार द्वारा शिकायत पर अब तक बेदखली की कार्रवाई क्यों नहीं की गई। क्या जनसुनवाई में दिए गए आवेदनों का उद्देश्य केवल कागजी प्रक्रिया पूरी करना रह गया है?

अब कलेक्टर से कार्रवाई की उम्मीद

शिकायतकर्ता पवन कुमार अहिरवार ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जब निष्पक्ष जांच हो चुकी है तो खसरा नंबर 81/1 एवं 81/2 की वास्तविक स्थिति से भी प्रशासन अवगत है शासकीय भूमि पर अतिक्रमण प्रमाणित हो गया है तो फिर नियमानुसार तत्काल बेदखली की कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

फिलहाल बड़ा सवाल यही है कि तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी शिकायत पर कार्रवाई क्यों लंबित है? अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कब तक शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराता है।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार की दर्दनाक मौत

सिवनी। स्वतंत्र मत। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-44 पर जोड़ा पुल के पास तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा बुधवार को उस समय हुआ, जब मनोज भलावी (33), पिता पंचमलाल भलावी, निवासी सुकतरा थाना कुरई, सामान लेने के लिए बाइक से सिवनी आ रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोड़ा पुल के समीप मुरम डालने का कार्य चल रहा था। इसी दौरान मुरम डालकर वापस लौट रहा डंपर क्रमांक एमपी 22 जेड डी 6430 कथित तौर पर रांग साइड से तेज रफ्तार में अचानक हाईवे पर आ गया। इसी दौरान सुकतरा



से सिवनी की ओर आ रहे मनोज भलावी डंपर की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। परिजनों एवं क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की है। जोड़ा पुल के पास मुरम डंपिंग से बढ़ा हादसों का खतरा

जानकारी के मुताबिक, जोड़ा पुल के बाजू में बड़ी मात्रा में मुरम का ढेर लगाया जा रहा है। यहां लगातार डंपरों से मुरम खाली की जा रही है। आरोप है कि इस दौरान भारी वाहन रांग साइड से आवाजाही कर रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि मुरम डंपिंग स्थल और डंपरों की आवाजाही की व्यवस्था की जांच कराई जाए। साथ ही तेज रफ्तार एवं यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी अन्य राहगीर को अपनी जान न गंवानी पड़े।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल मोबाइल वैन रवाना

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले में वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल मोबाइल वैन को आज रवाना किया गया। मोबाइल वैन के माध्यम से जिले के आमजन को बैंकिंग एवं विभिन्न वित्तीय योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

डिजिटल मोबाइल वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाएवं अटल पेंशन योजना में नामांकन के साथ-साथ निष्क्रिय बैंक खातों, नामांकन एवं निपटान



प्रक्रिया तथा दावा रहित जमा राशि के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त री-केवाईसी एवं सीकेवाईसीआर, सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के उपाय तथा विभिन्न वित्तीय उत्पादों एवं योजनाओं के संबंध में भी आमजन को जागरूक किया जाएगा। मोबाइल वैन के फ्लैग-ऑफ अवसर पर एलडीएम सिवनी प्रवीण कुमार दिसोरिया, मुख्य प्रबंधक एसबीआई मुख्य शाखा सिवनी शशिकांत कलसुले सहित बैंक स्टाफ एवं टीम सीएफएल के सदस्य उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य जिले के नागरिकों को वित्तीय सेवाओं एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूक करना, पात्र हितग्राहियों का योजनाओं में नामांकन बढ़ाना तथा वित्तीय समावेशन को और अधिक सुदृढ़ करना है।

धान खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा 25 नवंबर तक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश

अन्य राज्यों और जिलों की धान की खरीदी पर रहेगी सख्त रोक, लापरवाही पर संबंधित एसडीएम होंगे जिम्मेदार

बालाघाट

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने 21 नवंबर को जिला पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में 1 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 25 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाएं। साथ ही स्पष्ट किया कि अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाली धान की खरीदी किसी भी केंद्र पर नहीं होनी चाहिए। इस मामले में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एसडीएम की जिम्मेदारी तय की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ एवं उपार्जन कार्य से जुड़े विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आगामी दो दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्र के सभी धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करें और वहां आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए छाया, पेयजल, अलाव तथा बारिश की स्थिति में धान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सभी खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त बारदाने, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, धान की गुणवत्ता एवं एफएक्यू मापदंडों की जांच के लिए नमी मापक यंत्र, छन्ना सहित अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को धान विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया एवं उसके माध्यमों की जानकारी व्यापक स्तर पर प्रचारित करने को कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों पर धान की तौल होने के बाद किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही खरीदी केंद्रों से धान का समय पर उठाव और गोदामों तक परिवहन के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने बताया कि जिन राइस मिलर्स द्वारा पुराने धान की मिलिंग पूरी कर ली गई है, उन्हें नए धान की मिलिंग के लिए खरीदी केंद्रों से धान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राइस मिलों एवं खरीदी केंद्रों की मैपिंग करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि अन्य राज्यों एवं जिलों से आने वाली धान को जिले में प्रवेश कर खरीदी केंद्रों तक पहुंचने से रोका जाए। किसी भी व्यापारी अथवा बाहरी व्यक्ति की धान जिले के खरीदी केंद्रों पर नहीं बिकनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी केंद्र पर बाहरी धान की खरीदी होना पाया जाता है तो संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ को अपने क्षेत्र में धान के रकबे और संभावित उत्पादन की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि उनके क्षेत्र में कितने हेक्टेयर में धान की फसल लगाई गई है और उससे कितना उत्पादन होने की संभावना है। इसी के आधार पर खरीदी केंद्रों में आने वाली धान की मात्रा पर सतत निगरानी रखी जाए, ताकि बाहरी धान की अवैध बिक्री को रोका जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए कुल 185 खरीदी केंद्र बनाए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, शिक्षा एवं ग्रामीण विकास विभाग की संयुक्त बैठक लेकर योजनाओं की समीक्षा की

बालाघाट,। जिले में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने 21 नवंबर को संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और गर्भवती माताओं की देखभाल से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक शालाओं एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए सांझा चूल्हा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी केंद्र एक ही परिसर में संचालित हैं, वहां दोनों स्थानों के बच्चों के लिए भोजन एक ही व्यवस्था के अंतर्गत तैयार किया जाना चाहिए। इस व्यवस्था का पालन नहीं करने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि 20 नवंबर को परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम लोहारीटोला-भीकेवाड़ा के आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण में सांझा चूल्हा योजना का क्रियान्वयन नहीं पाया गया। वहां आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए सहायिका अलग से भोजन तैयार कर रही थी, जबकि प्राथमिक शाला के बच्चों का भोजन अन्य समूह द्वारा बनाया जा रहा था।





रिमझिम फुहारों के बीच निकली गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व की भव्य शोभायात्रा

पंच प्यारों की अगुवाई और श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सरपरस्ती में निकली पालकी साहिब की सवारी जगह-जगह पुष्पवर्षा कर हुआ भव्य स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर शनिवार को कटनी में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गुरु महाराज के जयकारों और गुरुवाणी के मधुर कीर्तन से पूरा शहर भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला-पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। जगह-जगह विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का





आत्मीय स्वागत किया और संगत को प्रसाद वितरित किया।

शोभायात्रा का शुभारंभ बरही रोड स्थित गुरुद्वारा साहिब से हुआ। श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सरपरस्ती में तथा पंच प्यारों की अगुवाई में निकली शोभायात्रा में आकर्षक ढंग से सुसज्जित पालकी साहिब विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पालकी साहिब को रंग-बिरंगे फूलों और विद्युत झालरों से भव्य रूप से सजाया गया था। पालकी साहिब में विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालु रास्ते भर आतुर नजर आए। रागी जसवंत सिंह एवं उनके साथी मधुर गुरुवाणी और कीर्तन प्रस्तुत करते हुए चल रहे थे। कीर्तन की स्वर लहरियों और वाहेगुरु के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया। गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ हुई शोभायात्रा ओवरब्रिज के नीचे से होते हुए हीरागंज, गर्ग चौराहा, घंटाघर, झंडा बाजार, शेर चौक, आजाद चौक, मिशन चौक और सुभाष चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से निकली। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह आकर्षक सजावट और विद्युत रोशनी की व्यवस्था की गई थी। विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर पालकी साहिब का स्वागत किया। कई स्थानों पर संगत के लिए प्रसाद एवं जलपान की व्यवस्था भी की गई। शोभायात्रा के दौरान युवाओं ने पारंपरिक करतब और हैरतअंगेज प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया। मार्ग में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने गुरु महाराज के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। बारिश की हल्की फुहारें भी श्रद्धालुओं के उत्साह और उमंग को कम नहीं कर सकीं। पूरे मार्ग में श्रद्धा और सेवा का भाव दिखाई दिया। शोभायात्रा वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुई। यहां आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। प्रकाश पर्व को लेकर पूरे सिख समाज में विशेष उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

इनकी रही सहभागिता

शोभायात्रा में गुरचरण सिंह खुराना, तेजपाल सिंह भाटिया, अवतार सिंह टुटेजा, सोनू खुराना, सतवीर सिंह भाटिया, जसप्रीत सिंह लांबा, रंजन बाबू ग्रोवर, पार्षद मौसूफ अहमद बिट्टू ,इकबाल सलूजा, अमनदीप सिंह भाटिया, रिंकी खालसा ,लकी खालसा, संतोख सिंह भट्टी, नीटू नारंग, हरप्रीत सिंह ग्रोवर, जसपाल सिंह मठारू, हरभजन सिंह खालसा, अनुज आनंद, अरुण चक्रवर्ती ,रवि गंगवानी, भीषम चेलानी, आकाश लालवानी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक महिलाएं एवं युवा शामिल रहे।

कब उजागर होगा अंशुल की मौत का सच

गुरूकृपा हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान ली थी अंतिम सांस, परिजनों में आक्रोश

कटनी (स्वतंत्रमत)।



एक महीने पूर्व 13 अक्टूबर को सिविल लाइन स्थित गुरू कृपा हॉस्पिटल कटनी में डॉ. पी.ए.के. सहाय द्वारा ऑपरेशन करते समय अंशुल मिश्रा पुत्र ब्रजनाथ मिश्रा उम्र 36 वर्ष की मृत्यु हो गयी थी। जबकि उन्हीं के हॉस्पिटल में ऑपरेशन पूर्व की गयी समस्त जांचें सामान्य थी। फिर भी ऑपरेशन के समय मृत्यू होना हॉस्पिटल की घोर लापरवाही दर्शाता हैं। डॉ. सहाय नें मृत्यु का कारण हृदय की धड़कन का रुकना (कार्डियक अरेस्ट) बताया है। जब सभी जांचें समान्य थी तो कार्डियक अरेस्ट की स्थिति एनेस्थीसिया के ओवर डोज के कारण तो नहीं हुई? एनेस्थीसिया के डोज का सही पता बिसरा रिपोर्ट से ही संभव हो सकता हैं जो अभी तक अप्राप्त हैं प्रशासन द्वारा कौन-कौन से अंग जांच के लिये भेजे गयें और किन किन परीक्षणों की रिपोर्ट प्राप्त हुई यह रहस्य बनी हुई हैं। परिजनो के पूछने पर प्रशासन द्वारा यही कहा जाता हैं कि अभी जांच रिपोर्ट अप्राप्त हैं। जांच में देरी से परिजन दु:खी एवं आशंकित हैं।

अंशुल मिश्रा की मृत्यु होने पर परिजनों को सूचना दिये बिना डॉ. सहाय ने थाना कोतवाली में सूचना देकर एंबुलेस द्वारा मृत शरीर को शासकीय जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिये भिजवा दिया था। यह शंकास्पद स्थिति दर्शाता हैं। एनेस्थीसिया का डोज या किसी नौसिखिए डॉक्टर ने दिया? जिसके कारण मृत्यु हुई। यह बात भी प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। एनेस्थीसिया डोज देने वाले डॉक्टर, हॉस्पिटल स्टॉफ की लापरवाही और मृत्यु के पश्चात परिजनों को बलपूर्वक ऑपरेशन थिएटर तक न जाने देना आदि तथ्यों की जांच की पुष्टि वहां लगे कैमरो के द्वारा आसानी से की जा सकती है।

प्रशासन को ध्यान देना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि मृतक के परिवार में उसकी पत्नी क्रमश: 11 वर्ष एवं 7 वर्ष के दो छोटे बच्चें हैं। मृतक ही परिवार में कमाने वाले इकलौते सदस्य थे। मृतक की अनुपस्थिति में बेसहारा परिवार का बुरा हाल है। डॉ. सहाय की लापरवाही नें एक पत्नी से उसका सुहाग, छोटे बच्चों से उसका पिता और वृद्ध पिता से उसका बेटा छीन लिया। मृतक के पिता सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटनी से सेवानिवृत्त शिक्षक हैं जो अपने छोटे बेटे के साथ रहते हैं।

एनसीसी के 539 कैडेट्स ले रहे सैन्य प्रशिक्षण



कटनी (स्वतंत्रमत)। 32 एमपी बटालियन एनसीसी का दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सिलिकोबाइट डिग्री कॉलेज के रेडफोर्ट परिसर में संचालित हो रहा है। शिविर में चार जिलों के 14 संस्थानों और तीन महाविद्यालयों के कुल 539 छात्र-छात्राएं सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना है। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजवेलु के नेतृत्व में पीआई स्टाफ और प्रशिक्षण दल द्वारा कैडेट्स को ड्रिल, मार्च पास्ट, फायरिंग, पीटी, वेपन ट्रेनिंग और आपदा प्रबंधन का अभ्यास कराया जा रहा है। शिविर में फायरिंग का विशेष प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें कैडेट्स को सैन्य गतिविधियों की व्यावहारिक जानकारी दी गई।शिविर में पहुंचे कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा का कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजवेलु, कर्नल विनोद सिंह एवं शिक्षारत्न डॉ. पारस जैन ने स्वागत किया।

अधिकारियों ने कैडेट्स से संवाद कर उन्हें अनुशासन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में कर्नल राजवेलु ने अतिथियों के प्रति आभार व्यतकिया। इस दौरान पीआई इंस्ट्रटर, शिक्षक, स्टाफ और प्रशिक्षण दल के सदस्य उपस्थित रहे।

कटनी से 4.65 करोड़ का चावल गायब

संभाग बेखबर, कटनी से रवाना 32 ट्रकों का एक साल बाद भी पता नहीं

कटनी (स्वतंत्रमत)।





कटनी जिले में फोर्टिफाइड चावल को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। घोटाले में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन अधिकारियों और ट्रासंपोर्टस की मिलीभगत सामने आई है। चार करोड़ रूपए का चावल गायब होने के बाद भी पूरा मामला ठंडे बस्ते में हैं। एक साल पुराने इस मामले में अब तक न तो जांच पूरी हो पाई है और न ही जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की गई है। जांच के नाम पर केवल औपचारिकता का निर्वहन किया जा रहा है। संबंधित विभाग के अधिकारी भी कुछ कहने से बच रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (नान) से चावल परिवहन के नाम पर करीब चार करोड़ रुपये के कथित गबन का मामला सामने आया है।

वर्ष 2025 में कटनी जिले से हरदा, इंदौर और नीमच जिलों के लिए भेजे गए चावल की 32 गाड़ियां संबंधित जिलों में पहुंचने का रिकॉर्ड नहीं होने की जानकारी सामने आई है। इनमें इंदौर में 8 गाड़ियों में 2641 क्विंटल, हरदा में 14 ट्रक में 4763 क्विंटल और नीमच में 10 ट्रकों में 3569 क्विंटल चावल था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (नान) चावल परिवहन की जिम्मेदारी भाग्य लक्ष्मी रोड लाइंस को दी गई थी। तत्कालीन जिला प्रबंधक देवेन्द्र तिवारी की निगरानी में चावल से लदी गाड़ियों को रवाना किया गया था, लेकिन सवाल यह है कि परिवहन के लिए निकली गाड़ियां आखिर संबंधित जिलों तक यों नहीं पहुंचीं। चावल की गाड़ियां संबंधित जिलों में नहीं पहुंचने के बाद भी आज तक न तो मामले की जांच की गई और न ही ट्रांसपोर्टस पर कार्रवाई की गई। सवाल यही है कि आखिर घोटाला करने के पीछे कौन है और इन्हें कौन संरक्षण दे रहा है। कटनी से भेजा गया चावल यदि गंतव्य तक नहीं पहुंचा तो उसकी जवाबदेही किसकी है और परिवहन के दस्तावेजों में उसे किस आधार पर रवाना दर्शाया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रत्येक गाड़ी में 30 से 35 टन चावल लोड किया गया था। चावल की कीमत करीब 4 हजार रुपये प्रति क्विंटल बताई जा रही है। इस हिसाब से गायब बताए जा रहे चावल की कीमत करीब 4 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। मामला इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह सार्वजनिक वितरण व्यवस्था से जुड़ा सरकारी खाद्यान्न है। जो कि आगामी समय में पात्र हितग्राहियों को वितरित किया जाना था। चावल गायब होने के बाद अब संबंधित जिलों में चावल वितरण में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कलेक्टर ने बेलर मशीन से पराली प्रबंधन का लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी मंगलवार को ऊबड़-खाबड़ रास्तों से पैदल चलकर ग्राम भरौली और इमलिया के खेतों में पहुँचे और आधुनिक कृषि मशीनों के माध्यम से किए जा रहे पराली प्रबंधन का निरीक्षण किया। उन्होंने खेतों में हार्वेस्टर के स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम तथा बेलर मशीन के उपयोग से कृषि अवशेषों को एकत्रित करने की प्रक्रिया देखी। साथ ही ग्राम भरौली के किसान दूधिया प्रसाद और ग्राम इमलिया के वीरेंद्र सिंह के खेत में ही खड़े-खड़े चर्चा कर मशीनों के उपयोग, उनकी उपयोगिता और नरवाई प्रबंधन को लेकर उनके अनुभव भी जाने। बेलर मशीन के माध्यम से धान की पराली सहित अन्य कृषि अवशेषों को एकत्रित कर बेल तैयार की जाती है। इन बेलों की बायोमास पेलेट प्लांट में 2500 से 3000 रुपये प्रति टन तक बिक्री होती है। कृषि यांत्रिकी विभाग कटनी से प्राप्त इस मशीन की कीमत लगभग 4 लाख रुपये है।

पेयजल परियोजना से स्कूलों तक पहुंचे कलेक्टर

रीठी में 87 ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, देवगांव में 270 करोड़ की पवई-2 परियोजना का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले के अलग- अलग क्षेत्रों का दौरा कर निर्माण कार्यों, शैक्षणिक व्यवस्थाओं और ग्रामीणों की समस्याओं का जायजा लिया।

देवगांव में निर्माणाधीन वॉटर स्टोरेज टैंक का निरीक्षण किया, वहीं पटोहा और रीठी के स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया। रीठी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 87 ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

देवगांव में मध्यप्रदेश जल



निगम द्वारा 1170 किलोलीटर क्षमता का वॉटर स्टोरेज टैंक बनाया जा रहा है।

पवई-2 परियोजना की कुल लागत 270 करोड़ रुपये बताई गई है। जल निगम के अधिकारियों के अनुसार परियोजना पूरी होने पर 159 गांवों को पेयजल सुविधा का लाभ मिलेगा। कलेक्टर ने निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की जानकारी लेकर काम निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अब इस परियोजना से ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध होने का इंतजार है।

सातवीं के छात्र के जवाब से प्रभावित हुए कलेक्टर-ग्राम पटोहा के शासकीय हाईस्कूल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सातवीं कक्षा में पहुंचे और विद्यार्थियों से पढ़ाई को लेकर बातचीत की। उन्होंने छात्र अनुज पटेल से पूछा कि पिछले एक साल में उसने या सीखा है।

आधुनिक दुकानों से सुसज्जित होगा झिंझरी बस स्टैंड

झिंझरी बस स्टैंड में 1.15 करोड़ की लागत से बनेंगी 24 आधुनिक दुकानें, महापौर प्रीति सूरी ने किया भूमिपूजन, व्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर की व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और शहर को संवारने के संकल्प के साथ महापौर प्रीति संजीव सूरी निरंतर आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में महाराणा प्रताप वार्ड स्थित झिंझरी बस स्टैंड परिसर में लगभग 1 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 24 नवीन व्यावसायिक दुकानों का विधिवत भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। महापौर श्रीमती सूरी ने जनप्रतिनिधियों के साथ पूजा.अर्चना कर इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की नींव रखी। यह कदम न केवल बस स्टैंड क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के नए अवसर भी सृजित करेगा। प्रस्तावित निर्माण कार्य पूर्ण होने से झिंझरी बस स्टैंड परिसर में व्यापारिक गतिविधियों को व्यवस्थित स्वरूप मिलेगा। 24 नवीन दुकानों के निर्माण से स्थानीय व्यापारियों एवं युवाओं को व्यवसाय स्थापित करने के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध होगा। वहींए



बस स्टैंड आने-जाने वाले यात्रियों को खान-पान, जलपान एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। दुकानों के व्यवस्थित निर्माण से बस स्टैंड परिसर का सौंदर्यीकरण भी होगा तथा आसपास की व्यावसायिक गतिविधियों को बेहतर स्वरूप मिल सकेगा।

व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के साथ सुविधाओं का होगा विस्तार-भूमिपूजन के पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के सभी क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। झिंझरी बस स्टैंड में 24 नवीन दुकानों का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ बस स्टैंड परिसर भी अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनेगा। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में प्रत्येक वार्ड की सहभागिता महत्वपूर्ण है और नगर निगम द्वारा जनहित एवं क्षेत्रीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। कार्य के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों एवं व्यापारियों को इसका बेहतर लाभ मिल सके। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद ने झिंझरी बस स्टैंड परिसर में 24 नवीन दुकानों के निर्माण की स्वीकृति एवं भूमिपूजन के लिए महापौर श्रीमती सूरी तथा नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य से क्षेत्र के व्यापारियों को बेहतर व्यावसायिक अवसर मिलेंगे और बस स्टैंड परिसर को व्यवस्थित स्वरूप प्राप्त होगा। वार्ड के विकास एवं नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य को स्वीकृति प्रदान करने के लिए उन्होंने महापौर का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हितग्राहियों का जागरूकता शिविर

मण्डला। भारत सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजनांतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया।

तुम मेरे हो



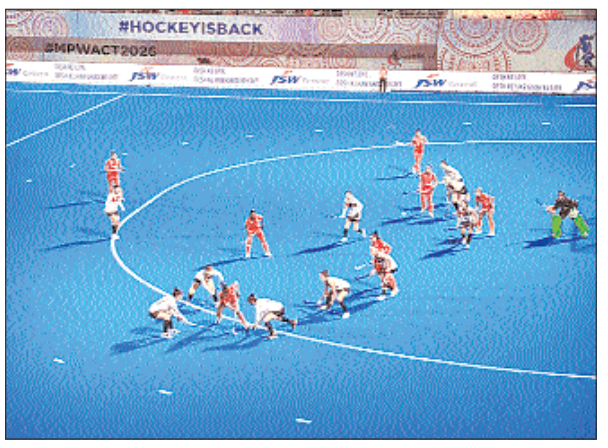
अपने लिए अच्छा करने का मन करे तो सो जाना,
कभी कुछ परेशानी में हल ना सूझे तो सो जाना ।
कभी दिल ना लगे किसी काम में तो सो जाना,
रास्ता ना दिखाई दे आगे बढ़ने का तो सो जाना।
कहना आसान है करना उससे भी ज़्यादा मुश्किल,
हर मुश्किल चीज़ें आसान बनाना हो तो सो जाना ।
अगर कोई बनता काम बिगड़ जाये तो सो जाना,
तुम रुक जाना ठहर जाना और आराम से सो जाना ।
सुकून जो नींद में है वो जागने में आता है क्या?
आखों में कोई अँधेरे का सपना सजाए तो सो जाना।
तुम उठना और देखना जागती आँखो से सपने !
खुले हाथों से समेट कर सारे वक्त को सो जाना ।
खोलना खिड़की जिससे आशा की किरण आए,
उसे गले लगा, कहना तुम मेरे हो, फिर सो जाना।
डॉ. प्रणाली श्रीवास्तव

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी चीन और मलेशिया मैच 2-2 से बराबर

जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराया

भोपाल

भोपाल के बरखेड़ा नाथू स्थित हॉकी स्टेडियम में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉपी में शनिवार को अहम मुकाबले खेले गए। चीन-मलेशिया मैच 2-2 से बराबर हो गया। वहीं जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराया। मैच के अंत तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रहीं। चीन की ओर से वेई किक्सियाओ ने 34वें मिनट और फेंग जियाक्सिन ने 40वें मिनट में गोल किया, जबकि मलेशिया के लिए मोहम्मद सिति ने 30वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक और जुल्किफ्ली नुरामिराह ने 44वें मिनट में गोल दागा। मुकाबले में दोनों टीमों को कई पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन निर्धारित समय के अंत तक स्कोर 2-2 रहा। दिन के दूसरे मैच में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हरा दिया। जापान की ओर से



सासाकी रिसा ने पहला गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में सासाकी ने दूसरा गोल दाग दिया।हाफ टाइम तक स्कोर यही रहा। हाफ टाइम के बाद जापान ने तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। जापान की ओर से तीसरा गोल यामामोतो रीना ने दागा। इसके बाद थाईलैंड के लिए वापसी करना पाना मुश्किल हो गया। दिन का आखिरी मुकाबला भारत और कोरिया के बीच शुरू हो गया है। पहले क्वार्टर में भारत को पांच पैनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत एक भी मौके को गोल में तब्दील नहीं कर सका है।

भारत के लिए कोरिया की चुनौती अहम

भारतीय टीम के लीग चरण में पांच मुकाबले निर्धारित हैं। मलेशिया के बाद कोरिया दूसरा प्रतिद्वंद्वी होगा। वर्ल्ड रैंकिंग में कोरिया 15वें स्थान पर है, जबकि भारत सातवें स्थान पर है। एशियाई रैंकिंग में भारत दूसरे और कोरिया चौथे स्थान पर है। ऐसे में रैंकिंग के लिहाज से भारतीय टीम मजबूत स्थिति में है, लेकिन मैदान पर कोरिया की चुनौती से पार पाना आसान नहीं होगा।

24 नवंबर को चीन से भिड़ेगा भारत

भारत को लीग चरण में 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से मुकाबला करना है। लीग चरण के सभी मुकाबले टीमों के लिए आगे की पोजिशन तय करने के लिहाज से अहम रहेंगे। तीनों मुकाबले भोपाल में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का लीग चरण 25 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद 27 नवंबर को पोजिशन के आधार पर मुकाबले होंगे और 28 नवंबर को ब्रॉन्ज तथा गोल्ड मेडल के लिए मैच खेले जाएंगे।

मैरीकॉम स्वर्ण मंदिर में नतमस्तक होने पहुंचीं

अमृतसर। विश्व प्रसिद्ध महिला मुक्केबाज और ओलंपिक पदक विजेता डॉ. एमसी मैरी कॉम आज सुबह तड़के करीब 4 बजे अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) में नतमस्तक होने पहुंचीं। गुरु घर में वाहेगुरु जी का आशीर्वाद लेने के बाद मैरी कॉम ने सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर अपनी तस्वीरें साझा करते हुए इस आध्यात्मिक यात्रा के अनुभव को बेहद खास बताया। सिर पर केसरी रंग का पटका बांधे और हाथ जोड़े सरोवर किनारे खड़ी मैरी कॉम पूरी तरह भक्ति भाव में लीन नजर आईं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि कुछ स्थान सीधे आपकी आत्मा को छू जाते हैं और स्वर्ण मंदिर उनमें से एक है। उन्होंने आगे कहा कि श्री हरमंदिर साहिब में शांति, शक्ति और सकारात्मकता की कामना करके वह खुद को धन्य महसूस कर रही हैं। यहाँ का दिव्य वातावरण, शांति और निस्वार्थ सेवा की भावना हमें याद दिलाती है कि सच्ची महानता विनम्रता, आस्था और मानवता में ही निहित है। अंत में उन्होंने वाहेगुरु जी मेहर करन लिखकर सबकी भलाई की अरदास की। सोशल मीडिया पर उनकी इस सादगी और श्रद्धा को प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है, और कुछ ही घंटों में उनकी इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं।

अदिति स्वामी और गणेश मणि रत्नम ने जीते रजत

भारत ने कुल 6 मेडल के साथ समापन किया



हांगझोऊ। शनिवार को चीन के हांगझोऊ में आर्चरी एशिया कप 2026 के तीसरे चरण का समापन हुआ, जिसमें भारत ने कुल 6 मेडल जीते। अदिति गोपीचंद स्वामी और गणेश मणि रत्नम ने व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में रजत पदक हासिल किए।

इस महाद्वीपीय आर्चरी प्रतियोगिता में भारत के कुल पदकों में 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। शुक्रवार को टीम इवेंट्स में मिले 2 ब्रॉन्ज मेडल के बाद, शनिवार को भारत ने 4 और मेडल अपने नाम किए। 2023 की विश्व चैंपियन अदिति स्वामी, जिन्होंने 689 अंकों के साथ 16वें स्थान पर क्वालीफाई किया था, महिला कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में चीन की हू जिंगवेन (तीसरी वरीयता प्राप्त) से 146-144 से हार गईं। पहले 2 राउंड (एंड) के बाद मुकाबला बराबरी पर था, जिसमें स्कोर क्रमश: 30-30 और 58-58 रहा। तीसरे राउंड के बाद अदिति ने 88-87 की मामूली बढ़त बना ली थी। हालांकि, चौथे राउंड में हू जिंगवेन ने लगातार 3 परफेक्ट 10 स्कोर किए, जबकि अदिति ने एक 10 और दो 9 स्कोर किए। इससे चीनी तीरंदाज 117-116 से आगे हो गईं। अदिति ने आखिरी राउंड की शुरुआत 2...10 के साथ की, जबकि हू जिंगवेन ने 9 से शुरुआत की, जिससे भारतीय खिलाड़ी मुकाबले में बनी रहीं। हालांकि, अपने आखिरी तीर पर 8 स्कोर करना अदिति के लिए भारी पड़ गया और हू जिंगवेन ने गोल्ड मेडल जीत लिया। अदिति के लिए यह पोडियम एक सुखद उपलब्धि रही। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में - जो इसी चीनी शहर में आयोजित हुए थे - व्यक्तिगत कांस्य और महिला टीम स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस साल की शुरुआत में जापान में हुए आइची-नागोया 2026 (एशियाई खेलों) के लिए वे भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाई थीं। टूर्नामेंट में इससे पहले, अदिति ने क्वार्टर फाइनल में चीन की तांग जिंग को 144-143 से हराया था, और फिर सेमीफाइनल में कोरिया गणराज्य की ओह यूह्युन को 143-142 से मात दी थी। पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड फाइनल में, गणेश मणि रत्नम को ऑस्ट्रेलिया के बेली वाइल्डमैन से 148-146 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दो राउंड (एंड) के बाद दोनों तीरंदाजों का स्कोर 59-59 से बराबर था, जिसके बाद तीसरे राउंड में बेली वाइल्डमैन ने 89-88 की बढ़त बना ली। चौथे राउंड के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अपनी बढ़त को 119-117 तक पहुंचा दिया और स्वर्ण पदक जीतने के लिए दो अंकों की इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा।

लक्ष्य सेन का लगातार 13 जीत का सिलसिला टूटा

सेमीफाइनल में भारत का सफर खत्म



हांगकांग। शनिवार को हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में, भारत के लक्ष्य सेन को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही लक्ष्य सेन की लगातार 13 जीत का सिलसिला भी थम गया। इस हार के अलावा, पुरुष युगल सेमीफाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की हार के साथ ही, बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त हो गया। बैडमिंटन रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन को हांगकांग, चीन के काई ताक एरिना में, दुनिया के नंबर 3 और तीसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एंटोनसन ने 42 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-13 से हराया। लक्ष्य ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और 7-6 की मामूली बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद एंटोनसेन ने अगले छह में से पांच अंक जीतकर मिड-गेम इंटरवल तक 11-8 की बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद भी डेनमार्क के इस खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाए रखा और पहला गेम 21-13 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम काफी हद तक एकतरफा रहा, जिसमें एंटोनसन ने तेजी से 8-3 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने वापसी की कोशिश करते हुए अंतर को 8-6 तक कम किया, लेकिन एंटोनसन ने खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और सीधे गेम में जीत हासिल कर ली। मैच के बाद लक्ष्य ने स्वीकार किया, आज उनके साथ गति (पेस) बनाए रखना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। 25 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने माना कि रैलियों के दौरान वह बेसब्र हो गए थे, और बताया कि थकान का उनके खेल पर असर पड़ा था। लक्ष्य ने कहा, पिछले दो हफ्तों से मेरे दोनों पैर काफी थक गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने कोच से कोर्ट पर बहुत ज़्यादा फिसलने से बचने के बारे में बात की थी, क्योंकि इससे चोट लगने का खतरा रहता है। इस नतीजे के साथ, एंटोनसन की लक्ष्य के खिलाफ हेड-टू-हेड बढ़त 6-3 हो गई है। लक्ष्य, जो बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताबों की हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रहे थे, शनिवार के सेमीफाइनल में लगातार 13 मैच जीतकर पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने इस महीने की शुरुआत में हिलो ओपन और कुमामोटो मास्टर्स जापान जीता था।

बांग्लादेश के बल्लेबाज हृदय पर लगा मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद हृदय को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। इसके चलते उन पर उनकी मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना बुधवार को जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान हुई। हृदय को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया। यह अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में दो डिमेरिट अंक जोड़े गए हैं। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना तब हुई जब खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया था और ऑन-फील्ड अंपायर अहसान रजा और एलेक्स व्हार्फ बांग्लादेश टीम के ड्रेसिंग रूम की बालकनी के पास से गुजर रहे थे। हृदय ने अंपायरों के फैसले की आलोचना की और कहा कि खेल को और पहले ही रोक दिया जाना चाहिए था।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहले टी 20 में तीन विकेट से हराया



मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी 20 में शनिवार को रोमांचक मुकाबले में अपना संयम बनाए रखा और एक गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत हासिल करते हुए सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के नौ विकेट पर 187 रन के स्कोर को 19.5 ओवर में सात विकेट पर 191 रन बनाकर रोमांचक जीत हासिल कर ली । निखिल चौधरी (66) और जैक एडवर्ड्स (नाबाद 25) के अहम योगदान की बदौलत, ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड को मात दी। जेक फ्रेजर-मैकगर्क के जल्दी आउट होने से ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटका लगा, लेकिन अपना पहला मैच खेल रहे सैम हार्पर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तेजी से 32 रन बनाकर मेजबान टीम को पावरप्ले में एक बेहतरीन शुरुआत दिलाई। उनके आउट होने के बाद, चौधरी ने कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाईं-पहले कप्तान मिशेल मार्श (37) के साथ और फिर टिम डेविड (20) के साथ।

ऑस्ट्रेलिया ने बीच के ओवरों में कुछ विकेट गंवा दिए, लेकिन दूसरे छोर पर निखिल चौधरी डटे रहे। वे लगातार बाउंड्री लगाते रहे और अपनी टीम को जीत की दौड़ में बनाए रखा। चौधरी के आउट होने के बाद, जैक एडवर्ड्स ने अहम पारी खेली और आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। इससे पहले गेंदबाजी में भी शानदार योगदान देने वाले निखिल चौधरी ने प्लेयर ऑफ द मैच बनकर अपने यादगार ऑलराउंड प्रदर्शन पर मुहर लगा दी।

केएल राहुल सुनील गावस्कर के सेना रिकॉर्ड के करीब पहुंचे



वेलिंगटन। केएल राहुल दिग्गज सुनील गावस्कर के एक बड़े रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए हैं। सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में एक ओपनर के तौर पर अपना सातवां टेस्ट शतक लगाने के बाद, वे पूर्व भारतीय कप्तान के रिकॉर्ड की बराबरी करने से अब बस एक शतक दूर हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि गावस्कर ने अपने करियर के दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं खेला था, क्योंकि उस समय दक्षिण अफ्रीका टेस्ट खेलने वाला देश नहीं था। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ राहुल की 136 रनों की पारी के साथ, सेना देशों में एक ओपनर के तौर पर उनकी कुल रन संख्या 1,940 हो गई है। उन्होंने 51 पारियों में 38.8 के औसत से ये रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। इन चार देशों में खेलने वाले एशियाई ओपनिंग बल्लेबाजों में, केवल गावस्कर का रिकॉर्ड ही राहुल से बेहतर है। पूर्व भारतीय ओपनर ने 2,464 रन बनाए थे और आठ शतक जड़े थे, जिसका मतलब है कि राहुल उनके रिकॉर्ड की बराबरी करने से अब सिर्फ एक शतक पीछे हैं।

निजी क्षेत्र की भागीदारी से मिलेगी भारत की आर्थिक संभावनाओं को नई उड़ान : अग्रवाल

नई दिल्ली

हाल ही में सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने फिक्की में उद्योग जगत को प्रधानमंत्री के संबोधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत की आर्थिक विकास दर को गति देने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विनिर्माण और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों में सरकारी कंपनियों के अधिक निजीकरण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि निजी क्षेत्र के प्रबंधन से उत्पादकता में सुधार, रोजगार सृजन और एमएसएमई क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिल सकता है। उनका सुझाव है कि निजीकरण के साथ दो शर्तें अनिवार्य होनी चाहिए - कर्मचारियों की छंटनी न हो और रोजगार के अवसरों में तीन गुना वृद्धि हो। उन्होंने कॉरपोरेट अधिग्रहण के विकल्प के रूप में आम जनता को शेयर आवंटित करने का भी सुझाव दिया। उनके अनुसार, निजीकरण से प्राप्त राशि का उपयोग सरकारी कर्ज कम करने और बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री के भरोसे पर आधारित व्यवस्था के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए अग्रवाल ने लंबी मंजूरी प्रक्रियाओं के स्थान



पर स्व-प्रमाणन और सरल नियमों को अपनाने की वकालत की। उनका मानना है कि सरकार को स्पष्ट नियम बनाने चाहिए और ऑडिट के माध्यम से अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि कारोबार और नए उद्योग तेजी से शुरू हो सकें और उनका विस्तार हो सके। अग्रवाल ने खनिज, धातु और हाइड्रोकार्बन क्षेत्रों में एक्सप्लोरेशन को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि एक्सप्लोरेशन स्टार्टअप्स को अपनी खोजों को ओएनजीसी और हिंदुस्तान जिंक जैसी स्थापित कंपनियों को बेचने की अनुमति दी जानी चाहिए, जिनके पास बड़े पैमाने पर खनन और प्रोसेसिंग में निवेश करने की क्षमता है। उनका मानना है कि इससे सैकड़ों स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा, उद्यमिता के नए अवसर पैदा होंगे और भारत का घरेलू संसाधन तंत्र मजबूत होगा। अपने पोस्ट के अंत में अग्रवाल ने उद्योग जगत, सरकार और नागरिकों से निजीकरण, स्व-प्रमाणन और एक्सप्लोरेशन को लेकर एक राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। खाद्य आत्मनिर्भरता हासिल करने में 'जय जवान, जय किसान' आंदोलन की सफलता का उदाहरण देते हुए उन्होंने रोजगार सृजन, आय में वृद्धि और भारतीय रुपये को मजबूत बनाने के लिए इसी तरह के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीतारमण ने बजट से पहले आवासन, श्रम क्षेत्र के हितधारकों के साथ की बैठक

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आवासन और श्रम क्षेत्र के हितधारकों के साथ परामर्श बैठक का आयोजन किया। बजट पूर्व आठवीं बैठक में रोजगार एवं श्रम क्षेत्र के हितधारकों के साथ परामर्श के दौरान वित्त मंत्री ने उनकी मांगों और सुझावों को सुना। नौवीं बैठक आवासन, शहरीकरण और संस्कृति क्षेत्र के विशेषज्ञ और हितधारक शामिल हुए। दोनों बैठकों में आर्थिक मामलों के विभाग और संबंधित विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। बजट हर साल 01 फरवरी को पेश किया जाता है। इससे पहले वित्त मंत्री सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों के हितधारकों से चर्चा कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझने का प्रयास करते हैं। वित्त वर्ष 2027-28 का बजट ऐसे समय में पेश किया जाना है जब पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में महंगाई बढ़ रही है। दूसरी तरफ, आपूर्ति को लेकर भी बाधाएं जारी हैं।

तेलंगाना में फ्रांस की एयरोस्पेस कंपनी कर सकती है 4,000 करोड़ रुपये का निवेश



हैदराबाद। फ्रांस की एयरोस्पेस क्षेत्र की कंपनी साफ्रां एयरक्राफ्ट इंजन्स तेलंगाना में 4,000 करोड़ रुपये के संभावित निवेश पर राज्य सरकार के साथ विचार कर रही है। तेलंगाना सरकार के फ्रांस में आयोजित निवेश रोडशो के हिस्से के रूप में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने पेरिस के पास स्थित साफ्रां एयरक्राफ्ट इंजन्स के एवरी-कॉर्बेइल संयंत्र का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। राज्य के आईटी एवं उद्योग विभाग ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह प्रस्तावित निवेश अभी शुरुआती चरण में है। उम्मीद है कि दिसंबर 2026 में होने वाले इन्वेस्ट तेलंगाना समिट में एक समझौता ज्ञापन के जरिए इसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। इस समिट में साफ्रां का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हो सकता है। तेलंगाना के उद्योग आयुक्त निखिल चक्रवर्ती के साथ उपमुख्यमंत्री ने कंपनी के संयंत्र में उत्पादन प्रक्रियाओं का जायजा लिया। इसमें विमान के इंजन के पुर्जों और हाई-प्रिसिजन गतिशील पुर्जों की मशीनिंग और असेंबली भी उन्होंने देखी। इस चर्चा में मुख्य रूप से हैदराबाद में साफ्रां के मौजूदा कामकाज को आधार बनाते हुए तेलंगाना में कंपनी की विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार पर फोकस था। कंपनी पहले से ही हैदराबाद में लीप इंजनों के पुर्जे बनाने का प्लांट, साफ्रां इलेक्ट्रिकल एंड पावर फैसिलिटी, और साफ्रां एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) संयंत्र का संचालन कर रही है। दौरे के बाद भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि हैदराबाद में साफ्रां की मौजूदगी यह दर्शाती है कि तेलंगाना वैश्विक एयरोस्पेस निर्माताओं के लिए एक बेहतरीन जगह है। यहां कुशल कार्यबल, मजबूत बुनियादी ढांचा और सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलता है।

सोने 4,355 रुपये फीका, चांदी भी 4.3 फीसदी फिसली

नयी दिल्ली, (वार्ता)

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों से शुक्रवार को सोने-चांदी में बड़ी गिरावट देखी गई।

मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंज में सोना खबर लिखे जाते समय 4,355 रुपये फिसलकर 1,23,097 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। यह पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 3.4 फीसदी की गिरावट है। चांदी पर भी आज दबाव रहा। यह



6,797 रुपये टूटकर 1,50,685 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई। पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले यह भी 4.3 प्रतिशत सस्ती हुई है।

विदेशों में भी सोने चांदी में गिरावट रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 3.1 प्रतिशत गिरकर 3,570 डॉलर प्रति औंस रह गया। चांदी पांच फीसदी लुढ़ककर 42.13 डॉलर प्रति औंस बोली गई। दोनों कीमती धातुओं में पिछले कुछ समय से गिरावट जारी है।

एनएसई बाजार पूंजीकरण के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच शेयर बाजारों में शामिल

मुंबई

बीएसई में हाल ही में सूचीबद्ध होने वाली कंपनी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) बाजार पूंजीकरण के मामले में देश की शीर्ष 10 कंपनियों और दुनिया के शीर्ष पांच शेयर बाजार में शामिल हो गई है।

एनएसई का शेयर शुक्रवार को 32 रुपये (1.46 प्रतिशत) बढ़कर 2,220.30 रुपये पर पहुंच गया। इसके साथ ही इसका बाजार पूंजीकरण बढ़कर 5,49,524 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस मामले में वह 10वें स्थान पर रही। एनएसई के बाद सूचीबद्ध होने वाली जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड 12,76,372 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर रही। पहले तीन स्थान पर क्रमश: रिलायंस



इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक हैं। जियो के बाद आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टूब्रो क्रमश: पांचवें से नौवें स्थान पर रहीं।

एनएसई ने बताया कि बाजार पूंजीकरण के मामले में वह आज दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। इस मामले में उसने नैस्डेक और हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज को भी पीछे छोड़ दिया है।

जनजातीय कला को वैश्विक पहचान और महिलाओं को आत्मनिर्भरता से जोड़ रही मध्यप्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

गोंड पेंटिंग को मिला जीआई टैग, सात अन्य जनजातीय उत्पादों को भी जीआई पहचान दिलाने की पहल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति, धार्मिक परम्पराएं, लोककलाएं और पारम्परिक व्यंजन प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत हैं। राज्य सरकार जनजातीय समाज की इस समृद्ध विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही उसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने तथा जनजातीय कलाकारों, शिल्पकारों और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय कला और इनके पारम्परिक हस्तनिर्मित उत्पादों को विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए उन्हें जिओग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग दिलाने की पहल की गई है। इस दिशा में



डिंडोरी जिले की प्रसिद्ध गोंड पेंटिंग को जीआई टैग मिल चुका है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस आदि कला को विशिष्ट पहचान दिलाने वाली जनजातीय कलाकार स्वर्गीय श्रीमती जोधइया बाई को केंद्र सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। यह गौंड चित्रकला और इसके चित्रकार दोनों का राष्ट्रीय सम्मान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सात अन्य जनजातीय उत्पादों को भी जीआई टैग दिलाने के लिए आवेदन किया गया है। इनमें भील जनजाति की गलशन माला, बोलनी, पिथौरा चित्रशैली, झाबुआ की आदिवासी गुड़िया तथा गोंड जनजाति के पारम्परिक वाद्ययंत्र बाना एवं चिकारा तथा मुखौटा काष्ठ शिल्प शामिल हैं। इन सभी जनजातीय कला उत्पादों को मार्च 2027 तक जीआई टैग मिल जाए, इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। इससे जनजातीय कलाकारों, काष्ठ कलाकारों और शिल्पकारों को उनके कला कौशल की विशिष्ट पहचान तो मिलेगी ही, साथ ही उन्हें अपने उत्पादों के विक्रय के लिए बेहतर अवसर और बेहतर बाजार मिलने से आर्थिक लाभ भी होगा।

ट्राईबल कैफेटेरिया विकसित करने की योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने जनजातीय महिलाओं की आजीविका को और भी मजबूत बनाने के लिए गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में संचालित जनजातीय महिला कैफेटेरिया की तर्ज पर मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों में ट्राईबल कैफेटेरिया विकसित करने की योजना बनाई है। प्रदेश के मांडू, कान्हा-किसली और पेंच में ट्राईबल कैफेटेरिया तैयार किए जा रहे हैं। यह कैफेटेरिया केवल जनजातीय महिलाओं द्वारा ही संचालित किए जायेंगे। इन कैफेटेरिया के जरिए पर्यटक जनजातीय समाज के पारम्परिक व्यंजनों और इनकी खान-पान संस्कृति से परिचित होंगे, वहीं महिलाओं को उनके गांव में ही रोजगार एवं स्व-रोजगार का स्थायी अवसर मिलेगा।

200 ट्राईबल हीलर्स किए जा चुके चिन्हित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनजातीय विरासत को संरक्षित कर उसे आजीविका, पर्यटन और आर्थिक समृद्धि का सशक्त माध्यम बनाना भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में जड़ी-बूटियों एवं अन्य वनौषधियों का परम्परागत ज्ञान एवं समझ और इनसे देशी तरीके से उपचार की विधा जानने वाले ट्राईबल हीलर्स चिन्हित किए जा रहे हैं। जनजातीय शोध एवं अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) द्वारा अबतक करीब 200 ट्राईबल हीलर्स चिन्हित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सभी ट्राईबल हीलर्स के परम्परागत ज्ञान को सरकार संरक्षित और संवर्धित करेगी, ताकि यह देशज ज्ञान हमारी भावी पीढ़ियों तक भी पहुंचे। इन प्रयासों से मध्यप्रदेश की जनजातीय पहचान को एक नई दिशा और नई प्रतिष्ठा मिलेगी और प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता देश-दुनिया तक भी पहुंचेगी।

पोर्टल पर ऑल ओके, जमीनी हकीकत भयावह, सरकार आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त : जीतू पटवारी

एक साल में एमपी में 40 प्रतिशत के पार पहुंचा बच्चों का ठिगनापन



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में मातृ स्वास्थ्य और बाल कुपोषण की लगातार बिगड़ती स्थिति को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और बच्चों में कुपोषण एक गंभीर संकट का रूप ले चुका है, लेकिन सरकार जमीनी सुधार करने के बजाय केवल पोर्टल की रेटिंग और कागजी दावों को चमकाने में जुटी हुई है। पटवारी ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश में कुपोषण कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में मध्यप्रदेश के 36.64 प्रतिशत बच्चे उम्र के अनुपात में कम लंबाई, 23.25 प्रतिशत बच्चे कम वजन और 8.45 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन के शिकार थे। महज एक साल के भीतर स्थिति और गंभीर हो गई है। अक्टूबर 2026 के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में ठिगनेपन की दर बढ़कर 40.72 प्रतिशत और कम वजन की दर 23.30 प्रतिशत तक पहुंच गई है (हालांकि दुबलेपन की दर 6.96 प्रतिशत दर्ज की गई है)। इससे पहले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5में भी 5 वर्ष से कम उम्र के 35.7 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन, 33 प्रतिशत कम वजन, 19 प्रतिशत दुबलेपन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुबलेपन से प्रभावित पाए गए थे। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि करोड़ों के बजट के बावजूद जमीनी स्तर पर कुपोषण की चुनौती जस की तस बनी हुई है। श्री पटवारी ने कहा कि कई जिलों में हालात बेहद चिंताजनक हैं।

पोषण ट्रैकर की रिपोर्ट (मार्च 2024 से मार्च 2025 की तुलना) के अनुसार शिवपुरी में बच्चों में ठिगनापन 49 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत और कम वजन 26 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया। अशोकनगर में ठिगनापन 47 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत और कम वजन 28 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत तक पहुंच गया। जबलपुर में ठिगनापन 39 प्रतिशत से बढ़कर 44 प्रतिशत और कम वजन 20 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया। इसके साथ ही, अशोकनगर जिले में पंजीकृत 5,117 से अधिक गर्भवती महिलाओं में से करीब 33त्न एनीमिया से पीड़ित और हाई रिस्क श्रेणी में बताई जा रही हैं। श्री पटवारी ने सवाल उठाया कि यदि इतनी बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं जोखिम में हैं, तो आयरन, फोलिक एसिड और पोषण योजनाओं का लाभ आखिर किसे मिल रहा है? श्री पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई हिस्सों से शिकायतें मिल रही हैं कि पात्र गर्भवती महिलाओं और बच्चों को टेक होम राशन (ञ्च।क्र) नियमित रूप से नहीं मिल रहा है और कई जगह 2 से 3 महीने में एक बार वितरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब लाभार्थियों तक राशन समय पर नहीं पहुंच रहा, तो हर महीने करोड़ों रुपये के भुगतान और वितरण के सरकारी दावों की वास्तविकता की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।



ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच निकली शालिग्राम की बारात

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ तुलसी विवाह

हटा (स्वतंत्र मत)। बुंदेलखंड की उपकाशी हटा में देवउठनी एकादशी पर तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन धूमधाम और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। श्री श्री 1008 श्री कौशलाधीश मंदिर से भगवान शालिग्राम की भव्य बारात निकाली गई। ढोल-नगाड़ों की धुन और मंगल गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते.गाते बारात में शामिल हुए। आतिशबाजी के साथ नगर में उत्सव का माहौल रहा। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां पूरे कार्तिक मास से चल रही थीं। महिलाओं ने एक माह तक प्रतिदिन सुबह 4 बजे उठकर स्नान के बाद भगवान श्रीहरि विष्णु और माता तुलसी की विधिविधान से पूजाअर्चना की। तुलसी के पौधे के समीप दीप प्रज्वलित कर परिक्रमा की और परिवार की सुख समृद्धि, संतान की उन्नति एवं घर में सुख-शांति की कामना की। इस दौरान विभिन्न देवस्थानों पर भजन-कीर्तन भी किए गए। देवउठनी एकादशी पर सुबह माता तुलसी और भगवान शालिग्राम को हल्दी लगाकर विवाह की रस्में शुरू की गईं।

वृद्धजनों का सम्मान और समुचित देखभाल प्रत्येक संतान का नैतिक दायित्व : राज्यपाल

राज्यपाल ने बुजुर्गों से किया सजग और सकारात्मक रहने का आह्वान



भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल शनिवार को विदिशा में ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन विषय पर किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग के मध्य हुए एम.ओ.यू के अंतर्गत आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने वृद्धजनों के सम्मान, उनकी देखभाल, पारिवारिक जिम्मेदारियों तथा समाज में बुजुर्गों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च माना गया है। माता-पिता अपने बच्चों के पालन-पोषण और बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर अनेक त्याग और संघर्ष करते हैं। वे बचपन से ही बच्चों की आवश्यकताओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और खुशियों का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन बच्चे बड़े होने के बाद अपने माता-पिता का समुचित ध्यान नहीं रख पाते। यह गंभीर चिंतन का विषय है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान और समुचित देखभाल, प्रत्येक संतान का नैतिक दायित्व है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वृद्धावस्था में अनेक कारणों से शारीरिक कमजोरियां आ जाती हैं। इस अवस्था में बुजुर्ग माता-पिता कई कार्यों के लिए अपने बच्चों पर आश्रित हो जाते हैं। ऐसे समय में संतान का दायित्व है कि वे माता-पिता की विशेष देखभाल करें। उनकी आवश्यकताओं को धैर्य के साथ समझें और उन्हें भावनात्मक संबल प्रदान करें। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था में बुजुर्गों को केवल शारीरिक सहयोग ही नहीं, बल्कि परिवार में सम्मान, अपनापन और आत्मीयता का अनुभव कराना भी बहुत जरूरी है, ताकि वे मानसिक रूप से सशक्त बने रहें और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य और उपचार सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा से जहाँ एक ओर बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी उपचार में सहायता मिल रही है, वही उनके बच्चों को माता-पिता के इलाज की चिंता से भी राहत मिलती है।



अज्ञात वाहन की टक्कर से लकड़बग्घे की मौत, सड़क किनारे मिला शव

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा-रजपुरा मार्ग पर बरी गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्लभ वन्यजीव हायना लकड़बग्घा की मौत हो गई। सड़क किनारे वन्यजीव का शव पड़ा देखकर स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। आशंका है कि सड़क पार करते समय किसी तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही हटा वन परिक्षेत्र अधिकारी विकास सेठ वन अमले के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सकों की टीम ने मृत वन्यजीव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद वन विभाग ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका अंतिम संस्कार कराया। वन विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए फतेहपुर और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय कौन सा वाहन वहां से गुजरा था। सड़क हादसे में वन्य जीव की मौत ने एक बार फिर वन्य जीव बहुल क्षेत्रों से गुजरने वाले मार्गों पर वाहनों की तेज रफ्तार और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

फुटेरा उपकेंद्र की क्षमता दोगुनी 22 गांवों को मिलेगी लो-वोल्टेज से राहत

5 एमवीए से बढ़ाकर 10 एमवीए किया ट्रांसफार्मर, किसानों की समस्या का निराकरण



पथरिया (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को लो वोल्टेज की समस्या से आखिरकार मंत्री पटेल ने निजात दिला ही दी उनके प्रयासों और निर्देशों के बाद फुटेरा स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र में 5 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर को बदलकर 10 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर रखा गया। इससे फुटेरा सहित आसपास के 22 गांवों के बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और बिजली आपूर्ति का लाभ मिलने की उम्मीद है। दरअसल रबी सीजन में सिंचाई के दौरान बिजली की मांग बढ़ने से क्षेत्र के किसानों को लंबे समय से लो.वोल्टेज की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। कम वोल्टेज के कारण किसानों को कृषि कार्यों में परेशानी होती थी। क्षेत्र के किसानों की इस समस्या को मंत्री लखन पटेल ने गंभीरता से लिया और विद्युत विभाग के अधिकारियों को उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए। उनके प्रयासों से यह कार्य पूरा हो सका है।मंत्री लखन पटेल ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए किसानों की बिजली संबंधी परेशानी के समाधान के लिए पहल की। ट्रांसफार्मर की क्षमता दोगुनी होना उनके प्रयासों का परिणाम है। इससे न केवल किसानों को सिंचाई में राहत मिलने की उम्मीद है बल्कि घरेलू और अन्य बिजली उपभोक्ताओं को भी बेहतर आपूर्ति का लाभ मिल सकेगा। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य के लिए मंत्री लखन पटेल की सराहना करते हुए उनका आभार जताया है। ग्रामीणों का कहना है कि किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कराने की दिशा में मंत्री की पहल सराहनीय है। दमोह वृत्त के अधीक्षण अभियंता अमित चौहान के निर्देशन तथा उत्तर संभाग दमोह के कार्यपालन अभियंता भोला प्रसाद पटेल और एसटीएम संभाग के कार्यपालन अभियंता श्रवण कुमार गौड़ के मार्गदर्शन में यह कार्य पूरा किया गया।

स्वदेशी, स्वाबलंवी भारत बनाने प्रारंभ हुआ स्वदेशी मेला

12 दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन संपन्न होंगी सास्कृतिक और सामाजिक मूल्यों से जुड़ी प्रस्तुतियां

दमोह (स्वतंत्र मत)। स्वर्णिम भारत फाउंडेशन और स्वदेशी जागरण मंच द्वारा नगर के तहसील मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला 2026 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से राज्यमंत्री लखन पटेल समेत मुख्य अतिथि असेंदु शर्मा क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, कपिल मलैया प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच एवं प्रांत समन्वयक, स्वावलंबी भारत अभियान स्वदेशी जागरण मंच, प्रताप प्रांतीय कृषि कार्यकारिणी सदस्य स्वदेशी जागरण मंच, विवेक शैन्डे विद्याभारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष, आनंद कलादगी पुलिस अधीक्षक दमोह, ब्रजेन्द्र राठौर प्रांत सह प्रचार प्रमुख मेला समन्वयक, आकाश पाराशर विभाग पूर्णकालिक, डॉ. सोनल राय मेला समन्वयक, प्रांत महिला कार्य प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, डॉ. मोनिका पालीवाल मेला संयोजक एवं जिला महिला कार्य प्रमुख स्वदेशी जागरण मंचए दमोह, श्रीमती संगीता श्रीधर मेला सह संयोजक, आयोजन समिति समेत आमजन की उपस्थिति रही। शुभारंभ अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ परिवार द्वारा



11 सौ दीपकों को प्रज्जवलित करते हुए दीप यज्ञ किया गया जिसमें सशक्त, स्वाबलंबी और विकसित भारत की कल्पना के साथ जनकल्याण की भावना पूर्ण होने का आव्हान किया गया। इसके बाद संगीतमय हनुमान चालीसा, दीप प्रज्जवलन और देवउठनी पूजन करते हुए मेले के शुभारंभ की घोषणा की गई और आमजन को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया गया। स्वदेशी मेले में अपने नाम और मंशा अनुरूप स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को जगह दी गई है। मेले में मुख्य रूप से स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को आगे बढ़ाने और क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। पूर्व के वर्षों में मेले के माध्यम से ऐसे कई उद्यमी सामने आए है जो मेले से अपने व्यवसाय को प्रारंभ करते हुए ना सिर्फ अपने लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार और अवसरों को सृजन कर रहे है। स्वदेशी मेले में मनोरंजन के रूप में महज व्यापारिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां भी इस मेले में लगातार जारी रहेगी।

साइकिल गोदाम में लगी आग

फायर ब्रिगेड ने समय रहते पाया काबू

हटा (स्वतंत्र मत)। मंदिर-मस्जिद चौराहे से राय चौराहे जाने वाले मार्ग पर न्यू खुराना दुकान के बाजू में स्थित महेश पंडा के साइकिल गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम में रखे साइकिल के टायर और अन्य सामग्री ने आग पकड़ ली। लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझने से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि पटाखे की चिंगारी से गोदाम में आग लगी होगी। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के दौरान स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्रित हो गए और आग बुझाने में मदद की। गोदाम के ठीक बाजू में न्यू खुराना गारमेंट्स की कपड़े की दुकान और महेश पंडा की साइकिल दुकान संचालित है। ऐसे में आग फैलने पर आसपास की दुकानों में भी बड़ा नुकसान हो सकता था। फायर ब्रिगेड की तत्परता और स्थानीय लोगों की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

सरनेम सुधार सूचना

मैं समीक्षा जयसिंघानी W/o मोहित जयसिंघानी निवासी 113, बल्देवबाग, शीतलपुरी, जबलपुर से कथन करती हूं कि विवाह पूर्व मेरा नाम समीक्षा सचदेव, D/o किशनचन्द सचेदव था, मेरा विवाह श्री मोहित जयसिंघानी जी से हुआ है अतः अब से मुझे समीक्षा जयसिंघानी से जाना पहचाना जाये।

पुराना नाम- समीक्षा सचदेव (Samiksha Sachdeva)
नया नाम- समीक्षा जयसिंघानी (Samiksha Jaisinghani)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जबलपुर (म.प्र.)

क्रमांक /315/वि.अधि. / 2026
जबलपुर दिनांक 12/11/2026

सार्वजनिक सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 6 के तहत विषय - विवाह सूचना पत्र का प्रकाशन दावत ।
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **Deepak Kushwaha** पिता **Hajari Kushwaha** उम्र 26 वर्ष निवासी **Ainchwada, Shivpuri pin** 473793 एवं आवेदिका **Kajal** पिता **Sarman** उम्र 21 वर्ष निवासी **Patan Road, Gram Ramkhiriya Boriya Jabalpur** के द्वारा समक्ष में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अंतर्गत विशेष विवाह अनुष्ठापन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 12/11/2026 को प्रस्तुत किया गया है।
उक्त प्रस्तावित विवाह अनुष्ठापन के विरुद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 11/12/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्रं./बा. वि./2026/151
दिनांक 17/11/2026

दुकान नामान्तरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि श्रीमति शांति गुप्ता पति श्री सुरेश गुप्ता द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं हस्तांतरण पंजीयन पत्र के आधार पर निगम स्वामित्व की निवाड़गंज बेरिक नं. 10 मार्केट दुकान क्रं. 336 में नया अनुज्ञप्तिधारी के रूप पर नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया हैं। जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में कार्यालय बाजार अधीक्षक, कमरा नं. 57, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाजार अधीक्षक
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट **https://mptender.gov.in** पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3.	4	5	6
1.	PRO-793 Date: 01/12/2026 2026_UAD_ 550997_1	संभाग क्र. 08 शीतलामाई वार्ड अंतर्गत मुन्ना चौधरी के घर से वंशकार मोहल्ले में नाले तक नाली निर्माण एवं फुटपात का सीमेंटीकरण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह / 5.12	2000/- / 5128/-	17/12/2026
2.	PRO-793 Date: 01/12/2026 2026_UAD_ 550997_2	संभाग क्र. 08 शीतलामाई वार्ड अंतर्गत पुत्रीशाला परिसर में सीमेंटीकरण एवं पेशाबघर के बाजू में रोटरी निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह / 3.92	2000/- / 3924/-	17/12/2026
3.	PRO-793 Date: 01/12/2026 2026_UAD_ 550997_3	संभाग क्र. 08 मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वार्ड अंतर्गत बड़ी मदार टेकरी मस्जिद के सामने पुलिया एवं नाली निर्माण एवं पेशाबघर का निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह / 4.24	2000/- / 4246	17/12/2026
4.	PRO-793 Date: 01/12/2026 2026_UAD_ 550997_4	संभाग क्र. 16 ठक्करग्राम वार्ड अंतर्गत सईद भाई के घर से युसूफ भाई के घर तक मुन्ना किराना से मुईन के घर तक मुसूर के घर से मुस्ताक टेलर के घर तक मुबीन के घर से कमरू के घर तक विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह / 8.43	2000/- / 8438	17/12/2026

नोट- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन वेबसाइट **https://mptender.gov.in** पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थी हुए पुरस्कृत



शासकीय संभागीय आईटीआई में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद कमलेश अग्रवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर संयुक्त संचालक, कौशल विकास जबलपुर डॉ अर्पित शुक्ला एवं संस्था के प्राचार्य अमित अठ्या भी मौजूद रहे। समारोह में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण भी किया गया। विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन देखा एवं सुना।

314 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मिली मंजूरी



नगर निगम में सदन की बैठक का आयोजन, लिए गए निर्णय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश में स्वच्छता प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए नगर निगम की सदन की बैठक में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के पार्षदों ने महापौर जगत बहादुर का सम्मान किया। सदन में प्रस्तुत कुल प्रस्तावों में से 32 प्रस्ताव सर्वसम्मति पारित हुए। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए शीघ्र ही 140 नई गाड़ियां खरीदी जाएंगी। शहर की बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए यू.सी.एफ. के अंतर्गत 314 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोल रहा है एआई

हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी देवताल में एआई प्रॉम्प्ट पर कार्यशाला का आयोजन



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल में विगत दिवस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं उसके प्रभावी उपयोग को लेकर एक ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को एआई प्रॉम्प्ट की उपयोगिता, उसके सही प्रयोग तथा शिक्षा के क्षेत्र में इसकी व्यावहारिक संभावनाओं से परिचित कराना था।



कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए करें एआई का उपयोग

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य तृप्ति नारंग ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें तथा एआई का उपयोग अपनी रचनात्मकता, ज्ञान और कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने कहा कि तकनीक का सही एवं जिम्मेदार उपयोग ही भविष्य की शिक्षा को नई दिशा प्रदान करेगा। कार्यशाला में विद्यार्थियों के लिए भी यह सत्र अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा। उन्हें एआई की कार्यप्रणाली, प्रभावी प्रॉम्प्ट लिखने तथा पढ़ाई में इसके रचनात्मक उपयोग की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं का सहयोग रहा। सभी शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिखाया एआई प्रॉम्प्ट तैयार करने का तरीका

कार्यशाला में अतिथि व्याख्याता के रूप में श्री रेवांश एवं श्री कुशाग्र उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि किस प्रकार प्रभावी एआई प्रॉम्प्ट तैयार करके शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक सरल, रोचक एवं परिणामोन्मुख बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या परिषद के सचिव जयेश राठौर उपस्थित रहे। साथ ही हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव एवं बाल न्यायपीठ से नीतू की उपस्थिति रही।



बादलों ने डाला डेरा रिमझिम फुहारों से खुशनुमा हुआ मौसम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शनिवार सुबह से ही जिले में मौसम का मिजाज बदल गया है। बढ़ती ठंड के बीच रिमझिम फुहारों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है। हालांकि एक-दो दिन में बादल छंट जाएंगे और ठंड का असर बढ़ जाएगा। नवंबर के आखिरी दिनों में बढ़ती ठंड के साथ सुहानी धूप से मौसम और खुशनुमा होगा। मौसम का यह अंदाज न केवल आम जनजीवन के लिए राहतभरा है, बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी बेहद अनुकूल है। भेड़ाघाट के संगमरमरी सौंदर्य से लेकर बरगी बांध और मदन महल की पहाड़ियों तक ओर आस-पास के कान्हा, पेंच सहित सहित अन्य प्राकृतिक स्थलों का नजारों का आनंद लेने के लिए यह मौसम बेहतरीन माना जा रहा है।

चक्रवात अकवान का रहेगा असर, पड़ेगी कड़ाके की ठंड

ऐसा रहा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकत तापमान 24.3 एवं न्यूनतम तापमान 17.6 रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अभी दो दिन मौसम का अंदाज ऐसा ही रहेगा इसके बाद मौसम की रंगत बदल जाएगी। ऐसे में सुबह की सैर, खुले वातावरण में समय बिताने और पर्यटन स्थलों की सैर के लिए आगामी दिनों में अनुकूल परिस्थितियां हैं। पर्यटकों के लिए यह समय खास है। धुआंधार जलप्रपात, संगमरमर की चट्टानों के बीच नौका विहार, बरगी के शांत जलक्षेत्र और शहर के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण मौसम के आनंद को दोगुना कर सकता है। नवंबर का यह खुशनुमा मौसम जबलपुर को सुकून, सैर-सपाटे और प्रकृति के करीब समय बिताने के लिए आकर्षक बना रहा है।

विश्व मधुमेह दिवस पर जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जन-जागरूकता अभियान



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा 21 नवंबर को जानकी रमण अस्पताल में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक शिक्षक अरविंद यादव एवं साक्षी पटेल ने गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन किया तथा विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मधुमेह रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा इसके शीघ्र निदान, रोकथाम, जोखिम कारकों एवं उचित प्रबंधन के संबंध में लोगों को जानकारी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यार्थियों ने मधुमेह से बचाव, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, रोग के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान तथा नियमित रूप से रक्त शर्करा की जाँच के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने अस्पताल में उपस्थित लोगों से संवाद कर उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, नियमित शारीरिक व्यायाम करने तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, मधुमेह से होने वाली जटिलताओं की रोकथाम के लिए समय रहते आवश्यक सावधानियां बरतने का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को मधुमेह के प्रति जागरूक रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

युवा प्रतिभाओं को मिली अभिव्यक्ति की नई उड़ान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हर बड़ी कहानी की शुरुआत एक छोटे से विचार से होती है, जिसे साकार करने का साहस ही उसे खास बनाता है।विद्यार्थियों की रचनात्मकता को नई दिशा देने और उन्हें मीडिया एवं पत्रकारिता की दुनिया से परिचित कराने के उद्देश्य से रायन इंटरनेशनल स्कूल, शांतिनगर एवं सेंट जेवियर्स हाई स्कूल द्वारा रायन टीवी के सहयोग से चार सप्ताह तक ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसके पश्चात एक सप्ताह की ऑफलाइन कार्यशाला - 16 से 21 नवंबर तक बीबीएन (बियॉन्ड ब्रेकिंग न्यूज़) वर्कशॉप का आयोजन किया गया। छह दिवसीय इस कार्यशाला ने विद्यार्थियों को सीखने, प्रयोग करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। कार्यशाला का संचालन शिबानी शर्मा, हेड ऑफ कंटेंट डेवलपमेंट, रायन टीवी एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। विभिन्न रोचक एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, स्क्रिप्टिंग, कैमरा संचालन, साक्षात्कार, वीडियो निर्माण एवं न्यूज़ एंकरिंग की बारीकियाँ सीखीं। इस अनुभव ने उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता, टीमवर्क और प्रभावशाली संचार कौशल को विकसित किया। कार्यशाला का समापन 21 नवंबर को आयोजित बीबीएन स्क्रीनिंग एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ।



विश्व मत्स्य दिवस पर वीयू में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 21 नवंबर को विश्व मत्स्य दिवस के उपलक्ष्य में 'नवाचार, उद्यमिता और सतत मत्स्य विकास' तथा 'मत्स्य प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता और कृषक विकास' विषय पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जॉइंट डायरेक्टर गिरीश मेश्राम ने अपने संबोधन में मत्स्य पालन विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी व हितग्राही योजनाओं, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मिलने वाले अनुदान एवं लाभों तथा मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। विशिष्ट अतिथि एवं डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ. सुनील नायक ने अपने भाषण में विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों, कृषकों तक नवीनतम मत्स्य तकनीकों के हस्तांतरण तथा क्षेत्र के समग्र मत्स्य विकास से जुड़े अपने अनुभवों एवं विचारों को प्रमुखता से रखा। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. महाजन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों, शोधार्थियों और मत्स्य पालकों को नवाचार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सोना दुबे द्वारा एवं सह-समन्वयन शिवमोहन सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने आयोजन की रूपरेखा और संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।



चूल्हे की चिंगारी से भड़की आग महिला की जिंदा जलने से मौत



सिहोरा (स्वतंत्र मत)। वार्ड नंबर 9 के इमलहापुरा में शनिवार दोपहर चूल्हे से भड़की आग ने एक महिला की जान ले ली। खाना बनाते समय अचानक आग आसपास रखे कपड़ों तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने कच्चे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। छोटे कमरे में फंसी महिला बाहर नहीं निकल सकी और मौके पर ही उसकी जलने से मौत हो गई। मृतका की पहचान पूजा कोल (45) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पूजा का पति बंटी कोल मजदूरी करता है, जबकि पूजा कबाड़ बीनकर परिवार का गुजारा करने में सहयोग करती थी। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे पति मजदूरी से घर लौटा था। पूजा ने उसे खाना खिलाया, जिसके बाद वह घूमने चला गया। इसी दौरान पूजा चूल्हे पर खाना बना रही थी। तभी आग कपड़ों तक पहुंची और पूरे घर में फैल गई। घनी बस्ती में आग बुझाने पहुंची नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई। रास्ते में नीचे लटक रही बिजली की केबल को ऊपर करवाने के बाद वाहन मौके तक पहुंच सका।

नर्मदा परिक्रमा से पहले 108 हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा (पंजी) समिति जबलपुर के तत्वावधान में समिति के संरक्षक जगतगुरु स्वामी राघव देवाचार्य महाराज के सानिध्य में बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर दिनांक 23 नवंबर को महर्षि गौतम आश्रम, गोपालपुर, भेड़ाघाट से आयोजित होने वाली नर्मदा परिक्रमा की सफलता हेतु शिव कल्याण मंदिर हनुमानजी महाराज के श्रीचरणों में 108 हनुमान चालीसा पाठ संपन्न हुआ। साथ ही 108 पीत ध्वजों का विधि-विधान से पूजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भक्तजनों ने नर्मदा परिक्रमा के सफल एवं मंगलमय आयोजन की कामना की। समिति के सचिव देवेंद्र नेमा ने बताया कि संस्कारधानी से परिक्रमा में सम्मिलित होने वाले भक्तजनों की सुविधा हेतु एसबीआई चौक (दीनदयाल) से भेड़ाघाट तक मेट्रो बस की व्यवस्था की गई है। बसें प्रातः 6 बजे से दमोहनाका, रानीताल से नगर निगम मदनमहल में उपलब्ध रहेंगी। बस यात्रा का शुल्क यात्रीगण स्वयं वाहन संचालक को भुगतान करेंगे। हनुमान चालीसा पाठ के अवसर पर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा आदि उपस्थित रहे।



निबंध, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने समझी मतदान की प्रक्रिया

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निर्वाचन साक्षरता क्लब द्वारा मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की लगभग 56 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। निबंध लेखन प्रतियोगिता के अंतर्गत शुद्ध मतदाता सूची का महत्व एवं मतदान का महत्व विषय निर्धारित किए गए थे।



वहीं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मतदाता सूची, ईवीएम एवं वीवीपैट, मतदान प्रक्रिया, मतगणना तथा एसआईआर से संबंधित प्रश्न पूछे गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की उपप्राचार्य एवं निर्वाचन साक्षरता क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव के संयोजन तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. निधि माथुर के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता,प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

दशकों सेवा लेने के बाद अतिथि विद्वानों के भविष्य की जिम्मेदारी सरकार की: मप्र हाईकोर्ट

अतिथि विद्वानों के भविष्य को लेकर मप्र हाईकोर्ट ने जताई गंभीर चिंता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सरकारी कालेजों में दो से तीन दशक तक अध्यापन करने वाले अतिथि विद्वानों के भविष्य को लेकर मप्र हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि वर्षों तक सेवाएं लेने के बाद सरकार उन्हें उनके हाल पर नहीं छोड़ सकती। न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने अलग संवर्ग गठित कर समायोजन की नीति बनाने का सुझाव दिया है। दरअसल सतना निवासी डॉ. जितेंद्र कुमार शुक्ला सहित अन्य की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए युगलपीठ ने 20 नवंबर को आठ रिट अपीलों का एक साथ निराकरण किया। अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सत्य प्रकाश मिश्रा सहित अन्य ने पैरवी की।

सुविधाओं का अभाव भी चिंता का विषय

हाईकोर्ट ने कहा कि अतिथि विद्वानों की करीब 50 हजार रुपये मानदेय मिलता है, जबकि नियमित प्राध्यापकों का वेतन एक लाख रुपये से अधिक है। पीएफ और ग्रेच्युटी जैसी सुविधाओं का अभाव भी चिंता का विषय है।

समायोजन की व्यवस्था विकसित करने पर विचार करे। युगलपीठ ने 10 जुलाई 2016 की दैनिक वेतनभोगी स्थायी कर्मी नीति की तर्ज पर अतिथि विद्वानों के लिए अलग संवर्ग बनाकर समायोजन की व्यवस्था विकसित करने पर



विचार करने को कहा। प्रदेश के 571 सरकारी कालेजों में करीब 12 हजार स्वीकृत पद हैं। अतिथि विद्वानों की संख्या 300 से कम बताई गई है।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**